॥ हर हर महादेव ॥

RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए सितम्बर 2025 वर्ष 04, अंक 9 , मासिक पत्रिका

ISO 9001:2015 CERTIFIED

विश्व में भारत का नाम रोशन करने वाले और हम सभी को गौरवान्वित करने वाले

माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी

जी को **75वें जन्मदिन की** हार्दिक बधाई एवं **शुभकामनाएं**

अपने प्रधानमंत्री को जानें

नरेंद्र मोदी (जन्म 17 सितंबर, 1950, वडनगर, भारत) एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सरकारी अधिकारी हैं, जो देश के वरिष्ठ नेता बने।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)। 2014 में उन्होंने अपनी पार्टी को लोकसभा (भारतीय संसद के निचले सदन) के चुनावों में जीत दिलाई, जिसके बाद उन्हें भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई । इससे पहले उन्होंने (2001-14) पश्चिमी भारत में गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री (सरकार के प्रमुख) के रूप में कार्य किया था। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा (और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन) ने 2019 के आम चुनाव में फिर से बहुमत हासिल किया। हालाँकि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही, लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने लोकसभा की 543 सीटों में से 293 सीटें जीत लीं, जिससे मोदी के लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

मोदी का पालन-पोषण उत्तरी गुजरात के एक छोटे से कस्बे में हुआ और उन्होंने अहमदाबाद स्थित गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में एम.ए. की डिग्री हासिल की। वे हिंदुत्व समर्थक आंदोलन में शामिल हो गए। 1970 के दशक की शुरुआत में मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) संगठन में शामिल हो गए और अपने क्षेत्र में आरएसएस की छात्र शाखा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, की एक इकाई स्थापित की। मोदी आरएसएस के पदानुक्रम में लगातार आगे बढ़ते गए और इस संगठन से उनके जुड़ाव ने उनके बाद के राजनीतिक करियर को काफ़ी फ़ायदा पहुँचाया।

मोदी 1987 में भाजपा में शामिल हुए और एक साल बाद उन्हें पार्टी की गुजरात शाखा का महासचिव बनाया गया। बाद के वर्षों में राज्य में पार्टी की उपस्थिति को मज़बूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। 1990 में, मोदी उन भाजपा सदस्यों में से एक थे जिन्होंने राज्य में गठबंधन सरकार में भाग लिया था , और उन्होंने 1995 के राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा को सफलता दिलाने में मदद की, जिसके परिणामस्वरूप मार्च में पार्टी भारत में पहली बार भाजपा-नियंत्रित सरकार बनाने में सफल रही। हालाँकि, राज्य सरकार पर भाजपा का नियंत्रण अपेक्षाकृत कम समय तक रहा और सितंबर 1996 में समाप्त हो गया।

राजनीतिक उत्थान और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल

1995 में मोदी को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन सचिव बनाया गया और तीन साल बाद उन्हें महासचिव नियुक्त किया गया। वे अगले तीन साल तक इस पद पर रहे, लेकिन अक्टूबर 2001 में उन्होंने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री, भाजपा के एक अन्य सदस्य, की जगह ले ली।केशुभाई पटेल, जिन्हें उस वर्ष की शुरुआत में गुजरात के भुज में आए भीषण भूकंप , जिसमें 20,000

से ज़्यादा लोग मारे गए थे, के बाद राज्य सरकार की लचर प्रतिक्रिया के लिए ज़िम्मेदार ठहराया गया था। मोदी ने अपना पहला चुनावी मुकाबला फरवरी 2002 में हुए उपचुनाव में लड़ा, जिसमें उन्हें गुजरात राज्य विधानसभा में एक सीट मिली।

इसके बाद मोदी का राजनीतिक जीवन विवादों से घिरा रहा। 2002 में गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान मुख्यमंत्री के रूप में उनकी भूमिका पर विशेष रूप से सवाल उठाए गए थे। उन पर हिंसा को बढ़ावा देने या कम से कम 1,000 से अधिक लोगों, जिनमें ज्यादातर मुसलमान थे, की हत्या को रोकने के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया गया था। यह हत्या गोधरा शहर में एक ट्रेन में आग लगा दिए जाने के बाद हुई थी जिसमें दर्जनों हिंदू यात्रियों की मौत हो गई थी । 2005 में संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन्हें इस आधार पर राजनयिक वीजा जारी करने से मना कर दिया था कि वे 2002 के दंगों के लिए जिम्मेदार थे और यूनाइटेड किंगडम ने भी दंगों में उनकी भूमिका की आलोचना की थी। हालांकि बाद के वर्षों में मोदी खुद न्यायपालिका या जांच एजेंसियों से किसी भी अभियोग या निंदा से बच गए, लेकिन उनके कुछ करीबी सहयोगियों को 2002 की घटनाओं में मिलीभगत का दोषी पाया गया और उन्हें लंबी जेल की सजा मिली। मोदी प्रशासन पर पुलिस या अन्य अधिकारियों द्वारा न्यायेतर हत्याओं (जिन्हें विभिन्न प्रकार की "मुठभेड़ें" या "फ़र्ज़ी मुठभेड़" कहा जाता है) में शामिल होने का भी आरोप लगाया गया था। 2004 में हुए ऐसे ही एक मामले में एक महिला और तीन पुरुषों की हत्या हुई थी, जिनके बारे में अधिकारियों ने कहा था कि वे लश्कर-ए-तैयबा (एक पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जो 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में शामिल था) के सदस्य थे और उन पर मोदी की हत्या की साजिश रचने का आरोप था ।हालाँकि, गुजरात में मोदी की बार-बार की राजनीतिक सफलता ने उन्हें भाजपा पदानुक्रम में एक अपरिहार्य नेता बना दिया और उन्हें राजनीतिक मुख्यधारा में पुनः शामिल होने का मार्ग प्रशस्त किया। उनके नेतृत्व में, भाजपा ने दिसंबर 2002 के विधानसभा चुनावों में एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की, जिसमें सदन की 182 सीटों में से 127 सीटें (मोदी की एक सीट सहित) जीतीं। गुजरात में विकास और प्रगति के लिए एक घोषणापत्र प्रस्तुत करते हुए , भाजपा ने 2007 के राज्य विधानसभा चुनावों में एक बार फिर जीत हासिल की, जिसमें कुल 117 सीटें मिलीं, और पार्टी ने 2012 के चुनावों में भी 115 सीटें जीतकर फिर से जीत हासिल की। दोनों बार, मोदी ने अपने चुनाव जीते और मुख्यमंत्री के रूप में वापसी की। गुजरात सरकार के मुखिया के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मोदी ने एक कुशल प्रशासक के रूप में अपनी विशिष्ट प्रतिष्ठा स्थापित की, और राज्य की अर्थव्यवस्था के तेज़ विकास का श्रेय उन्हें दिया गया। इसके अलावा, उनके और पार्टी के चुनावी प्रदर्शन ने मोदी को न केवल पार्टी के भीतर सबसे प्रभावशाली नेता के रूप में, बल्कि भारत के प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में भी स्थापित किया । जून 2013 में, मोदी को 2014 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के अभियान का नेता चुना गया।

2024 के संसदीय चुनावों में एक और निर्णायक जीत के बाद, श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 जून 2024 को तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह जीत श्री मोदी के लिए लगातार तीसरा कार्यकाल है, जिससे उनका नेतृत्व और मजबूत हुआ है।

प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से श्री मोदी ने नागरिकों के लिए न्याय को हमेशा प्राथमिकता दी है। गुजरात में लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए उन्होंने शाम की अदालतों की शुरुआत की। केंद्र में उन्होंने PRAGATI (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) शुरू किया जो विकास में देरी कर रहे लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए एक कदम है।

श्री मोदी की विदेश नीति की पहल ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की वास्तविक क्षमता और भूमिका का एहसास कराया है। पीएम ने सार्क देशों के सभी प्रमुखों की उपस्थिति में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया और दूसरे की शुरुआत में बिम्सटेक नेताओं को आमंत्रित किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके संबोधन की दुनिया भर में सराहना हुई। पीएम मोदी 17 साल की लंबी अवधि के बाद नेपाल, 28 साल के बाद ऑस्ट्रेलिया, 31 साल के बाद फिजी और 34 साल के बाद सेशेल्स और यूएई के द्विपक्षीय दौरे पर जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। पदभार संभालने के बाद से श्री मोदी ने UN, BRICS, SAARC और G-20 समिट में भाग लिया, जहां विभिन्न वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर भारत के विचारों को व्यापक रूप से सराहा गया।पीएम मोदी को सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुलअजीज सैश' समेत कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। श्री मोदी को रूस (द ऑर्डर ऑफ द होली एपोस्टल एंड्रयू द फर्स्ट), फिलिस्तीन (ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन), अफगानिस्तान (अमीर अमानुल्लाह खान अवॉर्ड), यूएई (ऑर्डर ऑफ जायद अवॉर्ड) मालदीव (रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन), बहरीन (किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां), भूटान (ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो), पापुआ न्यू गिनी (ग्रैंड कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ़ लोगोहू), फिजी (कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी), मिस्र (ऑर्डर ऑफ नाइल), फ्रांस (ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर) और ग्रीस (द ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर) के शीर्ष पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। 2018 में पीएम को शांति और विकास में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित सियोल शांति पुरस्कार मिला। उन्हें बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड और कैम्ब्रिज एनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स द्वारा ग्लोबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंट लीडरशिप अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाने के नरेन्द्र मोदी के आह्वान को संयुक्त राष्ट्र में जबरदस्त समर्थन मिला। इस पहल के लिए दुनिया भर के कुल 177 राष्ट्र एक साथ आए और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र में 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया।नरेन्द्र मोदी एक 'जनता के नेता' हैं और वे आमजन की समस्याओं को हल करने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने के लिए समर्पित हैं। लोगों के बीच रहने, उनके साथ खुशियां साझा करने और उनके दुखों को दूर करने से ज्यादा कुछ भी उनके लिए संतोषजनक नहीं है। जमीनी स्तर पर तो उनका लोगों के साथ एक मजबूत व्यक्तिगत जुड़ाव तो है ही, साथ ही साथ सोशल मीडिया पर भी उनकी मजबूत उपस्थिति है। उन्हें भारत के सबसे ज्यादा टेक्नो-सेवी लीडर के रूप में भी जाना जाता है।

राजनीति से परे नरेन्द्र मोदी को लिखना पसंद है। उन्होंने कविता समेत कई किताबें लिखी हैं। वह अपने दिन की शुरुआत योग से करते हैं। योग उनके शरीर और दिमाग को मजबूत बनाता है और तेज गति चलने वाली दिनचर्या में शांति की शक्ति पैदा करता है।

हमारा देश
हमारा अभिमान

सुविचार

"सपना वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन • केशव पांडे जी
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन • श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांसद)
- श्री के. कान्याल • श्री मधु सुदन मिश्रा
- राजेश कुमार त्रिपाठी
- मुकुल गुप्ता जी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया हेमाटोजिस्ट और बोन मेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- श्री अतेन्द्र सिंह रावत
- श्री विजय महाजन
- श्री एडवोकेट धर्मेंद्र चतुर्वेदी कानूनी सलाहकार

सह सलाहकार

- श्री विजय महाजन
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (जोधपुर मिष्ठान भंडार),
- श्री आर एन नार्वे (सीनियर ऑडिटर),
- श्री विनीत त्रिपाठी जी. एम. लैंडमार्क एनएक्स,
- श्री अतेंद्र रावत
- श्री विनीत त्रिपाठी (जी.एम. लैंडमार्क एन एक्स) मंगला चतुर्वेदी, सोनीष वसिष्ठ,
- श्री महेंद्र सिंह राजपुरोहित (प्रो.जोधपुर मिष्ठान भंडार), रुचि चतुर्वेदी,कमल वर्मा अजय चतुर्वेदी,चंचल शर्मा, अनिल शर्मा

विशेष सह सलाहकार - श्री अतेंद्र सिंह रावत

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील • हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

संपादकीय	04-05
राष्ट्रीय न्यूज	06-07
ग्वालियर	08-11
इंदौर	12-15
मध्य प्रदेश	17-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
ट्रेडिंग जॉब	51

बारिश में खूब फलता-फूलता है ये बिजनेस 25-30 फीसदी कमा सकते हैं मुनाफा

यदि आप उद्यमिता की राह पर आगे बढ़ने के लिए बरसात के मौसम पर आधारित व्यवसायिक विचारों की तलाश कर रहे हैं, तो आप सही जगह पर हैं। वर्षा ऋतु में व्यवसाय शुरू करने के साथ, ऐसे बहुत सारे अवसर हैं जो आपको अपने सपनों को पूरा करने और सफल करियर बनाने में मदद कर सकते हैं। इस पोस्ट में, आप लाभदायक व्यवसायिक विचारों की खोज करेंगे, जो उन लोगों के लिए एकदम सही हैं जो एक लचीली नौकरी चाहते हैं, जो औसत आय को कई गुना बढ़ाने में सक्षम

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री मोदी की वो 11 योजनाएं जो बन गई देशवासियों के लिए वरदान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन आज पूरा देश मना रहा है। सत्ता में मोदी सरकार को 11 साल हो गए हैं। इन 11 सालों में ऐसी कई योजनाएं रहीं, जो आम लोगों के लिए वरदान साबित हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 75 साल के हो गए हैं। सरकार के साथ-साथ पूरा देश उनका जन्मदिन मना रहा है। पिछले 11 साल से केंद्र में मोदी सरकार है। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी की झोली में कई उपलब्धियां हैं। कई ऐतिहासिक फैसले भी उनके कार्यकाल में लिए गए। मोदी सरकार के दौरान ऐसी कई योजनाएं शुरू की गईं, जो देश के आम लोगों के लिए वरदान साबित हुईं।

चाहे महिलाएं हों, किसान हों, युवा हों या बुजुर्ग, पीएम मोदी के कार्यकाल में सभी के लिए कुछ न कुछ शुरू किया गया। हालांकि इस दौरान ऐसी कुछ स्कीम्स रहीं, जिन्होंने काफी कुछ बदल दिया। गरीब महिलाओं को चूल्हे के धुएं से छुटकारा दिलाने के लिए योजना आई तो गरीब लोगों को भी अच्छा इलाज देने के लिए स्कीम लाई गई। यही नहीं देश के गरीब से गरीब व्यक्ति को भी बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा गया। सरकारी योजनाओं का लाभ बिचौलिए न खा जाएं, इसके लिए DBT (Direct Bank Transfer) प्रणाली आई।

1. प्रधानमंत्री जन धन योजना

सत्ता में आते ही 2014 में एक इस योजना की शुरुआत हुई

पीएम जनधन योजना के तहत देश के गरीब लोगों के जीरो बैलेंस पर बैंक खाते खोले गए

अब तक करीब 55 करोड़ लोगों के जनधन खाते खुल चुके हैं

2. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

देश के किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना को शुरू किया गया

करीब 10 करोड़ किसानों को इस योजना का लाभ मिल रहा है

इस योजना के तहत पात्र किसानों के खाते में साल में 6000 रुपये भेजे जाते हैं

3. आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

गरीब नागरिकों को भी बेहतर इलाज के लिए इस योजना को लॉन्च किया गया

इस योजना के 2 तरह के कार्ड बनते हैं: आयुष्मान कार्ड और आयुष्मान वय वंदना कार्ड

आयुष्मान कार्ड के जरिए गरीब लोग भी प्राइवेट अस्पतालों में 5 लाख तक का कैशलेस इलाज करा सकते हैं

4. प्रधानमंत्री आवास योजना

गरीब लोगों को पक्की छत मिलने का सपना पीएम आवास योजना के जरिए पूरा हुआ

पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत गांवों में घर बनाने के लिए 1.30 लाख रुपये तक दिए जाते हैं

वहीं शहरों के लिए पीएम आवास योजना-शहरी है, जिसमें घर बनाने के लिए 2.50 लाख रुपये तक मिलते हैं

घर बनाने के लिए लिए गए होम लोन के ब्याज पर भी इस योजना के तहत सब्सिडी मिलती है

5. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं की देखभाल के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना शुरू की गई

इस योजना के तहत महिलाओं को खानपान व देखभाल के लिए आर्थिक मदद की जाती है

महिलाओं को पहले बच्चे के जन्म पर 5000 रुपये दिए जाते हैं

दूसरी बार अगर बेटी का जन्म होता है तो 6000 रुपये मिलते हैं

6. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

प्रधानमंत्री उज्वला योजना की शुरुआत 2016 में की गई

इस योजना के तहत गरीब व जरूरतमंद महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं

इसके अलावा गैस सिलेंडर पर भी सब्सिडी मिलती है

देश में करीब 13 करोड़ परिवार इस योजना का लाभ उठा रहे हैं

7. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत की गई

इस योजना का उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना है

बिजनेस के लिए 50000 से 20 लाख तक का लोन बिना ब्याज के मिलता है

8. प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

बिजली के मोटे बिलों से छुटकारा दिलाने का काम किया पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने

इस योजना के तहत कोई भी अपने घर पर सोलर पैनल लगवा सकता है

केंद्र सरकार इसके लिए 78000 रुपये की सब्सिडी देती है

इसके अलावा राज्य सरकारें भी अपने-अपने स्तर पर सब्सिडी दे रही हैं

सोलर पैनल लगवाकर हर महीने मुफ्त बिजली पाई जा सकती है

9. प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना

कोविड की सबसे ज्यादा मार गरीब रेहड़ी-पटरी वालों को पड़ी

मोदी सरकार ने इनके लिए एक खास योजना को लॉन्च किया

पीएम स्वनिधि योजना के तहत 50000 रुपये तक का लोन बिना गारंटी मिल जाता है।

10. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना

गरीब लोग जीवन बीमा के बारे में सोच भी नहीं पाते थे

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से यह सपना साकार हुआ

महज 436 रुपये साल में देने पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा मिलता है

11. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

आम लोगों को भी एक्सीडेंटल इंश्योरेंस मिले इसके लिए पीएम सुरक्षा बीमा योजना शुरू की गई

इस योजना के तहत महज 20 रुपये में 2 लाख रुपये का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस मिलता है

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का खाका पेश किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत 2047 तक एक विकसित देश होगा। 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि 2047 तक, जो भारत की स्वतंत्रता का 100वां वर्ष होगा, भारत विकसित देश का दर्जा प्राप्त कर लेगा।

श्री मोदी ने यह दावा देश की क्षमता, उपलब्ध संसाधनों और विशेष रूप से, देश के युवाओं की ताकत के आधार पर किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाले पाँच साल इस आकांक्षा को साकार करने के लिए एक महत्वपूर्ण "स्वर्णिम अवसर" होंगे। उन्होंने कहा कि भारत एक निर्णायक मोड़ पर है और उसके पास कोविड महामारी के बाद उभर रही नई विश्व व्यवस्था को आकार देने की ताकत है। श्री मोदी ने देशवासियों को अगले पाँच वर्षों में एक उज्ज्वल भविष्य वाले "नए भारत" का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा देकर भारत को एक विकसित देश बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि जनसांख्यिकी, लोकतंत्र और विविधता की त्रिवेणी में भारत के हर सपने को साकार करने की क्षमता है।

प्रधानमंत्री ने देश से भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और तुष्टिकरण के तीन पापों से मुक्ति पाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में न केवल बड़े शहर, बल्कि टियर-2 शहर भी योगदान दे रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि देश में उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की हर रेटिंग एजेंसी भारत की सराहना कर रही है, जो 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद 10वें स्थान से दुनिया की पाँचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। दुनिया का हर विशेषज्ञ कह रहा है कि भारत अजेय है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए अगले महीने 13 से 15 हज़ार करोड़ रुपये के आवंटन के साथ विश्वकर्मा योजना शुरू करेगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जन औषधि केंद्रों की संख्या दस हज़ार से बढ़ाकर 25 हज़ार की जाएगी। मणिपुर के बारे में, श्री मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में धीरे-धीरे शांति लौट रही है और देश मणिपुर के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में समाधान का रास्ता शांति से ही निकलेगा और केंद्र तथा राज्य सरकारें समाधान के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं और आगे भी करती रहेंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सेनाओं को युवा और युद्ध के लिए तैयार बनाने के लिए निरंतर सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले लोग बम धमाकों की खबरें सुनते थे, लेकिन आज देश सुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा और शांति होगी, तब हम विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पाँच वर्षों में 13.5 करोड़ से ज़्यादा लोग गरीबी से बाहर निकलकर नव-मध्यम और मध्यम वर्ग का हिस्सा बन गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि आज दुनिया तकनीक से प्रेरित है और भारत इसमें अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास देश को आगे ले जाएगा और हम गर्व से कह सकते हैं कि देश इस क्षेत्र में अग्रणी है। नागरिक उड्डयन में देश के पास सबसे ज़्यादा पायलट हैं और चंद्रयान मिशन का नेतृत्व महिला वैज्ञानिक कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 देश भी महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के महत्व को पहचान रहे हैं।

सरकार महिला स्वयं सहायता समूहों को मज़बूत करने के लिए कृषि-तकनीक क्षेत्र के लिए एक नई योजना भी तैयार कर रही है। उन्हें ड्रोन चलाने और उनकी मरम्मत का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल की शुरुआत 15 हज़ार महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा ड्रोन उड़ाने से होगी। मुद्रास्फीति के बारे में, श्री मोदी ने कहा कि दुनिया मुद्रास्फीति के संकट से जूझ रही है और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था इसकी गिरफ़्त में है। उन्होंने कहा कि भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास किए हैं और इस दिशा में आगे भी कदम उठाता रहेगा।

श्री मोदी ने कहा कि नया भारत आत्मविश्वास से भरा है और कई लक्ष्य समय से पहले हासिल किए गए हैं। इनमें 5G नेटवर्क से लेकर 200 करोड़ कोविड टीकाकरण और 500 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य शामिल है। 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य 2021-22 में ही हासिल कर लिया गया। 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भी समय से पाँच साल पहले हासिल कर लिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएगा, तो भारत का तिरंगा एक विकसित भारत का तिरंगा होना चाहिए।

इससे पहले, श्री मोदी ने लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सेना के बैंड से राष्ट्रीय सलामी ली। भारतीय वायु सेना के दो उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर पुष्प वर्षा की गई। देश भर से विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लगभग 1800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इनमें सरपंच, जीवंत गाँवों के प्रतिनिधि, किसान संगठन, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, नर्स और मछुआरे शामिल थे।

एशिया कप में इंडियन क्रिकेट टीम से करारी हार मिलने के बाद पाकिस्तानी बुरी तरह बैखलाए

इंटरनेशल लेवल पर हुई इस बेइज्जती पर अजीब-अजीब बयान देते नजर आ रहे हैं. ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच हुए इस मैच पर सभी की नजरें टिकी थीं, तो अब जब पाकिस्तान की टीम बुरी तरह हार गई तो वहां के पूर्व खिलाड़ियों से लेकर पाकिस्तानी एक्सपर्ट तक किसी न किसी तरह अपनी भड़ास निकाल रहे हैं. ऐसे ही एक पाकिस्तानी एक्सपर्ट साजिद तरार भी पाकिस्तान की हार पर बौखलाए हुए हैं और अजीब बयान दे रहे हैं. साजिद तरार का कहना है कि जब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस से तेल खरीदना पूरी तरह बंद नहीं करवा देते हैं, वह चुप नहीं बैठेंगे. उन्होंने कहा कि जब भारत तेल खरीदना बंद करेगा तो वहां महंगाई का तूफान आएगा. साजिद तरार का कहना है कि दुबई में हुआ इंडिया-पाकिस्तान टी-2- क्रिकेट मैच भारत के लिए कारोबार था, जिससे उसने डॉलर्स कमाए हैं. उन्होंने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम से हाथ मिलाने के मुद्दे पर भी नाराजगी जताई साजिद तरार ने कहा कि इंडियंस ने पाकिस्तान की टीम से हाथ भी नहीं मिलाया, इतनी नफरत, लेकिन अब ये नफरत गले पड़ रही है. पहले मैं कहता था कि हमारी तरफ के लोग भी नफरत करते हैं, लेकिन इतनी नफरत करना अच्छी बात नहीं है. उन्होंने कहा, 'इस नफरत पर पिछले 15 सालों में बड़ी इंवेस्टमेंट की गई है. अगर इंडियन क्रिकेटर कह रहे थे कि हमें हाथ नहीं मिलाना तो दूसरी साइड को भी चाहिए था, लेकिन अब ये ट्रैप में आए हैं, उनके कारोबार का हिस्सा बने हैं. मेरी रिक्वेस्ट है कि कौम का पैसा बचाएं. साजिद तरार ने कहा कि आज पाकिस्तान मैच हारेगा तो तकलीफ में जाएगा, तो क्या जरूरत है. उन्होंने कहा, 'भारत में तो टीवी चैनल्स पर इतने बड़े फिलोसफर और आइंस्टीन बैठे हैं, उन्होंने कहा कि अगर हम हार गए तो हम कहेंगे कि हमने तो बायकॉट किया हुआ था और जीत गए तो जीत को अपना मान लेंगे, 6 राफेल जो गिराए गए उसका हमने बदला ले लिया, लेकिन दोनों गेम के अंदर पैसा हम बनाएंगे. क्रिकेट पर पैसे बना रहे हैं, लेकिन जो टैरिफ पर पैसे जा रहे हैं उसका क्या करेंगे.'साजिद तरार ने कहा कि जो आर्टिफिशिल इंटेलीजेंस के बच्चे अमेरिका से बेरोजगार होकर जा रहे हैं, उनका क्या करेगी भारत सरकार, उन्हें क्या पकोड़ों की दुकानें खुलवाकर देंगे. साजिद तरार ने कहा कि जब तक ट्रंप रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करवाएंगे तब तक वो चैन से नहीं बैठेंगे और जब भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा तो महंगाई का एक सैलाब आएगा. अमेरिका तब शायद व्यापार शुरू कर दे पर एक महंगाई का तूफान वहां पर जरूर आएगा.

अमेरिका संग ट्रेड डील पर जल्द मिलेगी गुड न्यूज, टैरिफ धमकियों के बीच इस शख्स को भारत भेज रहे ट्रंप, जानें क्या होगी बात

भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में उतार चढ़ाव के बाद से व्यापार वार्ता ठंडे बस्ते में जाते हुए नजर आ रही थी. लेकिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की गई और फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से दी गई सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद अब रिश्ते फिर से सुधरते हुए नजर आ रहे हैं. दोनों ही नेताओं के बीच सोशल मीडिया के जरिए दी गई प्रतिक्रिया के बाद अब व्यापार वार्ता को भी गति मिलते हुए नजर आ रही है. सूत्रों के अनुसार, सोमवार (15 सितंबर, 2025) को अमेरिका से ट्रेड डील निगोशिएटर की टीम भारत पहुंचेगी और कल मंगलवार (16 सितंबर, 2025) को दोनों ही देशों के बीच व्यापार वार्ता होगी. सूत्रों की मानें, तो अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता अब सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है. कई स्तरों पर दोनों ही देशों के बीच राजनयिक और मुख्य वार्ता चल रही है. विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, अमेरिका से व्यापार वार्ता पर चर्चा के लिए एक टीम आज सोमवार (15 सितंबर) की देर रात भारत आ रही है और फिर दोनों ही देशों को बीच कल मंगलवार को व्यापार वार्ता होगी.

अमेरिकी टीम के साथ लंबित मुद्दों पर चर्चा करेगा भारत

इस वार्ता के दौरान अमेरिकी टीम के साथ सभी लंबित मुद्दों पर भारत की चर्चा होगी. इस दौरान कुछ मुद्दे राजनयिक दायरे में होने की वजह से विदेश मंत्रालय भी इसमें शामिल है. भारत अभी अमेरिका के साथ-साथ यूरोपीय संघ के साथ भी गहन चर्चा कर रहा है. इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (IPEF) में आर्थिक सहयोग और उत्पादों का कई स्तरों पर विश्लेषण किया जाएगा.

निर्यात और MSME को बढ़ावा देने पर भी होगी चर्चा

इसके अलावा, अमेरिका से बातचीत के बीच भारत सरकार छोटे और मध्यम उद्योगों को गति देने के लिए एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत तमाम प्रयास कर रही है. 2025-26 के केंद्रीय बजट में इसकी घोषणा की गई थी. इसके अंतर्गत अगले छह सालों में निर्यात को बढ़ावा देना और छोटे-छोटे उद्यमियों को सहायता देने का लक्ष्य रखा गया है.

एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन को लेकर मंत्रालय कर रही तैयारी

वहीं, विभिन्न देशों की प्रतिस्पर्धात्मकता के बीच निर्यात में बदलाव हो रहा है. छोटे उद्योग और व्यापारियों को मदद करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है. इसको लेकर सरकार एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन पर काम कर रही है. जल्दी ही इसे कैबिनेट में प्रस्तुत किया जाएगा. इस पर विभिन्न मंत्रालयों के बीच परामर्श हो चुका है. निर्यातकों की चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार इस योजना पर काम कर रही है. सूत्रों के अनुसार, एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन में पहले से आवंटित 2,250 करोड़ रुपये की जगह और बड़ी राशि आवंटित करने पर विचार हो सकता है. वहीं, इस मिशन को 5 साल के चक्र में चलाने पर भी विचार होगा. इसको लेकर मंत्रालय के ओर से तैयारी की जा रही है.

माता-पिता और शिक्षक-गुरू होते हैं राष्ट्र निर्माता, उनका सम्मान करें और चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ें- मंत्री श्री सिलावट

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट के मुख्य आतिथ्य में आज शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय सांवेर में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उन्होने शिक्षक-विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता और शिक्षक-गुरु राष्ट्र निर्माता होते है, उनका सम्मान करें और चुनौतियों का सामना कर आगे बढे। जीवन में गुरू के ज्ञान से ही देश और प्रदेश का विकास संभव होगा। विकसित भारत बनाने में शिक्षक और विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक द्वारा नित्य नवीन प्रयोग कराये जाने से छात्र वैज्ञानिक, डाक्टर, शिक्षक और कलेक्टर बनकर देश की सेवा करते है। विज्ञान के कारण आज भारत विश्व गुरु बन गया है। आज भारत की गिनती श्रेष्ठ दस देशों में होती है, जिससे हमें गर्व होता है। इसलिए हमें हमेशा माता-पिता और शिक्षक-गुरू का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर श्री सिलावट ने उपस्थित विद्यार्थियों और उनके माता-पिताओं और शिक्षकों को अपने हाथों से भोजन प्रदान कर उनके साथ स्नेह भोज किया।कार्यक्रम के प्रारंभ में गणेश पूजन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। 56 भोग भी लगाये गये। इस अवसर पर सर्वश्री भारतसिंह, दिलीप चौधरी, संदीप चंगेडिया, जीतुराज राठौर, सुभाष जैन, सतीश मालवीय, संजय घोडेला और प्राचार्य सरवैया सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

पत्नि झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी दे रही थी पति ने गोली मारकर कर दी हत्या

ग्वालियर | झूठे मुकदमे और अपनी पत्नी पर लगाए आरोपों का हवाला देते हुए अरविंद परिहार ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी उसके पीछे "हाथ धोकर पड़ गई थी", इसलिए उसने, क्योंकि "जेल तो वैसे भी काटनी ही थी". उसे गोली मारकर दुनिया से विदा कर दिया। अरविंद ने अपने किए अपराध पर किसी प्रकार का मलाल नहीं जताया। पुलिस ने बताया कि आरोपित ने हत्या किए जाने की पूरी कहानी स्वीकार की है और अब उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। यूनिवर्सिटी थाना प्रभारी रविंद्र जाटव ने बताया कि पूछताछ में अरविंद ने नंदिनी पर ब्लैकमेलिंग और अवैध संबंधों का आरोप लगाया। आरोप स्वीकार करने के बाद आरोपित कुछ देर चुप रहा और फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रहा है। पुलिस के अनुसार मृतका नंदिनी तीन दिन पहले अपने साथियों अंशु पाठक और कल्लू के साथ ग्वालियर पहुंची थी। बताया जा रहा है कि वह शहर के बाहर रहती थी। उसके ग्वालियर आने के साथ ही आरोपी ने उसे मारने की मंशा से रैकी शुरू कर दी। शुक्रवार को जब नंदिनी अपने दोनों साथियों के साथ एसपी कार्यालय में शिकायत करने आई तो आरोपी स्टेडियम वाली रोड पर घात लगाए बैठा था। जब नंदिनी ई-रिक्शा से उतरी और आरोपी ने रिक्शा रोकने का इशारा किया, रिक्शा नहीं रुका तो उसने पीछा कर रिक्शा से युवती को बाहर निकालकर पांच गोली मार दीं। चिरगांव से आए नंदिनी के पिता बृजमोहन ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी शनिवार शाम लगभग छह बजे इंटरनेट मीडिया के माध्यम से मिली। उन्होंने शुरुआत में शव लेने से इनकार किया और कहा कि "जिसकी बहू है वो ले जाए" , जब आरोपी अरविंद के परिजन नहीं पहुंचे तो अंततः बृजमोहन अपने बेटी का शव ले गए। बृजमोहन ने बताया कि अरविंद से उनकी बेटी की शादी तीन साल पहले हुई थी और अरविंद अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। उन्होंने यह भी कहा कि अरविंद ने पहले भी नंदिनी पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की थी।पोस्टमार्टम के दौरान मृतका के बताए जाने वाले प्रेमी अंशु पाठक मौके पर मौजूद थे। अंशु ने कहा कि वह नंदिनी को अपने परिवार के साथ ही रखता था और भाभी मानता था। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शव लेकर गया तो अंशु ने कहा कि वह केवल स्थिति देखने और नंदिनी के स्वजन को सूचित करने आया था। अंशु ने यह भी दावा किया कि अरविंद उसे जान से मारने की धमकी देता था। यूनिवर्सिटी थाना द्वारा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आरोपित को गिरफ्तार कर फ़ौरन न्यायालय में पेश किया जाएगा,

सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

इन्दौर : आयुक्त नगर निगम श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा आज प्रातः काल झोन क्रमांक 11 के साथ ही शहर के मध्य क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया एवं अन्य उपस्थित थे।आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा शहर के मध्य क्षेत्र जीपीओ चौराहा, श्रद्धा नंद मार्ग, सरवटे बस स्टैंड, छावनी, मधु मिलन चौराहा, श्रद्धानंद मार्ग, छोटी ग्वालटोली, नंदलालपुरा क्षेत्र, सराफा कॉर्नर, शक्कर बाजार, आसपास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया। आयुक्त श्री यादव द्वारा निरीक्षण के दौरान छावनी श्रद्धानंद मार्ग पर कटे पेड़ के ग्रीन वेस्ट को हटाने एवं मार्ग में स्थित दुकान के बाहर कचरा होने पर सीएसआई श्री शैलेश पाल को संबंधित दुकान पर चालानी कार्रवाई करने की निर्देश दिए गए।आयुक्त श्री यादव द्वारा सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान सरवटे बस स्टैंड के कॉर्नर पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर को विद्युत मंडल से समन्वय कर कवर्ड करने तथा पास लगे डस्टबिन को अन्यत्र लगाने और नागरिकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए, एमपीईबी से समन्वय कर डीपी के आसपास सफाई करने के निर्देश दिए गए। सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र में सड़क पर सीवरेज पानी बहाने पर सफाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सरवटे बस स्टैंड एवं निगम दुकानों के टीन शेड पर बड़ी मात्रा में कचरा एवं गंदगी होने क्षेत्रीय दरोगा रोशन राणा का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।इसके पश्चात छोटी ग्वालटोली में सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के प्रेसिडेंट टावर परिसर में कचरा एवं गंदगी मिलने पर संबंधित के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, साथ ही सीएसआई श्री शैलेश पाल पर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि अभी आपको वार्निंग दे रहा हूं इसके पश्चात भी अगर सफाई व्यवस्था ठीक नहीं मिली तो आप पर कार्रवाई होगी। आयुक्त द्वारा छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में स्थित ईदगाह मार्केट में गाय होने पर गाय को निगम गौशाला में भेजने तथा मार्केट में बड़ी मात्रा में कचरा एवं अटाला पाए जाने पर यहां पर रिमूवल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मधु मिलन चौराहा क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री यादव ने कहा कि चौराहे ऐसे होने चाहिए जिसकी सुंदरता और एकरूपता दिखे इस हेतु चौराहों पर साइन बोर्ड आदि की एकरूपता हेतु योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चौराहा और स्थित डीपी एवं बोर्ड के आसपास अनावश्यक लगे बैनर पोस्टर हटाने तथा संबंधित के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। क्षेत्र में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं पाए जाने पर आयुक्त श्री यादव द्वारा क्षेत्रीय जोनल अधिकारी गीतेश तिवारी और सीएसआई श्री शैलेश पाल को सफाई कार्य में सुधार करने के संबंध में निर्देशित करते हुए शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।इसके पश्चात आयुक्त श्री यादव द्वारा नंदलालपुरा क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया यहां पर उद्यान के सामने भारतीय पहनावा नामक दुकान द्वारा सड़क पर मटेरियल एवं कचरा फैलने पर सफाई करने तथा खाली प्लॉट में बड़ी मात्रा में कचरा मिलने पर चालानी कार्यवाही के निर्देश दिए गए, इस दौरान आयुक्त द्वारा क्षेत्रीय एनजीओ के प्रतिनिधि से पूछा कि आप यहां पर कब आए हैं और अभी तक क्या किया है, इस संबंध में भी जानकारी ली गई।आयुक्त श्री यादव द्वारा सराफा क्षेत्र एवं शक्कर बाजार क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया, सराफा, शक्कर बाजार क्षेत्र में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने पर क्षेत्रीय सीएसआई शोकेस नोटिस देते हुए कहा कि मैं 7 दिन बाद फिर आऊंगा अगर सफाई व्यवस्था ठीक नहीं मिली तो कार्रवाई होगी। इसके साथ ही सराफा क्षेत्र में भवन निर्माण के दौरान मटेरियल सड़क पर पड़ा होने पर उसे हटाने तथा भवन अधिकारी को निर्माणाधीन भवन की बिल्डिंग परमिशन भी चेक करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इंदौर के मध्य क्षेत्र में स्थित सराफा इंदौर की धरोहर है और सराफा से इंदौर की इमेज बनती है। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया संबंधित क्षेत्र के जोनल अधिकारी ची दरोगा आदि उपस्थित थे।

जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध, टोकन पद्धति से सुव्यवस्थित ढंग से कराया जा रहा है वितरण

वर्तमान में लगभग 15 हजार 723 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध

किसानों के सहयोग के लिये खाद वितरण केन्द्रों पर लगातार पहुँच रहे हैं अधिकारी उर्वरक वितरण में अनियमितता पाए जाने पर दो फर्मों के लायसेंस निलंबित जिले में रासायनिक उर्वरक (खाद) की पर्याप्त उपलब्धता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में ग्वालियर जिले में टोकन पद्धति से डबल लॉक, प्राथमिक सहकारी संस्थाओं एवं खाद की निजी दुकानों से रासायनिक उर्वरकों का वितरण कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले में लगभग 15 हजार 723 मैट्रिक टन रासायनिक खाद उपलब्ध है। खाद लेकर रेलवे की रैक भी लगातार रायरू व डबरा पहुँच रही हैं। सुव्यवस्थित ढंग से खाद वितरण कराने के साथ-साथ खाद की दुकानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस क्रम में अनियमिततायें पाए जाने पर डबरा स्थित दो निजी खाद की दुकानों के लायसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। सिानों को उच्च गुणवत्ता युक्त खाद प्राप्त हो, इस उद्देश्य से खाद की दुकानों से रासायनिक उर्वरकों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच भी कराई जा रही है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अधिकारियों को खाद की दुकानों से लगातार नमूने लेकर प्रयोगशाला में जाँच कराने के निर्देश दिए हैं। जाँच में जिस खाद के लॉट के नमूने अमानक पाए गए हैं, खाद के उस लॉट के क्रय-विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही खाद की दुकानों के लायसेंस (प्राधिकार पत्र) निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री आर बी एस जाटव ने बताया कि जिले में निजी एवं सहकारी संस्थाओं में कुल मिलाकर 15 हजार 723 मैट्रिक टन रासायनिक उर्वरक उपलब्ध है। जिसमें यूरिया लगभग 2765 मैट्रिक टन, डीएपी 2236 मैट्रिक टन से अधिक, एमओपी लगभग 147 मैट्रिक टन, एनपीके 6705 मैट्रिक टन से अधिक व एसएसपी 3870 मैट्रिक टन से अधिक शामिल हैं।

लायसेंस निरस्त किए और एफआईआर भी कराई

उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री रणवीर सिंह ने बताया कि चीनौर रोड डबरा स्थित निजी उर्वरक विक्रेता मैसर्स राजेन्द्र सिंह एण्ड संस और पिछोर रोड डबरा स्थित मैसर्स जय बाबा ट्रेडर्स के उर्वरक लायसेंस निरस्त किए गए हैं। वितरण में विभिन्न प्रकार की अनियमिततायें सामने आने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश के प्रावधानों के तहत इन फर्मों के लायसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की गई है। साथ ही दोनों उर्वरक विक्रेताओं के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। निजी एवं सहकारी विक्रेताओं से अब तक उर्वरक के कुल 182 नमूने लिए जाकर विश्लेषण हेतु भेजे गये। जिसमें अब तक 125 नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। जिसमें 113 मानक एवं 12 अमानक पाये गये है।

खनिज का अवैध परिवहन करने पर दो वाहन जब्त

ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिले में निरंतर जाँच अभियान चलाया जा रहा है। सहायक खनिज अधिकारी श्री रमाकांत तिवारी ने दल के साथ बुधवार को आकस्मिक निरीक्षण के दौरान खनिज का परिवहन करने वाले वाहन डम्फर क्रमांक- MP07 HB 4969 (खनिज रेत) का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एवं वाहन डम्फर क्रमांक- MP07 HB 8351 (खनिज रेत) का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर मय खनिज थाना गिरवाई की अभिरक्षा में सुरक्षित रखवाया गया। सहायक खनिज अधिकारी श्री रमाकांत तिवारी ने बताया कि दोनों वाहनों एवं मशीन पर मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन व भण्डारण निवारण नियम 2022 के तहत अर्थदण्ड की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

पंचायत उन्नति सूचकांक में टॉप 10 जिले की ग्राम पंचायतें सम्मानित

ग्वालियर पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई 1.0) में पहले 10 स्थान पर रहीं जिले की 10 ग्राम पंचायतों को नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 10 ग्राम पंचायतों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव व उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार सत्यम ने बुधवार को बाल भवन में आयोजित हुए कार्यक्रम में यह पुरस्कार प्रदान किए। ग्राम पंचायतों से जुड़े विभागों के अधिकारियों को भी पोर्टल पर जानकारी फीड करने का प्रशिक्षण भी इस कार्यक्रम में दिया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इस अवसर पर कहा कि ग्राम पंचायत के समग्र विकास के लिये पंचायत उन्नति सूचकांक अत्यंत महत्वपूर्ण टूल है। उन्होंने कहा ग्राम स्वराज को धरातल पर उतारने का दायित्व सरपंच, पंचायत राज संस्थाओं के अन्य पदाधिकारियों पर होता है। इसलिये ग्राम पंचायत सरपंच व सचिव गंभीरता से लें। इस सूचकांक में ग्राम पंचायत में उपलब्ध संसाधन व संसाधनों की आवश्यकता, स्वास्थ्य सेवायें, रोजगार व कृषि उत्पादकता सहित अन्य आर्थिक संकेतक एवं लैंगिक समानता इत्यादि सामाजिक संकेतक शामिल होते हैं। इसलिये पीएआई (पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स) पोर्टल पर सही-सही जानकारी अपलोड करें। कलेक्टर ने प्रसन्नता जाहिर की कि जिले की जिन ग्राम पंचायतों को आज सम्मानित किया गया है,

आदि कर्मयोगी अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक

अभियान के तहत दोनों संभागों में हो प्रभावी कार्रवाई

पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत शामिल ग्रामीण क्षेत्र में हितग्राहियों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत आदि सेवा पर्व दिनांक 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित किया जायेगा। अभियान के सफल संचालन के लिये संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री की अध्यक्षता में संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर संभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सेवा पर्व के तहत की जाने वाली गतिविधियों की समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, मुख्य वन संरक्षक श्री सेंगर, मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री आरएलएस मौर्य सहित संभागीय विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय बैठक के साथ-साथ गूगल मीट से ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिला पंचायत, महिला बाल विकास, स्वास्थ्य एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारी भी ऑनलाइन शामिल हुए। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने कहा कि इस अभियान के तहत जिन विभागों की मुख्यतः योजनायें शामिल की गई हैं, उनमें वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, महिला बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक शिक्षण विभाग व जनजातीय कार्य विभाग को नोडल विभाग निर्धारित किया है। अभियान के अंतर्गत जिन चार विषयों को शामिल किया गया है। इसमें आदि कर्मयोगी अभियान, एफआरए मैनेजमेंट, पीएम जन-मन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कृष्ट अभियान शामिल हैं। ग्वालियर व चंबल संभाग के जिन जिलों को विशेष रूप से जोड़ा गया है उनमें ग्वालियर संभाग के अशोकनगर, गुना, शिवपुरी और चंबल संभाग का श्योपुर जिला शामिल है। अभियान के तहत जनजातीय वर्ग के सभी हितग्राहियों को जिन योजनाओं का विशेष रूप से लाभ दिया जाना है, उनमें आधारकार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड, किसान सम्मान निधि शामिल हैं। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि अभियान के तहत जिला स्तर पर, ब्लॉक स्तर पर और पंचायत स्तर पर दल गठित किए जाकर उन्हें प्रशिक्षित किया जाना है। अभियान के तहत विकास की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर 2 अक्टूबर को सभी ग्राम पंचायतों में इसका अनुमोदन किए जाने के निर्देश हैं। इस अभियान के लिये जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्रभारी अधिकारी एवं जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान के तहत दिए गए निर्देशों के परिपालन में सभी जिलों में जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय व पंचायत स्तरीय दलों का गठन, उनका प्रशिक्षण समय रहते कर लिया जाए। इसके साथ ही गठित दल द्वारा विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर 2 अक्टूबर को ग्राम पंचायत में उसका अनुमोदन भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभाग की विस्तृत समीक्षा कर मैदानी अमले को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में दिशा-निर्देश दें।संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने समीक्षा के दौरान यह भी निर्देश दिए हैं कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक जिले में "एक बगिया माँ के नाम" अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में निर्देशों का कड़ाई से पालन हो और निर्धारित किए गए लक्ष्य के अनुरूप सभी जिलों में "एक बगिया माँ के नाम" का निर्माण किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया

जिन बैंकों का ऋण-जमा अनुपात ठीक नहीं उनके खिलाफ कार्रवाई के लिये लिखें

ग्वालियर जिन बैंकों का ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) ठीक नहीं है उनके खिलाफ कार्रवाई के लिये राज्य स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति एवं वित्त आयोग को लिखें। बैंकों का दायित्व है कि धन जमा कराने से ज्यादा सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को कृषि, उद्यम एवं अन्य कार्यों के लिये ऋण उपलब्ध कराएं। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक में लीड बैंक अधिकारी को दिए। उन्होंने बैठक में मौजूद सभी बैंकों के समन्वयकों से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगारमूलक योजनाओं में प्रकरणों की स्वीकृति एवं तेजी से ऋण वितरित करने के निर्देश भी दिए। बुधवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने विभागीय अधिकारियों को भी लक्ष्य के अनुसार डेढ़ गुने प्रकरण बैंकों में भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के लिये कहा जिनके द्वारा कम मात्रा में प्रकरण भेजे गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि बैंकों से समन्वय बनाकर चैक लिस्ट तैयार करें। साथ ही चैक लिस्ट के अनुसार सभी पूर्तियां कर प्रकरण बैंकों में प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने हितग्राहियों को फोन लगवाकर

जिला नियमित टीकाकरण सूक्ष्म नियोजन एवं पल्स पोलियो कार्यशाला सम्पन्न

पल्स पोलियो अभियान के तहत 12 अक्टूबर को पिलाई जायेगी जिंदगी की दो बूँद

ग्वालियर जिला नियमित टीकाकरण सूक्ष्म नियोजन तथा 12 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहे पल्स पोलियो अभियान को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एसएमओ डॉ.एम.एस.राजावत ने कहा कि ग्वालियर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी बच्चा टीकाकरण से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने सीबीएमओ, नोडल अधिकारी व एपीएम से उनके क्षेत्र के टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही कहा कि जहां टीकाकरण नहीं हो पा रहा है वहां नजदीक की एएनएम से टीकाकरण कराया जाये। किसी भी स्थिति में कोई भी टीकाकरण से नहीं छूटना चाहिए। डीआईओ डॉ.आर.के.गुप्ता ने वर्तमान में उपलब्ध एएनएम के आधार पर टीकाकरण के माइक्रो प्लान पर चर्चा की । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अधिकारी जिला ग्वालियर डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि ग्वालियर जिले में 12 अक्टूबर को पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। विभाग के सभी मैदानी अधिकारी इस अभियान की अभी से तैयारियां करें। प्रयास ऐसे हों कि बूथ पर जन्म से पाँच वर्ष तक के अधिक से अधिक बच्चे टीकाकरण के लिये पहुँच जाएं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर.के.गुप्ता ने

बताया कि ग्वालियर जिले में 2011के बाद से कोई केस पोलियो का नहीं निकला है। पल्स पोलियो अभियान के तहत ग्वालियर जिले में 12 अक्टूबर को पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। 12 अक्टूबर को जो बच्चे पोलियो की दवा नहीं पी पायेंगे उन्हें 13 एवं 14 अक्टूबर को घर -घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जायेगी।

राज्य सरकार हर जरुरतमंद की सहायता के लिए तत्पर- ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

ग्वालियर प्रदेश सरकार राज्य के हर जरुरतमंद की सहायता के लिए तत्पर है। सरकार की मंशा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। यह बात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को अपने ग्वालियर रेसकोर्स रोड स्थित सरकारी कार्यालय पर जनसुनवाई करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुनते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी समस्या का निदान निर्धारित समय-सीमा में किया जाना सुनिश्चित करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जनसुनवाई में आईं महिलाओं को तत्काल राशन दिलाने के निर्देश के साथ ही वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन तथा मुफ्त इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने इस अवसर पर मुलाकात करने आए लोगों को भरोसा दिलाया कि आपका यह सेवक किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देगा। आपकी सेवा के लिए आपका यह सेवक सदैव तत्पर रहा है और आगे भी आपके हर सुख-दुख में हमेशा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा है कि अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए हर जिला स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस दिशा में सरकार भी निरंतर प्रयत्नशील है। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जनसुनवाई में आए आवेदकों पास जाकर उनकी समस्याएँ सुनीं और सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए।

शहर की सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य युद्ध स्तर पर जारी

कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त द्वारा की जा रही है निरंतर मॉनिटरिंग, वरिष्ठ अधिकारियों को दी क्षेत्रवार मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी

ग्वालियर अति वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई शहर की सड़कों को ठीक करने के लिए जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा तत्पर होकर सभी हॉट मिक्स प्लांट प्रारंभ कराकर तेजी से युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है ।उल्लेखनीय है कि नगर निगम एवं अन्य विभागों द्वारा सड़क बनाने के लिए डामर के सभी हॉट प्लांट प्रारंभ कर दिए गए हैं तथा शहर की सभी सड़कों को दुरुस्त करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय एवं जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि नगर निगम, पीडब्लूडी एवं स्मार्ट सिटी सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा सड़कों की मरम्मत के लिए किया जा रहे कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें तथा प्रतिदिन की रिपोर्ट दें।

ग्वालियर-चंबल संभाग में दिसम्बर माह तक सभी एकल नल जल योजनाओं का कार्य पूर्ण करें

प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि ने की ग्वालियर-चंबल संभाग में नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

हर घर को शुद्ध एवं पर्याप्त जल टोंटी के माध्यम से उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिये नल-जल योजना के तहत प्रदेश भर में कार्य किया जा रहा है। दिसम्बर 2025 तक सभी एकल नल जल योजनाओं को पूर्ण किया जाए। जहाँ पर भी पेयजल का स्त्रोत असफल है अथवा नहीं है वहाँ शीघ्र स्त्रोत निर्माण का कार्य करें। नल-जल योजनाओं के कार्य को अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का काम लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री पी नरहरि ने शुक्रवार को ग्वालियर एवं चंबल संभाग में नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में यह बात कही। होटल तानसेन के सभाकक्ष में आयोजित संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री, प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री एस के अंधवान, मुख्य अभियंता श्री आर एल एस मौर्य, मुख्य महाप्रबंधक जल निगम श्री पी के गुरु सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि ने समीक्षा के दौरान कहा कि नल जल योजना के तहत ग्वालियर एवं चंबल संभाग में और तेजी के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। भिण्ड एवं मुरैना में अपूर्ण योजनाओं को तेजी के साथ पूर्ण किया जाए। दोनों संभाग में जहाँ भी एकल नल जल योजना का कार्य शेष रह गया है वहाँ पर 25 दिसम्बर 2025 तक योजना का कार्य हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने जिलेवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए हैं कि नल जल योजनाओं के निर्माण, योजनाओं के हस्तांतरण एवं मेंटेनेंस का कार्य तेजी के साथ हो। विभागीय अधिकारी प्रत्येक सोमवार को जिला कलेक्टरों द्वारा आयोजित अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में भी नल जल योजनाओं की समीक्षा कराएं और जो भी परेशानी आ रही हो उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने बैठक में निर्देशित किया है कि सम्पूर्ण प्रदेश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सभी मैदानी अधिकारी सभी जल स्त्रोतों के आसपास, हैंडपंप, पीएचई के सभी कार्यालयों के आसपास, सफाई का विशेष कार्य भी अनिवार्यतः करें। किए गए कार्यों की रिपोर्ट भी शासन स्तर पर प्रेषित की जाए। उन्होंने समीक्षा के दौरान यह भी निर्देशित किया है कि सम्पूर्ण प्रदेश में 2 अक्टूबर को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। जिन ग्राम पंचायतों में नल जल योजनाओं का काम पूर्ण हो गया है वहाँ पर हर घर जल घोषित कराया जाए। इसके साथ ही जो योजनायें पंचायतों को हस्तांतरित नहीं हुई हैं उन्हें हस्तांतरित कराने का कार्य भी किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने बैठक के दौरान कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में नल जल योजनाओं के क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कराया जायेगा। जिन जिलों में योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति नहीं हैं वहाँ पर तेजी के साथ कार्य हो यह भी सुनिश्चित किया जायेगा। इसके साथ ही ग्राम सभाओं में नल जल योजनाओं के हस्तांतरण और हर घर जल की घोषणाओं का पालन भी ग्राम सभा में हो यह सुनिश्चित किया जायेगा। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री एम के अंधवान ने समीक्षा बैठक के दौरान ग्वालियर – चंबल संभाग के प्रत्येक जिलों में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य महाप्रबंधक जल निगम श्री पी के गुरु ने भी जल निगम के माध्यम से ग्वालियर चंबल संभाग में संचालित परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि जल निगम के माध्यम से भी जो योजनायें क्रियान्वित की जा रही हैं उनमें तेजी के साथ कार्य हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक के प्रारंभ में मुख्य अभियंता श्री आर एल एस मौर्य ने ग्वालियर चंबल संभाग में नल जल योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

जिला न्यायालय में लगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, 89 व्यक्तियों ने किया रक्तदान

ग्वालियर : जिला न्यायालय परिसर में बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। इस शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री ललित किशोर ने स्वयं भी रक्तदान किया। इस अवसर पर 89 सेवाभावी नागरिकों ने दूसरों का जीवन बचाने के लिये स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा श्रीराम मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल व एमपीसीटी डेंटल कॉलेज के सहयोग से आयोजित किया गया।शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश श्री ललित किशोर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। रक्तदान शिविर में जिला न्यायाधीश श्री साबिर अहमद, जिला न्यायाधीश श्री विवेक कुमार, जिला न्यायाधीश श्रीमती वंदना राज पांडे, जिला न्यायाधीश श्री तरुण सिंह, जिला न्यायाधीश श्री आशीष दवंडे, जिला न्यायाधीश श्री गौतम भट्ट, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर श्री प्रियंक भारद्वाज, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सतेंद्र सिंह पन्नू, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री अदिति केतवास, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री अर्पिता त्रिपाठी एवं जिला न्यायालय ग्वालियर के अधिकारी-कर्मचारीगण, डायरेक्टर श्री राम हॉस्पिटल ग्वालियर

श्री संजय यादव उपस्थित थे। इस अवसर पर न्यायाधीशगणों, अधिवक्तागण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर के कर्मचारीगणों ने भी स्वैच्छिक रक्तदान कर सहयोग प्रदान किया। इस प्रकार कुल 89 व्यक्तियों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान कर शिविर को सफल बनाने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया गया। इस रक्तदान शिविर में जयारोग्य अस्पताल के ब्लड बैंक एवं शासकीय अस्पताल मुरार के ब्लड बैंक द्वारा रक्त संग्रह किया गया।

"सेवा पखवाड़े" के तहत ग्वालियर जिले में व्यापक सेवाभावी कार्यक्रम होंगे

पखवाड़े की तैयारियों को लेकर अपर कलेक्टर श्री सत्यम ने बैठक लेकर दिए दिशा-निर्देश

ग्वालियर जिले में भी "सेवा पखवाड़ा" के तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक व्यापक गतिविधियाँ आयोजित होंगीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रम व गतिविधियां आयोजित करने के लिये व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस सिलसिले में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने शुक्रवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर "सेवा पखवाड़े" के संबंध में राज्य शासन से प्राप्त हुए दिशा-निर्देशों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही सुव्यवस्थित ढंग से गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

"सेवा पखवाड़े" के तहत 17 सितम्बर को बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य व रक्तदान शिविर लगाया जायेगा। साथ ही "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान शुरू होगा। इस दिन जिले के सभी विकासखंडों, नगरीय निकायों व ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। सेवा पखवाड़े के तहत 21 सितम्बर को मैराथन दौड़ प्रस्तावित की गई है। यह मैराथन एलएनआईपीई से शुरू होकर स्टेशन बजरिया, गाँधी रोड व आकाशवाणी चौराहा, मेला परिसर होते हुए वापस एलएनआईपीई तक पहुँचेगी। मैराथन दौड़ में एलएनआईपीई, जिला खेल परिसर, एनसीसी, एनएसएस व अन्य खेल व शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों समेत शहर के अन्य युवा सहभागिता करेंगे। अपर कलेक्टर श्री सत्यम ने जिला खेल अधिकारी व जिला शिक्षा अधिकारी को मैराथन की सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। सेवा पखवाड़े के तहत लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" अभियान चलाया जायेगा। जिसके तहत सरकारी अस्पतालों में गर्भवती व धात्री माताओं एवं शिशुओं की स्क्रीनिंग कर विशेषज्ञ स्तरीय चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराई जायेंगीं। पखवाड़े के दौरान महिला बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जायेगा। इसी कड़ी में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के तत्वावधान में "स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा", "स्वच्छोत्सव" एवं "पीएम स्वनिधि" योजना का क्रियान्वयन प्रमुखता से किया जायेगा। जनजाति कार्य विभाग द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान, वन विभाग द्वारा सेवा पर्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा "सेवा पर्व पखवाड़ा" के रूप में गतिविधियां आयोजित की जायेंगीं।

नगर निगम में सेवा पखवाड़े के तहत यह कार्यक्रम आयोजित होंगे

ग्वालियर नगर निगम के अंतर्गत भी सेवा पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित होंगीं। जिसके तहत 17 सितम्बर को समस्त क्षेत्रीय अधिकारी अपने क्षेत्र में जीव्हीपी बिंदुओं के अनुसार सफाई अभियान व सौंदर्यीकरण कार्य करायेंगे। पखवाड़े के तहत 18 सितम्बर को सार्वजनिक स्थलों की सफाई, 19 सितम्बर को बाल भवन में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर व वोकल फोर लोकल कार्यक्रम, 22 सितम्बर को समस्त दुर्गा पण्डालों में क्लीन ग्रीन फेस्टिवल, 23 सितम्बर को फूलबाग चौपाटी में स्वस्थ फूड स्ट्रीट कार्यक्रम, 24 सितम्बर को ग्वालियर किला एवं तानसेन समाधि पर स्वच्छता अभियान, 25 सितम्बर को फूलबाग में एक दिन एक घंटा कार्यक्रम के तहत श्रमदान, 26 सितम्बर को आनंद पर्वत पर एक पेड़ माँ के नाम व एक बगिया माँ के नाम अभियान के तहत सामूहिक वृक्षारोपण, 29 सितम्बर को जलाशयों की सफाई के तहत कटोराताल व बैजाताल की सफाई, 30 सितम्बर को चिड़ियाघर में चित्रकला प्रतियोगिता, एक अक्टूबर को समस्त दुर्गा पण्डालों में प्लास्टिक फ्री भण्डारों का आयोजन कराना एवं गाँधी जयंती 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के तहत सफाई मित्रों का सम्मान सहित अन्य गतिविधियां, पड़ाव चौराहे से फूलबाग तक स्वच्छता रैली इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

पंचायत उन्नति सूचकांक में टॉप 10 जिले की ग्राम पंचायतें सम्मानित

पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई 1.0) में पहले 10 स्थान पर रहीं जिले की 10 ग्राम पंचायतों को नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 10 ग्राम पंचायतों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव व उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सिंह, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार सत्यम ने बुधवार को बाल भवन में आयोजित हुए कार्यक्रम में यह पुरस्कार प्रदान किए। ग्राम पंचायतों से जुड़े विभागों के अधिकारियों को भी पोर्टल पर जानकारी फीड करने का प्रशिक्षण भी इस कार्यक्रम में दिया गया।

अनुसूचित जनजाति के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिये मिलेगी आर्थिक मदद

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत आवेदन माँगे

अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिये सरकार द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। ग्वालियर जिले के अनुसूचित जाति के युवाओं से इन योजनाओं के तहत 30 सितम्बर तक आवेदन माँगे गए हैं। मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र ऑनलाइन पोर्टल samast.mponline.gov.in पर भरे जा सकते हैं। साथ ही इसकी हार्डकॉपी शारदा विहार सिटी सेंटर स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं शाखा प्रबंधक आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के कार्यालय में जमा करनी होगी।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के तहत एक से 50 लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। सरकार द्वारा नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक जो भी कम हो, की दर से 7 वर्षों तक ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। साथ ही गारंटी फीस भी सरकार देती है। योजना के तहत जिले को पाँच इकाईयाँ स्थापित करने का लक्ष्य मिला है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो और परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपए से अधिक न हो। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत

10 हजार रूपए से एक लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है। जिसके लिये सरकार द्वारा पाँच वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं गारंटी फीस दी जाती है। इस योजना के तहत जिले में 24 युवाओं को लाभान्वित कराने का लक्ष्य है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक की आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य हो और परिवार आयकरदाता न हो। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत 24 इकाईयों का लक्ष्य मिला है। विस्तृत जानकारी के लिए शारदा विहार सिटी सेंटर स्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं शाखा प्रबंधक आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

काल बनकर दौड़ा ट्रक तीन की मौत, कई अधिकारियों पर गिरी गाज, सीएम घायलों से मिले

इंदौर में हुए भीषण ट्रक हादसे के बाद कई अधिकारियों पर इसकी गाज गिरी है। सोमवार शाम को इंदौर के एयरपोर्ट रोड पर सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 3 की जान गई और 12 घायल हो गए। मंगलवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घायलों से मुलाकात की और कड़ी जांच के निर्देश दिए। हादसे के बाद एसीपी सुरेश सिंह सहित 8 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। ट्रक दो किमी तक लोगों को घसीटता हुआ चला गया। ट्रक की चपेट में कई रिक्शा और वाहन भी आ गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। ट्रक का नंबर MP09 ZP 4069 है। ट्रक खाली था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक चालक नशे में था और हादसे के बाद भी बात करने की स्थिति में नहीं था। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

प्रत्यक्षदर्शी का दावा, 7 से 8 लोगों की मौत हुई

सुभाष सोनी नाम के प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ट्रक के ब्रेक भी फेल थे। ड्राइवर भी नशे में था। ट्रक के टायर में आग लगने लगी। उसके बाद ट्रक ने जितने लोगों को टक्कर मारी सभी नीचे गिरते चले गए। उसके बाद तीन लोग ट्रक के नीचे आ गए। करीब तीन लोगों की मौत हुई है और 5 से 7 के मरने की आशंका है।

टक्कर के बाद ट्रक में फंसी बाइक से आग लगी

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक में एक बाइक फंस गई थी। ट्रक लगातार बाइक को रगड़ते हुए चल रहा था, जिससे उसमें ब्लास्ट हो गया और ट्रक में आग लग गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

शिक्षक नगर से रामचंद्र नगर तक मारी टक्कर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चालक ने शिक्षक नगर से रामचंद्र नगर चौराहे तक कई वाहनों, जिनमें कारें, ई रिक्शा व बाइक सवार शामिल हैं, को रौंद डाला। हादसे के बाद मौके पर घायलों का खून व वाहनों के कांच बिखरे पड़े थे।

क्या है पूरा मामला?

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह भीषण हादसा एयरपोर्ट रोड स्थित शिक्षक नगर के पास हुआ। एक तेज रफ़्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क पर चल रहे कई लोगों को रौंदता हुआ आगे बढ़ गया। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक कई लोग ट्रक की चपेट में आ चुके थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरातफरी का माहौल बन गया।

ये हुए घायल

पलक पिता अनिल जोशी, निवासी इमली बाजार।

अनिल पिता लाल सिंह कोठारे, उम्र 35 साल, निवासी अमर पैलेस।

अशोक पिता प्रहलाद दास गोपालानी, उम्र 71 साल, निवासी लीड्स एरोड्रम।

काजल पति अशोक गोपालानी, उम्र 63 साल।

अंकिता पति रितेश गोपालानी, उम्र 30 साल।

संविद पिता रितेश दुधानी।

सूचना मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस और बचाव दल मौके पर राहत कार्य में जुटे हुए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और मृतकों की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

चार घायलों की हालत नाजुक

घटना के बाद अस्पताल में भर्ती घायलों को इलाज चल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि चार घायलों की हालत की हालत नाजुक है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। दो घायलों को एमवाय में रेफर किया गया है।

नेता, मंत्री आए घायलों को देखने, लोगों ने की नारेबाजी

इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद घायलों के हाल-चाल जानने शहर के जनप्रतिनिधि और नेता अस्पताल पहुंचे। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा जब घायलों को देखकर लौट रहे थे, तभी आक्रोशित भीड़ ने उनके वाहन के आगे खड़े होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। क्षेत्रीय विधायक व नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गी भी घायलों को देखने अस्पताल आए। इसके अलावा मेयर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला, रमेश मेंदोला भी अस्पताल पहुंचे।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से करीब 61 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD drugs , एक मोटरसाइकिल जप्त,आरोपी सस्ते दामों पर ड्रग्स शहर में लाकर, ड्रग्स का नशा बेचने एवं करने वाले लोगों को अधिक दामों पर MD ड्रग्स बेचना का था इरादा ।, अपराध क्रमांक- 159/2025 धारा- 8/22, घटना स्थल-सुपर कॉरिडोर से टिगरिया बादशाह रोड इन्दौर,आरोपी का नाम :(1).समीर शाह उम्र 32 वर्ष निवासी गली नंबर 6 चंदन नगर इंदौर

जब्त माल का विवरण : 61 ग्राम "MD ड्रग्स, एक मोटोसाइकिलकीमती करीबन 12 लाख रुपये । **घटना का विवरण :-** इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम को विश्वसनीय मुकबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सुपर कॉरिडोर टिगरिया बादशाह रोड के बीच अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स सप्लाई करने आने वाला है जो मुखबिर की सूचना पर विश्वास कर बताए स्थान टिगरिया बादशाह रोड पहुचे जो मुखबिर के बताए हुलिया का व्यक्ति मिला जिसे घेरा बंदी कर रोककर पूछताछ तलाशी ली गई जिसने अपना नाम समीर शाह उम्र 32 वर्ष निवासी गली नंबर 6 चंदन नगर इंदौर का होना बताया जिससे करीबन 61 ग्राम ब्राउन सुगर कीमती करीबन 12 लाख मिली जिसे विधिवत जप्त किया गया । आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया जल्द रुपये कमाने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 61 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "MD" जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 159/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

फर्जी मेडिकल बिल घोटाले का मास्टरमाइंड इंदौर से गिरफ्तार, लाखों का किया है गबन

आरजीएचएस घोटाले के मुख्य आरोपी, 25 हजार रुपये का इनामी सहकारी मेडिकल स्टोर संचालक इंदौर के पीथमपुर से गिरफ्तार किया गया है। जल्द ही घोटाले के अन्य पहलुओं का भी खुलासा किया जाएगा।राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम में हुए बड़े घोटाले का खुलासा करते हुए झालावाड़ पुलिस ने घोटाले के मुख्य आरोपी और 25,000 के इनामी सहकारी उपभोक्ता मेडिकल स्टोर संचालक कमलेश राठौर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि आरोपी ने अस्पताल में कार्यरत संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल कुमार जैन के साथ मिलकर राज्य कर्मचारियों के फर्जी मेडिकल बिल और डॉक्टर की पर्चियां तैयार कीं और सरकारी खजाने से लाखों रुपये का गबन किया।घोटाला उस समय उजागर हुआ जब एक फर्जी ओपीडी पर्ची के आधार पर दवाओं का बिल भुगतान के लिए सीएमएचओ कार्यालय भेजा गया। जांच के दौरान पर्चियों पर डॉक्टर की सील और हस्ताक्षर के दुरुपयोग की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को इंदौर से 40 किलोमीटर दूर पीथमपुर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी और उसके साथी जाली पर्चियों पर महंगी दवाइयां व जांचें लिखते थे, जिनके आधार पर फर्जी बिल तैयार कर भुगतान लिया जाता था।

इस मामले में कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल कुमार जैन को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं अब पुलिस कमलेश राठौर की गिरफ्तारी के बाद घोटाले में शामिल अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में एएसपी चिरंजीलाल मीणा, डीएसपी हर्षराज सिंह खरेड़ा के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल मनेन्द्र चौधरी, गौतम चंद, कांस्टेबल मांगीलाल, सुरेश और साइबर थाना से कांस्टेबल रवि सेन शामिल थे। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ाई जा रही है और जल्द ही इस घोटाले के अन्य पहलुओं का भी खुलासा किया जाएगा।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अन्तर्राजीय अवैध मादक पदार्थ चरस तस्कर गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 520 ग्राम जिसकी अनुमानित अंतराष्ट्रीय कीमत 25 लाख रुपये है किया जप्त,आरोपी का, सस्ते दामों पर चरस शहर में लाकर, चरस का नशा करने वाले लोगों को अधिक दामों पर चरस ड्रग्स बेचना का था इरादा ।,आरोपी के विरुद्ध इंदौर शहर लगभग 5- 6 अपराध पंजीबद्ध है।

अपराधक्रमांक- 169/2025 धारा- 8/20 घटनास्थल-चित्रगुप्तचौराहा निपनिया रोड इंदौर आरोपी का नाम :दीपक कुशवाह निवासी विजय नगर इंदौर जब्तमाल का विवरण: 520 ग्राम "चरस"।

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए क्राइम ब्रांच इंदौर को निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है ।क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते चित्रगुप्त चौराहा निपनिया रोड इंदौर पर दिखा जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम दीपक कुशवाह निवासी विजय नगर इंदौर बताया

आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया जल्द रुपये कमाने की नियत से अवैध मादक पदार्थ देश के अलग अलग राज्यो से चरस सस्ते दामो में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों को इंदौर शहर में बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 520 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "चरस" जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 169/25 धारा 8/20 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विस्तृत पूछताछ कर के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

जयपुर में फाईव स्टार विला बेचने के नाम पर सोशल मीडिया के माध्यम से लाखो रुपये की ठगी करने वाले अन्तराजीय गैंग क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में

आरोपियों ने मिलकर Di Dau O Muntajae नाम की कंपनी बनाकर जयपुर में फाईव स्टार विला तैयार कर बेचने के नाम पर कर रहे थे ठगी लोगो से फाईव स्टार विला बेचने के नाम पर एडवांस रुपये लेकर करते थे ठगी । आरोपी जयपुर से फरार होकर मुंबई, गुड़गाँव में काट रहे थे फरारी आरोपियों के कब्जे घटना में प्रयुक्त 6 कीपैड मोबाइल, 5 स्मार्टफोन मोबाईल ,,4 laptop, 2 चेकबुक, 3 सिल, विजिटिंग कार्ड कंपनी के अपराध क्रमांक- 44/2025 धारा 420,409,120b IPC 66 D it act

विवरण- इंदौर कमिश्नरेट में क्वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ठगी करने वाले आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच इंदौर ने आवेदिका आकांक्षा वाजपेयी पति विवके वाजपेयी निवासी 01 पदमावती कॉलोनी विनायक विला अपार्टमेंट इंदौर मो.नं. 9755555009 को आरोपियों द्वारा फेसबुक पर जयपुर राजस्थान स्थित दी दाऊ ओ मुन्तज़ाए प्रोजेक्ट में फाईव स्टार विला बेचने के नाम पर अलग-अलग मोबाईल नबंरो से सम्पर्क कर आवेदिका आकांक्षा वाजपेयी एवं उसके पति विवेक वायपेयी के साथ धोखाधडी पूर्वक फर्जी अलाटमेंट लेटर का उपयोग कर बेईमानी करने की नियत से अग्रिम धनराशि 2217500/- (बाईस लाख सत्रह हजार पांच सौ रूपये) अनावेदक ट्रासंफर करवा कर सदोष धन लाभअर्जित किया एवं आवेदिका को जयपुर राजस्थान स्थित Di Dau O Muntajae प्रोजेक्ट में फाईव स्टार विला देने के नाम पर लाखों रूपये प्राप्त करने के उपरांत ना ही विला तैयार करके दीया और ना ही लिये गये रूपये वापस किये जो आवेदक की शिकायत पर से अपराध क्रमांक 44/2025 धारा 420,409, 120 बी भादवी एवं 66 डी आईटी एक्ट पंजीबद्ध किया गया है। विवेचना के दौरान क्राइम टीम द्वारा गहन तकनीकी विश्लेषण कर फरार आरोपियों को मुंबई महाराष्ट्र में लोकेट कर लिया बाद

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एक टीम गठित कर मुबई रवाना किया गया जहाँ से प्रकरण में आवेदिका को काल कर ठगी करने वाली आरोपिया प्रति राव उर्फ़ प्रीति यादव उम्र 30 वर्ष निवासी आई ब्लॉक 376 शिवराम पार्क नागलोई दिल्ली* एवं कंपनी का मालिक धर्मेन्द्र उर्फ धीरज वाधवानी उम्र 45 बर्ष पता जी 1404 महिमा अलींजा पत्रिकार कॉलोनी जयपुर राजस्थान* जिसके खाते में ठगी के रुपये गए थे उसे वरसोवा मुंबई से गिरफ्तार किया गया जिनसे घटना में प्रयुक्त 6 कीपैड मोबाइल, 5 स्मार्टफोन मोबाईल ,,4 laptop, 2 चेकबुक, 3 सिल, विजिटिंग कार्ड कंपनी के* जप्त किए गए है । आरोपियों का पुलिस रिमांड लिया जाकर अग्रिम विवेचना की जा रही है । **गिरफ्तार आरोपी** -१.नाम- धर्मेन्द्र उर्फ धीरज वाधवानी पिता घनश्यामदा उम्र 45 बर्ष पता जी 1404 महिमा अलींजा पत्रिकार कॉलोनी जयपुर राजस्थान(खाताधारक जिसमे आवेदक से रूपुए जमा करवाये गए एवं प्रोजेक्ट में 85 % ka मालिक) २.नाम प्रति राव उर्फ़ प्रीति यादव पिता विक्रम यादव तो उम्र 30 वर्ष निवासी आयी ब्लॉक 376 शिवराम पार्क नागलोई दिल्ली वर्तमान पता - C21 ,surabhi CHS,SVP नगर, वरसोवा, मुंबई (घटना के दौरान आवेदक को कॉल करने वाली महिला) जप्ती विवरण- घटना में प्रयुक्त 6 कीपैड मोबाइल, 5 स्मार्टफोन मोबाईल ,,4 laptop, 2 चेकबुक, 3 सिल, विजिटिंग कार्ड कंपनी के

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर के साथ आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से लगभग करीब 12.43 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" (अंतराष्ट्रीय कीमत 1,50,000/- रुपए) जप्त ।आरोपी ने पूछताछ में सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला। आरोपी नशा बेचने एवं करने का है आदी ।आरोपी पर इंदौर में पूर्व में 3- 4 अपराध पंजीबद्ध है।अपराध क्रमांक- 170/2025 , धारा- 8/21

घटना स्थल- रेलवे स्टेशन के पास एम आर 04 रोड, भंडारी ब्रिज इन्दौर आरोपी का नाम : (1).मो.हुसैन पिता मो.सलीम निवासी आजाद नगर इंदौर जब्त माल का विवरण : - 12.43 ग्राम "ब्राउन शुगर" कीमत 1,50,000/- रुपए

घटना का विवरण :- इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्धों की चेकिंग करते रेलवेस्टेशन के सामने एम आर 04 रोड भंडारी ब्रिज , इन्दौर क्षेत्र में व्यक्ति संदिग्ध दिखा जो पुलिस को देख भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर अपना

नाम मो.हुसैन पिता मो.सलीम निवासी आजाद नगर इंदौर का होना बताया।

पुलिस कार्यवाही -

आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदी लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।आरोपी के कब्जे से 12.43 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर" जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 170/25 धारा 8/21 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ तस्कर आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से करीब 21 किलो 505 ग्राम "गांजा" अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 8 लाख रुपए) एवं 01 चारपहिया केरीयर वाहन जप्त ।आरोपीगण ने पूछताछ में सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर, इंदौर शहर में नशे के आदि लोगों को अधिक दामों पर बेचने का कार्य करना कबूला। अपराध क्रमांक- 171/2025 धारा- 8/20 **घटना स्थल**- चैतन्य हनुमान मंदिर के पास एम आर 04 रोड इंदौर

आरोपी का नाम : गोरेलाल निंगवाल निवासी ओखलेश्वर खरगौन **जब्त माल का विवरण : -** 21 किलो 505 ग्राम "गांजा"(अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 8 लाख रुपए) एवं 01 चारपहिया केरीयर वाहन। **घटना का विवरण :-** इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है । क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्धो की चेकिंग करते चैतन्य हनुमान मंदिर के पास एक चारपहिया लोडिंग वहां में ड्राइवर सीट पर संदिग्ध व्यक्ति दिखा जो पुलिस को देख घबराने लगा, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम गोरेलाल निंगवाल निवासी ओखलेश्वर खरगौन का होना बताया।

आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि वह अवैध मादक पदार्थ सस्ते में दामों पर प्राप्त कर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों को बिक्री करने का कार्य करना कबूला है। **पुलिस कार्यवाही** - आरोपी के कब्जे से 21 किलो 505 ग्राम "गांजा" एवं 01 चारपहिया वाहन जप्त कर, आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 171/25 धारा 8/20 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

इंदौर में पड़ोसी के सरनेम पर रखा कुत्ते का नाम, कुत्ते के मालिक सहित तीन पर केस दर्ज

इंदौर में एक कुत्ता मालिक को अपने पड़ोसी के सरनेम पर कुत्ते का नाम शर्मा रखना भारी पड़ गया। मामला थाने पर पहुंचा और पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया। दरअसल कुत्ते का मालिक बार-बार अपने कुत्ते को उसके नाम से पुकारता है। इस बात का पड़ोसी ने विरोध किया तो कुत्ते के मालिक ने पड़ोसी की पिटाइ कर दी।मामला निहालपुर मुंडी का है। यहां रहने वाले वीरेंद्र शर्मा ने थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई कि उनके पड़ोसी भूपेंद्र सिंह ने कुत्ते का नाम मेरे सरनेम शर्मा का रखा है। वो जानबूझ कर मेरे सामने मेरा सरनेम लेकर कुत्ते को बुलाते है। इससे मुझे लगता है कि वे मेरा अपमान कर रहे है। वीरेंद्र ने बताया कि वे पीथमपुर में निजी कंपनी में नौकरी करते है। वहां से आने के बाद वे कॉलोनी में उनकी पत्नी के साथ टहल रहे थे। तभी पड़ोसी भूपेंद्र भी अपने कुत्ते को घुमाने निकाला। वीरेंद्र को उसके दोस्तों ने बताया कि भूपेंद्र ने उनके कुत्ते का नाम तुम्हारे सरनेम पर रखा है। इस पर मेरी पत्नी किरण ने आपत्ति जताई और भूपेंद्र के पास गई। भूपेंद्र ने मेरी पत्नी के साथ मारपीट की और पत्नी का सिर दीवार से टकरा दिया। इस मामले में पुलिस ने भूपेंद्र व उसके दो साथियों के खिलाफ मारपीट की धारा में केस दर्ज किया है।

दंपती ने शिकायत दर्ज कराई है। वो देर रात घूमने निकले थे। इस दौरान उनके पड़ोसी ने अपने कुत्ते को शर्मा नाम से बुलाया। क्योंकि उनका सरनेम भी शर्मा है, इसी बात पर दोनों पक्ष में विवाद हो गया। शिकायत पर मारपीट का केस दर्ज किया गया है।

राजेश दंडोतिया
एडि. डीसीपी,क्राइम ब्रांच

टहलने निकले थे पड़ोसी दंपती

वीरेंद्र ने बताया कि गुरुवार रात वे अपनी पत्नी किरण के साथ टहल रहे थे। इसी दौरान भूपेंद्र अपने कुत्ते को घुमा रहा था। आरोप है कि उसने दोस्तों के सामने कहा कि उसने कुत्ते का नाम शर्मा रखा है। उन्होंने कुत्ते का नाम लेते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी भी कर दी।

इस पर किरण ने आपत्ति जताई और विवाद बढ़ गया। बात बढ़ने पर भूपेंद्र और उसके साथियों ने वीरेंद्र और किरण के साथ मारपीट कर दी। उन्होंने भूपेंद्र का सिर पकड़ा और गार्डन की दीवार पर पटक दिया। इससे वह घायल हो गए। इसके बाद दंपती थाने पहुंचे।

पत्रकारों के सुख-दुख में साथ है सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इन्दौर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज को दिशा देने वाले पत्रकारों के सुख-दुख में राज्य सरकार हमेशा उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनसम्पर्क विभाग द्वारा संचालित संचार प्रतिनिधियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना में वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भी पत्रकारों से गत वित्त वर्ष 2024-25 की तरह ही प्रीमियम लिया जायेगा। पिछले वर्ष से बढ़े हुए प्रीमियम की शेष राशि सरकार द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हित में इस समूह बीमा योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख भी बढ़ाकर 27 सितंबर कर दी गई है। पहले इसकी अंतिम तिथि 22 सितंबर थी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में कहा कि अब हर वर्ष पत्रकारों से उनके द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 में जो बीमा प्रीमियम दिया गया था, प्रीमियम की वही राशि ली जाएगी। पत्रकारों से गत वित्त वर्ष की भांति प्रीमियम लेने पर राज्य सरकार पर अनुमानित 4.50 करोड़ रूपये का अतिरिक्त व्यय भार आयेगा।

कृषि आधारित उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए लगाएं बहुउद्देशीय कृषि मेले : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कपास और रेशम उत्पादक किसानों की तकदीर बदल देगा पीएम मित्रा पार्क ,मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की कृषि विभाग की समीक्षा

इन्दौर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि आधारित उद्योगों के प्रचार-प्रसार के लिए कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा आपसी तालमेल से बहुउद्देशीय कृषि मेले आयोजित किए जाएं। इन मेलों में किसानों को उनकी फसल सहित अन्य सहायक उत्पादों के लाभयुक्त विक्रय एवं मार्केटिंग की जानकारियां भी दी जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार जिले के भैंसोला गांव में निर्मित हो रहे पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के कपास और रेशम उत्पादक किसानों की जीवन रेखा बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलने के साथ 1 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं 2 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएम मित्रा पार्क में निवेश करने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों ने रुचि व्यक्त की है। जिस तेजी से पीएम मित्रा पार्क में निवेश के लिए कंपनियां आ रही हैं, यह हमें और बेहतर करने के लिए उत्साहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की देर रात मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क बनने से मालवा क्षेत्र के किसानों द्वारा उत्पादित कपास की खपत लोकल लेवल पर ही हो जाएगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और रॉ-मैटेरियल सप्लाई की एक पूरी चैन तैयार होगी। पीएम मित्रा पार्क प्रदेश के किसानों के लिए वरदान की तरह है। प्रदेश में निवेश करने के इच्छुक सभी निवेशकों का सरकार पलक पावड़े बिछाकर स्वागत करेगी। हम निवेशकों को सभी जरूरी मदद और सहयोग भी उपलब्ध कराएँगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ने कहा कि सार्वजनिक/लोक उपक्रमों में निजी भागीदारी से ही देश का विकास संभव है। पीएम मित्रा पार्क में निवेशकों द्वारा किए जाने वाले पूंजी निवेश से जितनी उच्च कोटि के परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं, हर संभव प्रयास कर हम यह करके दिखाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क का प्रचार-प्रसार इस तरह किया जाए कि प्रदेश में मौजूद सभी प्रकार के कृषि आधारित उद्योग को भी भरपूर प्रोत्साहन मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में कुल 7 पीएम मित्रा पार्क मंजूर किए गए हैं। जहां दूसरे राज्य पीएम मित्रा पार्क की स्थापना के लिए प्राथमिक तैयारियां ही कर रहे हैं, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से हमारी सरकार 17 सितंबर को धार जिले के भैंसोला गांव में देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन कराने जा रही है। उन्होंने कहा कि हम इसे देश का मॉडल पीएम मित्रा पार्क बनायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क प्रदेश की कॉटन इंडस्ट्री को पुनर्स्थापित करेगा। यहां कपास से धागा, धागे से कपड़ा और रेडीमेड गारमेंट्स, होजियरी आइटम्स सहित ऑल वेदर वियरिंग्स तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क की स्थापना के बारे में प्रदेश के किसानों को हर तरीके से जानकारी दी जाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि देश के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल पार्क (पीएम मित्रा पार्क) में भूमिपूजन होने से पहले ही लैंड एलॉटमेंट की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। पीएम मित्रा पार्क में भूमि आवंटन के लिए 114 कंपनियों के आवेदन मिले थे। इन कंपनियों ने पीएम मित्रा पार्क में निवेश करने की प्रबल रुचि व्यक्त कर लैंड अलॉटमेंट के लिए के लिए आवेदन किया है। आवेदन करने वाली कंपनियों में से 91 कंपनियों के आवेदन मंजूर कर इन्हें लैंड एलॉटमेंट कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम मित्रा पार्क में लैंड अलॉटमेंट कमेटी द्वारा विभिन्न कंपनियों और निर्माण इकाइयों को कुल 1294.19 एकड़ भूमि आवंटित करने की अनुशंसा कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क में अधोसंरचना विकास के लिए सभी जरूरी निर्माण कार्य जारी हैं। इन निर्माण कार्यों के साथ लैंड अलॉटमेंट पाने वाली कंपनियों द्वारा अपने कारखाने और निर्माण इकाइयां भी समानांतर रूप से निर्मित की जाएंगी। इससे आने वाले एक से डेढ़ साल के दौरान ही निवेशक कंपनियों की निर्माण इकाइयों में उत्पादन भी प्रारंभ हो जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव वन, पर्यावरण श्री अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय एवं ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई, सचिव किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री निशांत बरवड़े, आयुक्त जनसंपर्क श्री दीपक कुमार सक्सेना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संबल योजना सच्चे अर्थों में श्रमिक भाई-बहनों का सहारा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी गरीबों का दुख और उनकी जरूरतें समझते हैं मुख्यमंत्री ने 7,953 हितग्राहियों के खातों में 175 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक से की अंतरित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति में मान्यता है कि 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' यानी दूसरों की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है और संबल योजना दूसरों की सेवा करने की इसी भावना को चरितार्थ करने का मार्ग है। राज्य सरकार की इस पहल का ही परिणाम है कि संबल योजना सच्चे अर्थों में श्रमिक भाई-बहनों का सहारा बनी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय से संबल योजना के 7 हजार 953 हितग्राहियों के खातों में 175 करोड़ रुपये अंतरित कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह राशि श्रमिक भाई-बहनों के लिए बड़ी मदद साबित होगी। प्रदेश में 1 करोड़ 77 लाख से अधिक श्रमिक इस योजना में पंजीकृत हैं। पंजीयन की प्रक्रिया लगातार जारी है। इस अवसर पर पंचायत और ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल उपस्थित थे। कार्यक्रम से सभी जिले वर्चुअली रूप से जुड़े।

श्रमिकों के कल्याण के लिए "श्रीपहल" को मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना की शुरूआत वर्ष 2018 में हुई थी, तब से अब तक कुल 7 लाख 60 हजार 886 प्रकरणों में 7 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि हितग्राहियों को वितरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबी देखी है, इसलिए वे गरीबों का दुख और उनकी जरूरतें समझते हैं। संबल योजना उसी मुश्किल वक्त के साथी का नाम है। इसी क्रम में श्रमिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार में मदद के लिए को "श्रीपहल" को मंजूरी प्रदान की गई है। इसका एक और उद्देश्य श्रमिकों के जीवन स्तर को उन्नत करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों की नई श्रेणी बनाकर संबल योजना में किया शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ और सबका विकास की राह पर अग्रसर है। मार्च 2024 से घर-घर जाकर सामान और सेवायें देने वाले गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों की नई श्रेणी बनाकर संबल योजना में शामिल किया गया है। अब ये श्रमिक भाई-बहन अधिकाधिक संख्या में संबल योजना में रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं और सभी आर्थिक हितलाभ ले रहे हैं। इसी क्रम में

पत्थर तोड़ने वाले, ईंट बनाने वाले, पापड़-अचार बनाने वाले, खाना बनाने वाले, घरों में काम करने वाले मजदूर या तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले सभी श्रमिक और उनके परिवार इस योजना से जुड़कर आर्थिक मदद पा रहे हैं। संबल योजना के जरिए श्रमिक भाई-बहनों और उनके परिवार के जीवन को आसान और बेहतर बनाने तथा उनका बेहतर भविष्य गढ़ने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना में रजिस्टर्ड श्रमिकों के आंशिक स्थाई रूप से अपंग होने पर 01 लाख रुपये और स्थाई रूप से अपंग होने पर 02 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। दुर्घटना में संबल हितग्राही भाई-बहन की मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को 4 लाख रुपये और सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये अनुग्रह सहायता दिये जाने का प्रावधान है। संबल हितग्राही के परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपये की अंत्येष्टि सहायता राशि देने का भी प्रावधान है। सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामय योजना का लाभ भी दिया जा रहा है। इसमें पांच लाख रुपये तक निःशुल्क इलाज की सुविधा का प्रावधान किया गया है।

कम से कम समय में प्रभावितों को उपलब्ध कराया जाएगा हितलाभ : मंत्री श्री पटेल

पंचायत और ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि 5वीं बार श्रमिकों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे राशि अंतरित की जा रही है। आज अंतरित हुई राशि में 28 दिसम्बर 2024 तक के सभी प्रकरणों का निराकरण हो गया है। दुर्घटना या मृत्यु की स्थिति में कम से कम समय में संबंधित श्रमिक या उनके परिजन को हितलाभ अंतरित कराने की दिशा में विभाग निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नए वाहनों पर "सर्टिफ़िकेट ऑफ़ डिपॉजिट" से मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट दिये जाने का निर्णय

मध्यप्रदेश नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश-2025 की स्वीकृति मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार कोमंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए बीएस-I और पूर्ववती तथा बीएस-II व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों वाले वाहनों को जारी "सर्टिफ़िकेट ऑफ़ डिपॉजिट" के विरुद्ध पंजीकृत किये जाने वाले नए गैर परिवहन यानों तथा नए परिवहन वाहनों पर 50 प्रतिशत की मोटरयान कर में छूट प्रदान किये जाने की स्वीकृति शर्तों के अधीन प्रदान की गयी है।

स्वीकृति अनुसार समस्त यान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 1 (बीएस-1) मानक और पूर्ववती व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों अनुसार विनिर्मित किये गए है तथा मध्यम मालयान/भारी मालयान/ मध्यम यात्री मोटरयान/भारी पात्री मोटरयान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 2 (बीएस-II) मानदंडों के अनुसार विनिर्मित किये गए हैं, को इसके तहत छूट प्रदान की गयी हैं।

प्रदेश में वर्ष 2024-25 में 1563 नए वाहन पंजीकरण पर लगभग 17 करोड़ 5 लाख रूपये की छूट प्रदान की गई है। वर्तमान में BS-1 एवं BS-II श्रेणी के लगभग 99 हजार मोटरयान ऑनरोड है। इनको मोटरयान कर में 50% छूट दिए जाने पर 100 करोड़ रूपये का वित्तीय भार आएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश को 200 करोड़ रुपये की विशेष सहायता प्राप्त होगी। भारत में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भारत स्टेज (बीएस-1) उत्सर्जन मानदण्डों को सबसे पहले अप्रैल 2000 में लाया गया था।

स्वीकृति अनुसार जिस व्यक्ति के नाम से तत्समय "Certificate of Deposih धारित होगा उसी व्यक्ति के नाम पर नया वाहन क्रय किये जाने पर मोटर यान कर में छूट प्रदान की जाएगी। वाहन स्वामी दवारा नया वाहन खरीदने पर प्रोत्साहन और लाभ प्राप्त करने के लिए, "Certificate of Deposit एक आवश्यक और पर्याप्त दस्तावेज होगा, इस प्रमाण-पत्र की वैधता जारी होने की तिथि से 3 वर्ष होगी।

"सर्टिफ़िकेट ऑफ़ डिपॉज़िट" इलेक्ट्रॉनिक रूप से विनिमय योग्य होगा। प्रत्येक नए मालिक को "Certificate of Deposit" का हस्तांतरण फॉर्म 2 डी के अनुसार ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। "Certificate of Deposit" का एक बार उपयोग हो जाने पर, उस क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय या डीलर दवारा उसे वाहन डेटाबेस में "रद्द" के रूप में चिह्नित कर दिया जाएगा, जिसके द्वारा उक्त प्रमाण-पत्र के धारक को लाभ प्रदान किया गया है।

मोटरयान कर में छूट तभी प्रदान की जाएगी, जब नया वाहन मध्यप्रदेश राज्य में पंजीकृत किसी आर.वी.एस.एफ द्वारा ही जारी "Cerificate of Deposit के विरुद्ध पंजीकृत किया जाये। यदि "Certificate of Deposit" मध्यप्रदेश राज्य के अलावा किसी अन्य राज्य में स्थित आर.वी.एस.एफ. दवारा जारी किया गया हो तो मोटरयान कर में छूट प्रदान नहीं की जाएगी।

जिस श्रेणी का वाहन स्क्रैप किया गया है उसी श्रेणी का नया वाहन क्रय करने पर मोटर यान कर में छूट प्रदान की जाएगी। जीवनकाल कर जमा किये जाने की स्थिति में गैर-परिवहन/परिवहन यानों पर 50% मोटरयान कर में एकमुश्त छूट प्रदान की जाएगी। जिन वाहनों पर मासिक/त्रैमासिक/वार्षिक आधार पर कर उद्गहित किया जाता है, उन्हें मासिक/त्रैमासिक/वार्षिक कर में 8 वर्ष तक 50% की छूट प्रदान की जाएगी।

मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग द्वारा 8 सितंबर 2022 को जारी अधिसूचना के अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली मोटरयान कर की छूट उन वाहनों पर लागू नहीं होगी, जिन्हें इस अधिसूचना के अंतर्गत मोटर यान कर छूट प्रदान की गई है।

मध्यप्रदेश नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश की नगर पालिका परिषद नगर परिषदों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन आगामी आम-निर्वाचन में प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराये जाने के लिए मध्यप्रदेश नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 लाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा वर्ष 1999 से 2014 तक लगातार किया जाता रहा है। कोविड महामारी के आ जाने से वर्ष 2019 में निर्वाचन नहीं हो सके। इसके बाद वर्ष 2022 के नगरीय निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद का निर्वाचन अप्रत्यक्ष प्रणाली से किया गया। वर्ष 2027 के नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा किया जाना है। उपरोक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की संबंधित धाराओं में संशोधन के लिए मध्यप्रदेश नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 लाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

उत्तम शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य से उज्जवल भविष्य की ओर...7832 टॉपर्स को CM मोहन यादव ने दिये उपहार....

मंदसौर। आज प्रदेश के शासकीय स्कूलों के 12वीं कक्षा में टाप करने वाले 7832 विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान कर उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मध्य प्रदेश के स्कूली बच्चों के लिए 11 सितंबर का दिन बेहद ही खास रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 7832 बच्चों को स्कूटी गिफ्ट में दी, इसके साथ ही सीएम डॉ. यादव ने सेनिटेशन-हाइजीन योजना के तहत 20 लाख से ज्यादा बच्चियों को 61.12 करोड़ से ज्यादा और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना के तहत 20 हजार से ज्यादा बच्चियों को 7 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की। इतना ही नहीं उन्होंने एक बच्ची की स्कूटी पर पीछे बैठकर स्कूटी राइड का आनंद भी उठाया, इसके बाद प्रदेश के मुखिया ने बच्चों को गाड़ी सावधानी से चलाने, लाइसेंस बनवाने और नंबर प्लेट लगवाने की सलाह भी दी, दूसरी ओर स्कूटी पाकर बच्चों के चेहरे खिल गए। उन्होंने इस गिफ्ट के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया। सरकार बच्चों को इस स्कूटी पर बैठ कर आगे बढ़ते देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 15 साल में 1300 करोड़ राशि से 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए। लगभग 3000 करोड़ राशि से 1 करोड़ से अधिक साइकिलें वितरित की गईं, वहीं, 250 करोड़ राशि से 23 हजार से अधिक विद्यार्थियों को स्कूटी दी जा चुकी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बच्चों के लिए बेहतर भविष्य के अवसर बन रहे हैं। प्रदेश के विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, साइकिल, कॉपी-किताबें सहित अनेक सौगातें मिल रही हैं। आज स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से 12वीं बोर्ड परीक्षा में स्कूल के टॉपर रहे 7832 बच्चों को स्कूटी दी गई है।

थाना जीरन को अवैध मादक पदार्थ परिवहन करने वालों की धड़पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत मिली बडी सफलता

अविनाश जाजपुरा

नीमच (जीरन) : माननीय मुख्यमंत्री महोदय म.प्र. एवं श्रीमान पुलिस महानिदेशक महोदय मुख्यालय भोपाल, द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम हेतू चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी जीरन निरीक्षक उमेश यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम जीरन द्वारा 550 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा मय वाहन पीकअप, मोटर सायकल कों जप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है।

घटना का संक्षिप्त विवरण- श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय, जिला नीमच श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान के निर्देशन मे जिले मे अवैध मादक पदार्थ परिवहन करने वालों की धड़पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत जीरन थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश यादव के नेतृत्व मे वाहन चैकिंग करते हुई पुलिस सहायता केन्द्र के समाने हर्कियाखाल फंटा फोरलेन हाईवे रोड़ पर पायलेटींग कर रही बिना नम्बर कि स्पलेण्डर मोटर सायकल जिस पर दो व्यक्ति बैठे थे व पिकअप क्रमांक एमपी 09 केडी 6519 से 22 प्लास्टीक के कट्टो में 550 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा मय वाहन के किमती 13 लाख 50 हजार रूपये को जप्त कर एवं एक बिना नम्बर कि स्पलेण्डर मोटर सायकल से पायलेटींग करने वाले 02 आरोपियो को एवं एक पीकअप चालक कुल 03 आरोपियो को गिर. किया गया। आरोपीगण जप्त डोडाचुरा कहा से लाये थे ओर कहा देने जा रहे थे। इस संबंध में पुछताछ कि जा रही है।

नाम आरोपीः-

01. विकास पिता राजूलाल भील उम्र 18 साल निवासी तुर्किया थाना नारायणगढ जिला मन्दसौर

02. दिलीप पिता भारतसिह सौधिया राजपूत उम्र 28 साल निवासी तुर्किया थाना

नारायणगढ जिला मन्दसौर

03. अजय सिह पिता भोपाल सिह रोधिया राजपूत उम्र 18 साल निवासी रणायरा थाना नारायणगढ़ जिला मंदसौर

जप्त सामग्री (1) 550 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा किमती 11 लाख (2) पिकप वाहन नम्बर ए एमपी 09 केडी 6519 किमती 02 लाख (3) बिना नम्बर कि स्पलेण्डर मोटर सायकल किमती 50 हजार सराहनीय कार्य उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक उमेश यादव थाना प्रभारी व पुलिस सहायता केन्द्र हर्कियाखाल टीम का सराहनीय योगदान रहा ।

प्रशासन ने की कुंडला खानखेड़ी में अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई.....आठ फाइटर मशीन जप्त

अविनाश जाजपुरा, नीमच

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिला प्रशासन की टीम द्वारा कुंडला खानखेड़ी अवैध रूप से रेती का उत्खनन करने वालों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है।मनासा तहसील के कुकड़ेश्वर थाना अंतर्गत कुंडला खानखेड़ी में गुरुवार को राजस्व और खनिज विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रेत उत्खनन करने वाली सक्सर मशीन फाइटर को जप्त किया है,। जानकारी देते हुए सहायक जिला खनिज अधिकारी श्री गजेंद्र डाबर ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों और गतिविधियों पर ध्यान देते हुए खनिज विभाग ने राजस्व विभाग के साथ मिलकर कार्रवाई की, जिसमें कुंडला खानखेड़ी डूब क्षेत्र से अवैध उत्खनन करते हुए 8 फाइटर मशीन जप्त कर ,उन्हें नष्ट कर दिया गयाहै। श्री डाबर ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मशीन काफी बड़ी होती है फिलहाल पानी ज्यादा है। डूब क्षेत्र के पास में उन्हें नष्ट कर दिया गया है । खनिज अधिकारी ने बताया कि आगे भी खनिज विभाग की कार्यवाही इसी प्रकार लगातार जारी रहेगी, कार्रवाई के दौरान मनासा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री किरण आंजना, तहसीलदार श्री मुकेश निगम श्री मृगेंद्र सिसोदिया श्री नवीन छतरोले व, सहित राजस्व विभाग की टीम मौजूद थी।

गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रस्त नागरिकों को एयर एम्बुलेंस का लाभ दिलवाने के लिये सजग रहे अधिकारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिंगरौली के गंभीर रोगी को एम्स भोपाल लाकर की गई जीवन रक्षा 'पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा' हुई लाभकारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने गरीब और जरूरतमंदों को कष्ट के समय में सहायता के लिए एयर एम्बुलेंस की सौगात दी है। यह सुविधा एक बार फिर लाभकारी सिद्ध हुई है। राज्य सरकार ने सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध करते हुए प्रदेश के दूरस्थ और उत्तरप्रदेश की सीमा से लगे सिंगरौली जिले के निवासी संदीप सिंह को किडनी संबंधी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए उन्हें पीएम श्री एम्बुलेंस के माध्यम से एयरलिफ्ट करके भोपाल लाया गया और उन्हें बेहतर उपचार के लिए भोपाल एम्स में भर्ती करवाकर जीवन रक्षा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी और चिकित्सक इस सेवा का लाभ गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रसत नागरिकों को दिलवाने के प्रति सजग रहें। जिन व्यक्तियों को इस सेवा की जरूरत है, उनके परिजन भी इसका लाभ लेने के लिए आगे आएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गरीबों की मदद के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के सभी पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान योजना का लाभ भी दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश पहला प्रदेश है जहां जरूरतमंद मरीजों को एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिलती है। अब तक 17 जिलों के रोगियों को कठिन समय में एयर एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुश्किल वक्त में यह सुविधा काफी महंगी होती है और गरीबों को संबल स्वरूप राज्य सरकार ने एयर एम्बुलेंस की सेवा शुरू की है,

जिसके अंतर्गत हवाई पट्टी वाले क्षेत्रों में एयर एम्बुलेंस का उपयोग हो रहा है। मरीजों को हेलीकॉप्टर द्वारा एयर लिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगरौली जिले के मरीज श्री संदीप सिंह की समय पर मदद करने के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बधाई दी है। एयर एम्बुलेंस सेवाः पात्रता एवं स्वीकृति प्रक्रिया पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं, औद्योगिक हादसों एवं प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित मरीजों को त्वरित एवं सुरक्षित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है।

यह सेवा राज्य के नागरिकों के लिए एक अत्यंत उपयोगी और जीवन रक्षक सुविधा बन चुकी है। सेवा के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए राज्य के भीतर एवं बाहर के सरकारी व आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज के लिए निःशुल्क वायु परिवहन की सुविधा दी जाती है और जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है उनको राज्य के भीतर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए निशुल्क हवाई परिवहन सेवा, और राज्य के बाहर किसी भी अस्पताल में अनुमोदित दरों पर सशुल्क सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है। यह सेवा राज्य के सभी जिलों से जिला अस्पतालों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। नागरिकों को उनके जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी या मेडिकल कॉलेज अधिष्ठाता की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर द्वारा राज्य के भीतर निःशुल्क परिवहन की अनुमति दी जाती है। राज्य के बाहर के लिए संचालक चिकित्सा शिक्षा भोपाल तथा सशुल्क मामलों में संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, भोपाल स्वीकृति प्रदान करते हैं।

80 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा व पायलेटिंग स्कूटर सहित 04 आरोपीयों को पकडने में पुलिस चौकी नयागॉव थाना जावद को मिली सफलता

अविनाश जाजपुरा। नीमच

जावद : माननीय मुख्यमंत्री महोदय के द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी एवं नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रदेश व्यापी विशेष अभियान के तहत श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय, जिला नीमच श्री अंकित जायसवाल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री नवलसिंह सिसौदिया एवं अअपु जावद श्री रोहित राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जावद निरीक्षक श्री जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में चौकी प्रभारी नयागॉव मंगलसिंह राठौड़ की टीम के द्वारा कुल 80 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा व मारूति सुजुकी कम्पनी की स्वीफ्ट डिजायर कार क्र. आर.जे.-09-सीडी-7641 व पायलेटिंग करती यामाहा कम्पनी की फेसीनों स्कूटर क्र. आर.जे.-09:-वायएस-1514 सहित 04 आरोपी को पकडने में सफलता प्राप्त की है। विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर अवैध मादक पदार्थ की धरपकड व नाकाबंदी हेतु अठाना-अरनोदा रोड चार खम्भा चोराहा पर पुलिस नाकाबंदी के दौरान एक यामाहा कम्पनी की फेसीनों स्कूटर क्र. आर.जे.-09:-वायएस-1514 अठाना तरफ से आई जो पुलिस की नाकाबंदी देखकर तेजगति से भगाने का प्रयास करने लगा जिसको हमराह फोर्स की मदद से रोका और चालक व पीछें बैठे व्यक्ति को अभिरक्षा में लिया, इतने में अठाना तरफ से मारूति सुजुकी कम्पनी की स्वीफ्ट डिजायर कार क्र. आर.जे.-09-सीडी-7641 आती दिखी जिसका चालक पुलिस की नाकाबंदी देखकर व पायलेटिंग वाले यामाहा फेसीनों स्कूटर को खडा देखकर अपनी स्वीफ्ट डिजायर कार को तेजगति से भगाने का प्रयास करने लगा जिसको हमराह फोर्स की मदद से रोका और चालक व पास में बैठे उसके साथी को अभिरक्षा मे लेकर उक्त संदिग्ध स्वीफ्ट डिजायर कार की तलाशी में मिले 80 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा व घटना में प्रयुक्त कार व स्कूटर को एनडीपीएस एक्ट के अज्ञापक प्रावधानों का पालन करते हुए विधिवत् जप्त किया गया तथा पायलेटिंग कर रहे यामाहा फेसीनों स्कूटर के चालक योगेश पिता देवीलाल सोनी उम्र 25 वर्ष नि. कुम्हारों का मोहल्ला थाना चंदेरिया जिला चित्तौडगढ राज0 व उसके साथी सुमित पिता कमल हरिजन उम्र 20 वर्ष नि. मिरासी मोहल्ला थाना चंदेरिया जिला चित्तौडगढ राज0 तथा स्वीफ्ट डिजायर कार के चालक नवीन पिता हरिसिंह बंजारा उम्र 22 वर्ष नि0 गवारिया मोहल्ला थाना चंदेरिया जिला चित्तौडगढ व उसके साथी गजेन्द्रसिंह पिता हडमान उर्फ हनुमानसिंह राठौर उम्र 23 वर्ष नि. बनवाडा जिला नागौर हाल मुकाम रोलाहेडा रोड थाना चंदेरिया जिला चित्तौडगढ राज0 को मौके से गिरफ्तार कर गिरफ्तारशुदा आरोपीयों के विरूद्ध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है प्रकरण में अनुसंधान जारी है ।

सराहनीय भूमिकाः- उक्त कार्यवाही में पुलिस टीम नयागॉव का सराहनीय योगदान रहा।

गांव में मुक्तिधाम नहीं होने से नदी पार कर किया अंतिम संस्कार...

शिवपुरी जिले के खरई जालिम गांव में मुक्तिधाम नहीं होने का मामला सामने आया है। गांव में मुक्तिधाम नहीं होने के कारण गांव में किसी ग्रामीण की मृत्यु होने पर उसकी शव यात्रा को ग्रामीणों द्वारा नदी पार कर गांव से मीलों दूर जाकर अंतिम संस्कार करना पड़ता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गांव में के एक 15 साल के युवक की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। उसके अंतिम संस्कार के लिये गांव में मुक्तिधाम नहीं होने के कारण ग्रामीणों को उसकी शव यात्रा को नदी पार कर उसका अंतिम संस्कार किया जा सका। गांव में कई वर्षों से मुक्तिधाम बनवाने की मांग हो रही है, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर, शिवपुरी से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

गांव की शांत तलैया में खौफ का साया जहां तैरता दिखा मौत का पहरेदार

अविनाश जाजपुरा। नीमच

हरवार। जीरन तहसील अंतर्गत गांव हरवार से है, जहां नजदीकी छोटी तलैया में मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में डर और दहशत का माहौल है।गांव की रक्षा समिति के सदस्य संदीप जाट ने बताया कि वे एक अंतिम संस्कार यात्रा से लौट रहे थे।तभी उनकी निगाह छोटी तलैया पर पड़ी, जहां बीच में ऊंचे स्थान पर बड़ा सा जानवर दिखाई दिया। संदीप और उनके साथी पुष्कर सेन ने गौर से देखा तो वह मगरमच्छ जैसा लगा।उन्होंने बिना देर किए अपने मोबाइल से उसकी तस्वीर और एक छोटा वीडियो बना लिया। ग्रामीणों की माने तो सुबह के समय भी इसी मगरमच्छ को तलैया में देखा गया था। तलैया से मात्र 50 फीट की दूरी पर ही बस्ती बसी हुई है, जिससे ग्रामीणों में भय का वातावरण है। "तलैया की लहरों में छुपा है खौफ का राज़, गांव के लोगों के दिल में अब है सिर्फ़ अंदाज़।" गांव के लोग चिंतित हैं क्योंकि कई ग्रामीण इस तलैया के आसपास शौच के लिए जाते हैं। साथ ही, तलैया की पाल के पास स्कूल जाने वाले बच्चे भी प्रतिदिन गुजरते हैं। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत इस ओर ध्यान दिया जाए और मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला जाए। ताकि ग्रामीण को भय से मुक्ति मिले।

एमपीसीएसटी में एनजीओ के लिए "प्रस्ताव लेखन में समस्या कथन की पहचान" पर हुई कार्यशाला

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और विज्ञान भारती द्वारा शुक्रवार को एमपीसीएसटी भोपाल के ऑडिटोरियम में एनजीओ के लिए "प्रस्ताव लेखन में समस्या कथन की पहचान" विषय पर एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला 12 से 14 सितंबर, 2025 को ग्वालियर में आयोजित होने वाले "टेक फॉर सेवा" कार्यक्रम के अंतर्गत थी। कार्यशाला एनजीओ के लिए प्रस्ताव लेखन में वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टिकोण अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही।एमपीसीएसटी के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि प्रस्ताव स्पष्ट, तार्किक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित होना चाहिए। समस्या कथन में उसकी जड़ तक जाना आवश्यक है जिससे निर्धारित उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सके। उन्होंने "टेक फॉर सेवा" में अधिक से अधिक एनजीओ से भागीदारी की अपील की, जिससे तकनीक को नया आयाम मिल सके। विज्ञान भारती (मध्य क्षेत्र) के संगठन मंत्री श्री विवस्वान हेबालकर ने कहा कि प्रस्ताव में समस्या को स्पष्ट और सटीक रूप से प्रस्तुत करना जरूरी है। समाज के उत्थान के लिए नवाचारों को अपनाना होगा और "टेक फॉर सेवा" इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।एमपीसीएस के कार्यकारी संचालक डॉ. विवेक कटारे ने कहा कि समस्या कथन लिखना एक कला है। इसे जितना स्पष्ट और सटीक लिखा जाएगा, परिणाम उतने ही बेहतर होंगे। कॉपी-पेस्ट से बचकर जमीनी स्तर के कार्यों को आधार बनाना चाहिए। नर्मदा समग्र न्यास के सीईओ श्री कार्तिक सप्रे ने सुझाव दिया कि प्रस्ताव तैयार करते समय गहन शोध और स्पष्ट समस्या कथन जरूरी है।

एमपीसीएसटी के प्रिंसिपल साइंटिस्ट श्री विकास शेंडे ने कहा कि प्रभावी समस्या कथन के लिए गहरी समझ और ठोस शोध की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, दस्तावेज़ को व्यवस्थित और सटीक रखने तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित फंडिंग स्कीम्स के बारे में जानकारी दी। विशेषज्ञ डॉ. तृप्ती सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से समस्या कथन को प्रभावी बनाने के तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी।कार्यशाला में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्किल डेवलपमेंट और जागरूकता से जुड़े 50 से अधिक एनजीओ के प्रतिनिधि और संस्थापक शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने "प्रस्ताव लेखन में समस्या कथन की पहचान" और प्रभावी लेखन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला में एमपीसीएसटी के सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. जी.डी. बैरागी, तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.के. गर्ग सहित अन्य विशेषज्ञ मौजूद थे।

सिंहस्थ : 2028 के व्यवस्थित आयोजन के लिए पिछले दो सिंहस्थ में उज्जैन पदस्थ वरिष्ठ अधिकारियों का लिया जाए मार्गदर्शन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ : 2028 प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन है। इसके लिए उज्जैन में पिछले दो सिंहस्थ वर्ष 2004 और 2016 के दौरान पदस्थ रहे वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के अनुभव का लाभ भी लिया जाए। इलाहाबाद में सम्पन्न महाकुंभ की व्यवस्थाओं का अध्ययन भी किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है कि सिंहस्थ : 2028 श्रद्धालुओं की दृष्टि से सुविधाजनक, दुर्घटनाविहीन, आवास, आवागमन, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं के साथ श्रेष्ठ आपदा प्रबंधन का भी उदाहरण बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार की शाम मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में सिंहस्थ : 2028 की व्यवस्थाओं के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 के प्रबंधों पर गत मंगलवार को भी विस्तृत बैठक हुई है। बैठक और संवाद का सिलसिला निरंतर चलेगा। प्रत्येक व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए विभागों को दायित्व दिए गए हैं। तैयारियों की नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार के संबंधित विभागों से भी आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश के विभिन्न रेल मंडल प्रबंधकों ने उनसे भेंट कर सिंहस्थ के लिए रेल सुविधाओं की उपलब्धता और विस्तार के संबंध में अवगत करवाया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निर्मित होने वाले घाटों और उनके निकट विभिन्न सुविधाओं के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। सरलता और सुगमता से स्नान सम्पन्न हो सकें, इस दृष्टि से सभी जरूरी प्रबंध किए जाएंगे। पर्यटन विभाग और निजी क्षेत्र द्वारा होटलों की व्यवस्था, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों के लिए रहवास व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा अधिकारियों को दिए गए प्रमुख निर्देश

सिंहस्थ से जुड़े कार्यों की सतत् समीक्षा की जाए। विभागवार बैठकें भी हों।

अधिकारी-कर्मचारियों के प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएं।, सिंहस्थ के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं में आधुनिक तकनीक का प्राथमिकता से उपयोग हो।,विभिन्न देवस्थानों के परिसरों के विकास कार्य भी प्रारंभ किया जाए।,अनुभवी अधिकारियों की सेवाएं और मार्गदर्शन लेने का कार्य भी किया जाए।

भीड़ नियंत्रण में एआई के उपयोग के लिए आवश्यक अध्ययन किया जाए।

अन्य देशों में सिंहस्थ केन्द्रित सांस्कृतिक गतिविधियों की रूपरेखा को अंतिम रूप दें।

अंतरिक्ष तकनीक में नई उड़ान भरने को तैयार मध्यप्रदेश

स्पेस टैक पॉलिसी-2025 का ड्राफ्ट जारी, सुझाव आमंत्रित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विजन है कि मध्यप्रदेश को भारत का स्पेस टेक्नोलॉजी हब बनाया जाए, जिससे प्रदेश में विकसित स्पेस टैक ईकोसिस्टम सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। इसी विजन को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश स्पेस टैक पॉलिसी-2025 बनाई गई है। स्पेस टैक पॉलिसी में अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग कृषि, जल संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और सुशासन में किये जाने के संबंध में भी स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल किये गए हैं। इससे प्रदेश की जनता को सीधे लाभ होगा और प्रदेश भारत की उभरती स्पेस इकोनॉमी में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित कर सकेगा।

मध्यप्रदेश सरकार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 'मध्यप्रदेश स्पेस टैक पॉलिसी-2025' का ड्राफ्ट सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया है। इस नीति का उद्देश्य प्रदेश को भारत का अगला प्रमुख स्पेस टैक हब बनाना और वैश्विक स्पेस इकोनॉमी में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाना है। सरकार ने नागरिकों, उद्योग जगत, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों से इस ड्राफ्ट नीति पर सुझाव आमंत्रित किए हैं, जिससे यह नीति प्रदेश की आकांक्षाओं और व्यावहारिक आवश्यकताओं के अनुरूप अंतिम रूप ले सके। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने इस ड्राफ्ट नीति को सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया है। सभी नागरिकों, स्टार्टअप्स, उद्योग जगत और शोध संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत करें। ड्राफ्ट पॉलिसी देखने और सुझाव देने हेतु लिंक है MP SpaceTech Policy 2025 Draft और फीडबैक फार्म के लिये लिंक है Public Consultation Feedback ।

पॉलिसी ड्राफ्ट के लिए दो हाइलेबल कंसल्टेंसी मीटिंग्स की गईं। पहली बैठक IITइंदौरमें हुई। इसमें इसरो, डीआरडीओ, बीईएल, शिक्षाविद और उद्योग जगतके 30 से अधिक विशेषज्ञ शामिल हुए। मीटिंग में 'मध्यप्रदेश स्पेस टैकः एक्सप्लोरिंग अपॉर्चुनिटीज एंड चैलेंजेज' विषय पर विचार-विमर्श हुआ। दूसरी बैठक बेंगलुरु स्थित BEL ऑफिसर्स क्लबमें हुई। इसमें इसरो, डीआरडीओ, बीईएल, एसआईए-इंडिया और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के 40 से अधिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इनका नेतृत्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे ने किया। दोनों मीटिंग्स में आये परामर्शों, विचारों और सुझावों को पॉलिसी ड्राफ्ट में शामिल किया गया है।

पॉलिसी ड्राफ्ट में स्पष्ट किया गया है कि मध्यप्रदेश के पास स्पेस टैक में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएँ हैं। जबलपुर का डिफेंस कॉरिडोर, पीथमपुर का प्रिसिजन इंजीनियरिंग हब, प्रदेश की मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और IIT इंदौर, IISER भोपाल एवं RRCAT इंदौर जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक एवं शोध संस्थान प्रदेश को स्पेस टैक सैक्टर में अग्रणी भूमिका दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। विशेष रूप से IIT इंदौर देश का एकमात्र संस्थान है, जो स्पेस साइंस और इंजीनियरिंग में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम संचालित करता है।

स्पेस टैक पॉलिसी को तीन स्तरों—अप स्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम—में विभाजित किया गया है। अपस्ट्रीम में उपग्रह व लॉन्च वाहन निर्माण, प्रोपल्शन, एवियोनिक्स, स्पेस एसेट विकास के लिए विकसित रणनीतियों का समावेश है। मिडस्ट्रीम में मिशन संचालन, लॉन्च सेवाएँ, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस ट्रैफिक मैनेजमेंट और डेब्रिस मिटिगेशन, जबकि डाउनस्ट्रीम में पृथ्वी अवलोकन, उपग्रह संचार, नेविगेशन एवं पोजिशनिंग और सिस्टम एंड डेटा एनालिटिक्स को शामिल किया गया है।स्पेस टैक पॉलिसी में उद्योग व अकादमिक सहयोग से स्पेस टैक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना, उज्जैन में एस्ट्रोफिजिक्स एवं स्पेस साइंस आरएंडडी सेंटर, जो शहर की ऐतिहासिक खगोल-विज्ञान परंपरा को आधुनिक स्वरूप प्रदान करेगा। पॉलिसी में स्टार्टअप्स व उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए 200 करोड़ रुपये का स्पेस टैक वेंचर फंड, प्रोटोटाइप ग्रांट, आईपी रिइम्बर्समेंट, इनक्यूबेशन सपोर्ट और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने के लिए नीतियां शामिल की गई हैं। पॉलिसी में स्पेस टैक के लिए स्किल डेवलपमेंट के लिए संबंधित पाठ्यक्रमों का समावेश, उन्नत प्रशिक्षण, उद्योग आधारित अप्रेंटिसशिप और फेलोशिप कार्यक्रम शामिल किये गये हैं।

प्रदेश में स्पेस टैक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किये जाने के लिए पॉलिसी में क्लीन रूम्स और टेस्टिंग सुविधाएँ, स्पेस मैन्युफैक्चरिंग पार्क, डुअल-यूज़ कंपोनेंट हब, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सेंटर, भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए 'अंतरिक्ष विहार' स्पेस एक्सप्लोरेशन पार्क, विद्यार्थियों के लिए 'मिशन कल्पना' कार्यक्रम और इसरो की युविका योजना में भागीदारी के लिए विस्तृत दिशानिर्देश निर्धारित किये गये हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कहा है "स्पेस टैक अब केवल रॉकेट और सैटेलाइट तक सीमित नहीं है। यह कृषि, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और उद्योगों में भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। मध्यप्रदेश इस नीति के माध्यम से अपनी औद्योगिक, शैक्षणिक और रणनीतिक क्षमताओं को नए अवसरों में बदलते हुए भारत की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं में सार्थक योगदान देगा।''

जिले के सभी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए काउंसलिंग सेशन आयोजित किया जाए- चंद्रा

नीमच कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को मनासा क्षेत्र के भ्रमण दौरान शासकीय उमावि पड़दा का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने डीईओ बीईओ बीआरसी एवं प्राचार्य की बैठक में निर्देश दिए, कि जिले के सभी प्राचार्य एवं संस्था प्रमुख सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों की काउंसलिंग के लिए सेशन आयोजित करें और विद्यार्थियों से उनकी अध्यापन कठिनाइयों के बारे में फीडबैक ले,कि उन्हें किन-किन विषयों के अध्यापन में विषयात्मक कठिनाई आ रही है। विद्यार्थियों से फीडबैक के आधार पर शिक्षा में गुणात्मक सुधार करें। सभी विद्यालयों में बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शतप्रतिशत रहे और सभी विद्यार्थी 75% से अधिक अंक हासिल कर उत्तीर्ण हो ऐसे प्रयास करें। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए , कि वह सभी विद्यालयों में ई अटेंडेंस व्यवस्था को सख्ती से लागू करें और सुनिश्चित करें कि समय पर सभी स्कूल खुले और शिक्षक उपस्थित हो। कलेक्टर ने सभी सी.एस.सी., बी.एस. सी.और प्राचार्य को भी विद्यार्थियों की शाला में उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए।

जीतू पटवारी की सुरक्षा में चूक, प्रदर्शनकारियों ने दिखाएं काले झंडे

रतलाम में उस समय हड़कंप मच गया जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के काफिले को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। और गुस्साए लोगों ने काले झंडे दिखाकर नारेबाजी की। राहुल गांधी द्वारा पूरे देश में वोट चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान वोट चोर गद्दी छोड़ के तहत जीतू पटवारी रतलाम जिले में जनसमर्थन यात्रा पर पहुंचे थे। उनके रतलाम शहर में आने से पूर्व ही फोरलेन हाईवे के समीप मांगरोल फंटे पर प्रदर्शनकारी हाथों में काले झंडे लेकर मौजूद थे। जैसे ही काफिला वहां पहुंचा, उन्होंने रोककर विरोध किया और कार पर मुक्के मारते हुए गाड़ी का शीशा फोड़ दिया। स्थिति बिगड़ते देख जीतू पटवारी ने गाड़ी रुकवाई और लोगों से संवाद करते हुए माफी मांगी। हालांकि गनीमत रही कि पटवारी और कार में सवार अन्य लोगों को कोई चोट नहीं आई। जानकारी के मुताबिक हाल ही में धाकड़ समाज पर की गई उनकी टिप्पणी को लेकर नाराजगी जताने के लिए समाज के लोग मांगरोल में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान वोट चोर गद्दी छोड आंदोलन में शामिल होने रतलाम आ रहे पटवारी का काफिला वहां से गुजर रहा था। बताया जाता है कि प्रदर्शनकारियों ने पहले काले झंडे दिखाकर नारेबाजी की और अचानक किसी ने पथराव कर दिया। यह भी बताया जा रहा है कि कार

पर मुक्के भी मारे गए। हमले के दौरान पटवारी अपनी कार से उतर गए, जिससे वे पत्थर की जद में आने से बच गए। इसके बाद वे रतलाम शहर के बाजना बस स्टैंड पहुंचे, जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया सहित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ जनसमर्थन यात्रा में शामिल हुए।जनसभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा मुख्यमंत्री मोहन यादव अगर मेरी हत्या करके नशा रोक सकते हो तो कृपया मेरी हत्या करवा दो। इस बयान के बाद सभा स्थल पर सन्नाटा छा गया और माहौल भावुक हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह विरोध पटवारी के हालिया बयान के चलते भड़का। अचानक हुए इस विरोध ने न केवल जनसमर्थन यात्रा की रफ्तार धीमी की बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की भी पोल खोल दी। अब सवाल उठ रहे हैं आखिर इतने बड़े राजनीतिक नेता के काफिले के दौरान सुरक्षा इंतजाम क्यों नहीं किया गया.? पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में विरोधी भीड़ कार तक कैसे पहुँच गई.? गनीमत रही कि इस पूरी अफरा-तफरी में जीतू पटवारी ने संयम और सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर प्रदर्शनकारियों से संवाद किया और माफी मांगते हुए स्थिति को शांत कराया। उनकी समझदारी से बड़ा हादसा टल गया।

विद्यार्थी जितना कंप्यूटर साइंस सीखेंगे उतनी ही रुचि बढ़ेगी-श्री चंद्रा

कलेक्टर ने सांदीपनी विद्यालय मनासा में किया विद्यार्थियों से संवाद

नीमच जिले के मनासा में सांदीपनि विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा, कि आज के दौर में क्वालिटी एजुकेशन के लिए कंप्यूटर शिक्षा जरूरी हैं। उन्होंने कहा, कि विद्यालयों में अच्छी कंप्यूटर लैब होना चाहिए।कलेक्टर ने विद्यार्थियों से कहा, कि वे जितना कंप्यूटर एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग सीखेंगे उतनी ही उनकी रुचि कंप्यूटर सीखने के प्रति बढ़ेगी। उन्होंने कक्षा छठी से ही विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कोडिंग कंप्यूटर एप्लीकेशन सीखने पर बल देते हुए कहा,कि सभी विद्यार्थियों को कंप्यूटर सीखना चाहिए। कार्यक्रम को आई.डी.बी.आई.बैंक के प्रबंधक श्री रामकुमार सिंह ने कहा, कि सी.एस.आर. मद से सांदीपनि विद्यालय को 12 सेट कंप्यूटर प्रदान किया जा रहे हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से लक्ष्य ऊंचा रखकर पढ़ाई करने का आह्वान करते हुए कहा, कि यदि वे लक्ष्य तय कर पढ़ाई करेंगे, तो सफलता अवश्य मिलेगी। प्राचार्य श्री बी.एल. बसेर ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रारंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रचलित कर, कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात प्राचार्य श्री बसेर एवं शिक्षकगणों तथा छात्र-छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री चंद्रा ने आई.डी.बी.आई.बैंक की तरफ से प्रदान किए गए। कंप्यूटर सेट विद्यार्थियों को प्रदान किए। इस मौके पर एस.डी.एम.श्रीमती किरण आंजना, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सूजनमल मांगरिया व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध होगी दंडात्मक कार्रवाई

पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर, भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश, जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो। भोपाल शहर की सीमा में किसी भी साइबर कैफे के स्वामी संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति, जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र, जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटोयुक्त, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो, को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जायेगा। साइबर कैफे के स्वामी/संचालक द्वारा समस्त आगंतुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखा जाना आवश्यक है, जिसमें उनका हस्तलिखित नाम, पता, दूरभाष नम्बर तथा परिचय का प्रमाण पत्र अंकित हो, इसके बिना सायबर कैफे का प्रयोग वर्जित होगा। साइबर कैफे में बिना कैमरा लगाए जिसमें प्रत्येक आंगतुक / प्रयोगकर्ताओं की फोटो खींची जा सके तथा उसका अभिलेख सुरक्षित रखा जाना आवश्यक होगा।भोपाल नगर की सीमा में उपरोक्त गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा। यह आदेश आगामी दो माह तक लागू रहेगा। इस आदेश अथवा इस आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

जनकल्याण और विकास की दिशा में जारी रखें सतत प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा के संबंध में कलेक्टर्स एवं कमिश्नर्स से वीसी के जरिए की चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनता की सेवा ही हमारा धर्म है। यही हमारा

लक्ष्य भी है। आने वाली 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान नागरिकों की सेवा और सुविधा से जुड़े सभी कार्यों सहित स्वच्छता गतिविधियां भी आयोजित की जाएं। सेवा पखवाड़े को जनता को प्रदेश में सुशासन का भरपूर लाभ देने वाला पखवाड़ा बनाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंदसौर जिले के गांधीसागर से सेवा पखवाड़ा की तैयारियों के संबंध में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं कमिश्नर्स से मुखातिब हो रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी मैदानी अधिकारियों से सेवा पखवाड़ा के क्रमबद्ध आयोजन के बारे में चर्चा की और इसकी रूपरेखा सहित तैयारियों की जानकारी भी ली। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मंत्रालय से इस वीसी में सहभागिता की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स-कमिश्नर्स से कहा कि प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और भी सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेजेस के निर्माण कार्य अब विस्तारित स्वरूप में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में आमूल-चूल सुधार होगा। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त हेल्थ बॉडीज प्रदेश के नागरिकों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बड़े गांवों, नगरीय निकायों एवं बड़े शहरों में सौंदर्यीकरण और हरियाली के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से "नमो पार्क, नमो वन, नमो उपवन" जैसे हरे-भरे उद्यानों का विकास किया जाए। ऐसे वन-उपवन न केवल पर्यावरण को स्वच्छ और हराभरा बनाएंगे, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराएंगे। इसलिए उद्यानिकी गतिविधियों एवं उद्यान विकास को विशेष प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जनजातीय बहुल अंचल के विकास एवं समृद्धि के लिए राज्य सरकार द्वारा केन्द्रीय एवं प्रादेशिक विकास योजनाओं का संचालन कर अनेक प्रकार के अधोसंरचना निर्माण कार्यों की सौगातें दी जा रही हैं। इन लक्षित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं की सहज उपलब्धता से ही जनजातीय क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सकेगा। इसके लिए कलेक्टर्स सेवा पखवाड़ा अवधि में जनजातीय अंचल में प्रचार-प्रसार एवं सभी नवाचारी गतिविधियां आयोजित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की मेहनत का भरपूर लाभ दिलाना और उनकी फसल की चिंता हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीते दिनों आई प्राकृतिक आपदा एवं कीट प्रकोप से किसानों की फसलों को हुई क्षति का पूरी संवेदनशीलता के साथ आंकलन किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसल क्षति का पारदर्शी तरीके से सम्पूर्ण सर्वे कार्य शीघ्र पूरा कर लें, इससे किसानों को समय पर समुचित मुआवज़ा एवं फसल बीमा योजना की क्षतिपूर्ति राशि का लाभ भी मिल सकेगा।

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में चूहों ने दो नवजातों को काटा, दोनों की मौत

इंदौर स्थित महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवाईएच) में 24 अगस्त को 10 दिन की एक बच्ची (गुड़िया– सांकेतिक नाम) को उसके परिजन छोड़कर चले गए थे. 31 अगस्त को गुड़िया को सबसे सुरक्षित और संवेदनशील माने जाने वाले एनआईसीयू वॉर्ड में कथित तौर चूहों ने काट लिया और 2 सितंबर को गुड़िया की इलाज के दौरान मौत हो गई. वहीं बुधवार दोपहर को लगभग 1 बजे एक और नवजात रोशन (सांकेतिक नाम) की भी मृत्यु हो गई है. राज्य के चिकित्सा आयुक्त ने इस मामले में अस्पताल को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है. हालांकि अस्पताल प्रशासन ने कहा है कि दोनों बच्चों की मौत चूहे के काटने से नहीं, बल्कि गुड़िया की गंभीर जन्मजात दिल की बीमारी के कारण और रोशन की मौत इन्फ़ेक्शन की वजह से हुई है. अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अशोक यादव ने बीबीसी को बताया, "यह एक दुखद और संवेदनशील घटना है लेकिन बच्ची की मौत चूहों के काटने से नहीं हुई है बल्कि वह पहले से ही जन्मजात गंभीर बीमारियों से लड़ रही थी और इसी के चलते उसकी मौत हो गई." अस्पताल प्रबंधन भले ही घटना के लिए जो भी सफ़ाई पेश करे लेकिन इस मामले ने अस्पताल में फैली लापरवाही को उजागर किया है. जहां एक तरफ़ मध्य प्रदेश की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर फिर एक बार सवाल खड़े हो रहे हैं वहीं कांग्रेस ने इस मामले को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है. इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने दो नर्सिंग ऑफ़िसर्स को निलंबित कर दिया है और कई अधिकारियों को नोटिस दिए हैं. . अपने मरीज़ के साथ मौजूद 32 साल की मिथिलेश जाटव ने कहा, "कोई भी व्यक्ति अस्पताल आता है तो इस उम्मीद के साथ आता है कि उसकी जान बच जाएगी. और अगर आईसीयू या बच्चों के लिए एनआईसीयू में कोई जाता है तो वो अपनी ज़िंदगी के लिए लड़ता है. ऐसे में अगर चूहे काट लें तो ये कितनी बड़ी लापरवाही है." मिथिलेश ने कहा, "सबसे सुरक्षित इलाक़े में चूहों का आतंक है, बच्चों को काट रहे हैं तो फिर इंसान कहा जाएगा?" दरअसल मध्य प्रदेश के इस सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में चूहों के आतंक का एक लंबा इतिहास रहा है.

अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर अशोक यादव ने बीबीसी को बताया, "1994 में यहां बड़े स्तर पर 'चूहा मारो अभियान' चलाया गया था. उस दौरान अस्पताल को 10 दिनों के लिए ख़ाली कराया गया और पेस्ट कंट्रोल से करीब 12,000 चूहे मारे गए थे. 2014 में भी पेस्ट कंट्रोल हुआ, जिसमें ढाई हज़ार चूहे मरे." डॉक्टर अशोक यादव ने अस्पताल में मरीजों के साथ आए परिजनों पर आरोप लगाते हुए कहा, "कई बार मरीज़ों के अटेंडर्स वॉर्ड के अंदर तक खाना लेकर जाते हैं और चूहों के आने का ये सबसे बड़ा कारण है. इसके अलावा अभी बारिश का मौसम भी है जिसके चलते चूहे अस्पताल की इमारतों और वार्डों में घुस आते हैं." उनका दावा है कि अस्पताल में समय-समय पर पेस्ट कंट्रोल कराया जाता है. हालांकि गुड़िया और रोशन को चूहों द्वारा काटे जाने की घटना ने तमाम दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं. अस्पताल में लगभग 15 दिनों से भर्ती एक अन्य मरीज़ ने आरोप लगाया, "यहां अच्छे से साफ़-सफ़ाई नहीं की जाती. डॉक्टरों से शिकायत करने पर उल्टा शिकायत करने वाले को ही समस्या होती है. यहां मरीज़ मजबूरी में डर कर ही रहता है." एमवाई अस्पताल में नवजातों को चूहों के काटने की घटना पर भोपाल से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य आयुक्त ने डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया को नोटिस जारी किया है. नोटिस में कहा गया है कि अस्पताल के एनआईसीयू वॉर्ड में भर्ती शिशुओं को चूहों के कुतरने की घटना "गंभीर लापरवाही और गैर-ज़िम्मेदारी का सूचक है."

▪ *अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अशोक यादव नवजातों की मौत के लिए चूहों के काटने को ज़िम्मेदार नहीं ठहराते हैं*

डीन अरविंद घनघोरिया से इस मामले में तत्काल स्पष्टीकरण मांगा गया है.

वहीं दूसरी तरफ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "बीजेपी के 22 साल के शासन का यह असली चेहरा है. एमवाई में चूहों की हरकत यह पहली बार नहीं हुई. नवजातों को चूहों ने नहीं, भ्रष्टाचारी प्रशासन ने क्षति पहुंचाई है." पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार से सवाल पूछते हुए कहा, "इस सरकार में रीढ़ की हड्डी है तो क्या अधीक्षक को सज़ा दे सकते हैं? नहीं दे सकते. वह सिर्फ़ छोटे से वॉर्ड बॉय को हटाएंगे. यह व्यवस्था क्या है? एमवाई में अराजकता क्यों है? चूहे बच्चों को खा रहे हैंजितना दोषी वह चूहा है, उससे ज़्यादा दोषी यह तंत्र और व्यवस्था है". मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा, "यह बेहद गंभीर मामला है और इसमें तुरंत कार्रवाई की गई है. सामान्य तौर पर अगर समय पर पेस्ट कंट्रोल हो जाए तो चूहे अस्पताल में नहीं आते. लेकिन जिस तरह यह घटना हुई है, उससे साफ़ है कि पेस्ट कंट्रोल में लापरवाही हुई." सरकार ने पेस्ट कंट्रोल एजेंसी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है और उसका कॉन्ट्रैक्ट समाप्त करने का नोटिस जारी किया है. इसके अलावा नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट को हटा दिया गया है,

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एम्स भोपाल की व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने विभिन्न विषयों पर की चर्चा

भोपाल उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने एम्स भोपाल का दौरा कर वहाँ की चिकित्सा व्यवस्थाओं एवं अधोसंरचना का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एम्स भोपाल द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सहज एवं सुलभ बनाने के लिए किए जा रहे विभिन्न नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए एम्स जैसे अग्रणी संस्थानों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद ने एम्स की वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं तथा भविष्य की योजनाओं की विस्तार से जानकारी प्रदान की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्वास व्यक्त किया कि एम्स भोपाल के अनुभव एवं नवाचार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। इस दौरान प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई तकनीक एवं आधुनिक संसाधनों से सशक्त करने, अनुसंधान आधारित चिकित्सा सेवाओं को बढ़ावा देने तथा जनसामान्य को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने संबंधी विभिन्न आयामों पर वृहद चर्चा हुई।

भव्य श्रीजी शौभायात्रा के साथ क्षमावाणी पर्व मनाया गया....

चांदी के रथ पर निकले भगवान आकर्षण का केन्द्र रहे

सिंगोली : मेवाड़ प्रान्त कि धार्मिक नगरी सिंगोली में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज आचार्य श्री ज्ञैयसागर सागर जी महाराज कि परम प्रभाविक शिष्या गुरु मां आर्यिका श्री प्रशममति माताजी आर्यिका श्री उपशममति माताजी ससघ के सानिध्य में दसलक्षण महापर्व के दोरान भव्य शोभायात्रा के साथ क्षमावाणी पर्व बड़े धूमधाम मनाया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 सितंबर गुरुवार को प्रातः काल श्री जी का अभिषेक व शान्तिधारा हुई व उसके बाद माताजी ससघ के मंगल प्रवचन हुए दोपहर में 12 बजे श्री जी कि भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमे सर्व प्रथम माताजी ससघ चल रही थी तो महिला सिर पर जिनवाणी लेकर चर रही थी उनके पिच्छे महिलाए ध्वज लेकर चल रही तो उसके पिच्छे चांदी के रथ मे भगवान विराजमान थे जो आर्कषण का केन्द्र रहा उसके पिच्छे रथ में दसलक्षण महापर्व पर मेवाड़ प्रान्त व नगर में दस उपवास करने वाले तपस्वियों को रथ मे बैठाकर जगह जगह भगवान की आरती उतारी गई तो तपस्वियों का समाजजनों द्वारा बहुमान किया गया वही युवावर्ग व पुरुष वर्ग धोटी ढुपटे मे थे तो महिलाएं भी केसरिया व अन्य डेर्स में सभी समाजजन नाचते-गाते चल रहे थे जुलूस नगर के प्रमुख मार्ग आजद चोपाटी अहिसापन्त पुराना बस स्टैंड तिलस्वां चोराया अहिंसा सर्किल होते हुए श्री शान्तिसागर सभा मण्डपम श्री विद्यासागर सन्त निलय पर पहुंचा जहा पर श्री जी का अभिषेक व शान्तिधारा हुई व उसके बाद चित्र अनावरण व दिप प्रज्वलन करने का सोभाग्य दस उपवास करने वाले तपस्वियों को मिला व माताजी ससघ को शात्र भेंट करने का सोभाग्य दस उपवास करने वाली महिलाओं को मिला वही मेवाड़ प्रान्त व नगर के सभी दस उपवास करने वाले तपस्वियों का समाज द्वारा तिलक माला व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया व सघस्थ दिदी का भी सम्मान किया पाठशाला के बच्चों को पडाने वाली दिदी समाजजनों द्वारा सम्मानित किया गया वही उसके बाद बाहर से पधारे हुए सभी समाजजनों ने माताजी ससघ को श्री फल अर्पित किया व उसके बाद माताजी ससघ ने धर्मसभा को संबोधित किया सभी से क्षमा याचना कि समाज ने माताजी ससघ से जाने अनजाने मे हुई गलती के लिए क्षमा याचना मांगी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती व सत्यनारायण पाटीदार ने श्री जी को अर्घ समर्पण किया इस अवसर पर बोराव रावतभाटा बिजोलिया झांतला धनगाव थडोद चेची बेगु डाबी आदी जगह के बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

फॉर्मल वियर में इस तरह पाएं परफेक्ट लुक, पुरुषों के लिए खास हैं ये टिप्स

आज के जमाने में पहला इंप्रेशन काफी मायने रखता है और आपके कपड़े बिना कुछ कहे ही आपकी शख्सियत का परिचय दे देते हैं. किसी भी फॉर्मल इवेंट, चाहे वह शादी हो, कॉर्पोरेट मीटिंग हो या फिर कोई गाला, उसमें सही ढंग से तैयार होना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्टाइल का परफेक्ट मिक्सचर भी होता है. पुरुषों के फॉर्मल वियर में बीते कुछ दशकों में जबरदस्त बदलाव आया है. यह अब केवल ट्रेडिशन आउटफिट नहीं रहा, बल्कि सही ढंग से पहना जाए तो यह आपकी पर्सनैलिटी को आउटस्टैंडिंग लुक देने का काम भी करता है. आइए जानते हैं कुछ जरूरी फैशन टिप्स, जो आपके फॉर्मल लुक को परफेक्ट बना सकते हैं. एक अच्छी फिटिंग वाली ड्रेस शर्ट आपके पूरे लुक का आधार होती है. यह आपके पर्सनैलिटी में एक निखार लाती है और आपको अधिक क्लासिक और प्रोफेशनल बनाती है. अगर आप स्टाइल में थोड़ा बदलाव चाहते हैं, तो हल्के रंगों या स्ट्राइप्स वाली शर्ट भी चुन सकते हैं. क्लासिक शर्ट को हाइब्रिड या नॉन-आयरन ट्राउजर के साथ पेयर करें. ये ट्राउजर आरामदायक होने के साथ-साथ आपको दिनभर फ्रेश लुक भी देते हैं. सही फिटिंग वाला ट्राउजर आपके लुक को और ज्यादा स्टाइलिश बनाता है.

छोटे-छोटे फैशन डिटेल्स आपके लुक को खास बना सकते हैं. अच्छी क्वालिटी की सिल्क टाई, पॉकेट स्क्वायर, स्टाइलिश कफलिंक और एक ब्रांडेड घड़ी आपके पूरे लुक को शानदार बना सकते हैं. फॉर्मल लुक में सबसे जरूरी होता है एक अच्छी फिटिंग वाला सूट. हमेशा ऐसे सूट का चुनाव करें जो आपके शरीर के अनुरूप हो और जिसमें आपको आत्मविश्वास महसूस हो. जैकेट का सही फिट होना बेहद जरूरी है, जिससे आपकी पर्सनालिटी और निखरकर सामने आए.

सिर्फ कपड़े ही नहीं, आपकी ग्रूमिंग भी आपके लुक का अहम हिस्सा होती है. अच्छी हेयरस्टाइल, सही से ट्रिम की हुई दाढ़ी और साफ-सुथरे नाखून आपको और ज्यादा पॉलिश्ड लुक देते हैं. हल्की सी परफ्यूम की खुशबू आपके आत्मविश्वास को और बढ़ा देती है.

कोई भी स्टाइल तभी प्रभावशाली लगता है जब आप उसे आत्मविश्वास के साथ कैरी करें. सही पोशाक के साथ आत्मविश्वास का मेल आपको सबसे अलग और आकर्षक बनाता है. इसलिए जो भी पहनें, उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ कैरी करें.अगर आप इन स्टाइल टिप्स को अपनाते हैं, तो कोई भी फॉर्मल इवेंट आपके लिए स्टाइल और एलीगेंस का परफेक्ट कॉम्बिनेशन बन जाएगा.

आर्किटेक्ट कैसे बने ?

आर्किटेक्ट एक योग्यतापूर्ण और रचनात्मक करियर है जो आपको सामाजिक और व्यावसायिक मान्यता प्राप्त करता है। यदि आपके मन में रचनात्मकता, योजनाबद्धता, और स्थानांतरण का दर्शन है, और आप स्थापत्य कला और डिज़ाइन में रुचि रखते हैं, तो आपके लिए आर्किटेक्ट एक उत्कृष्ट करियर पथ हो सकता है। इसलिए, इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप एक अच्छा आर्किटेक्ट कैसे बन सकते हैं। इन Articles में करियर के बारे में जानकारीपूर्ण और दिलचस्प सामग्री कैप्सूल शामिल हैं|

आर्किटेक्ट कैसे बने ?

आर्किटेक्ट बनने के लिए, आपको 12वीं के बाद बैचलर्स ऑफ़ आर्किटेक्चर (बी.आर्च) की पढ़ाई करनी होगी। इसके लिए एक प्रसिद्ध आर्किटेक्चर कॉलेज में प्रवेश ले सकते हैं। यहां प्रायोगिक कौशल और नवीनतम डिजाइन तकनीकों की प्रशिक्षण प्राप्त करें। इंटर्नशिप या प्रोजेक्ट में संलग्न होकर अनुभव प्राप्त करें। रचनात्मकता, अभिकल्पना कौशल, और तकनीकी ज्ञान का विकास करें। अधिकतम महत्व दें योजनाबद्धता, स्थानीय मानचित्रण नियमों और वास्तुशास्त्र के लिए।

आर्किटेक्ट बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता

एक अच्छा आर्किटेक्ट बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता बहुत महत्वपूर्ण है। आपको एक मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान से स्नातक पाठ्यक्रम (बी.एच.) या उससे अधिक मान्यता प्राप्त करना होगा। शैक्षिक पाठ्यक्रम में स्थापत्य कला, नगरीय नियोजन, डिजाइन के सिद्धांत, और नवीनतम कला और डिज़ाइन की प्रवृत्तियों के बारे में पढ़ाई की जाती है।

आर्किटेक्ट बनने के लिए तकनीकी योग्यता

एक अच्छा आर्किटेक्ट बनने के लिए तकनीकी योग्यता महत्वपूर्ण है। आपको नवीनतम संगठन और रचनात्मक टूल्स का ज्ञान होना चाहिए, जैसे कि कंप्यूटर-आधारित डिजाइन सॉफ़्टवेयर और कंप्यूटरीकृत निर्माण के लिए उच्च क्षमता वाले प्रोग्राम। इसके अलावा, आपको स्थापत्य और डिज़ाइन में बढ़िया दस्तावेज़ीकरण कौशल की आवश्यकता होती है।

आर्किटेक्ट बनने के लिए प्राथमिक योग्यताएं

एक अच्छा आर्किटेक्ट बनने के लिए कुछ प्राथमिक योग्यताएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। इनमें शामिल हैं: रचनात्मकता: आपको रचनात्मक सोचने की क्षमता होनी चाहिए जिससे आप अपार्टमेंट, घर, या और किसी भी प्रकार के निर्माण को आकर्षक और सुंदर बना सकें।

तकनीकी महारत: आपको संरचनात्मक, रचनात्मक, और इंजीनियरिंग तकनीकों का ज्ञान होना चाहिए।

योजनाबद्धता: आपको योजनाबद्धता की क्षमता होनी चाहिए जिससे आप विभिन्न प्रकल्पों को समयबद्ध और उच्च-गुणवत्ता से पूरा कर सकें।

आर्किटेक्ट बनने के लिए कैरियर निर्देशिका

एक अच्छा आर्किटेक्ट बनने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कैरियर निर्देशिका हैं जिन्हें आपको अनुसरण करना चाहिए:

शैक्षणिक योग्यता: एक मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान से एक डिग्री या डिप्लोमा हासिल करें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम: अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें जहां आपको वास्तुकला, डिज़ाइन के सिद्धांत, और नवीनतम ट्रेंड्स के बारे में सीखाया जाता है।

प्रदर्शनी बनाएं: अपने रचनात्मक कौशल को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न आर्किटेक्चर प्रदर्शनी और प्रतियोगिताओं में भाग लें।

आर्किटेक्ट बनने के लिए संगठनात्मक क्षमता

एक अच्छा आर्किटेक्ट बनने के लिए संगठनात्मक क्षमता की आवश्यकता होती है। यह आपको अपने प्रोजेक्ट्स की समयबद्धता, संसाधनों का प्रबंधन, और क्रियान्वयन की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए सही योजनाबद्धता और संगठन कौशल का उपयोग करने की क्षमता देती है।

हिमाचल प्रदेश के शीर्ष पर्यटन स्थल

हिमालय की तलहटी में बसा हिमाचल प्रदेश का पहाड़ी परिदृश्य घाटियों और बर्फ से ढकी चोटियों की एक श्रृंखला से बना है। यह साहसिक गतिविधियों के प्रेमियों के लिए तो उपयुक्त है ही, साथ ही ठंडी पहाड़ी हवा की चाहत रखने वालों के लिए भी एक ताज़गी भरा विश्राम प्रदान करता है। हिमाचल प्रदेश की इन बेहतरीन जगहों पर जाएँ। आपको यहाँ मिट्टी के बर्तनों से लेकर पैराग्लाइडिंग तक सब कुछ मिलेगा! जब ब्रिटिश राज भारत पर राज करता था, तब शिमला उसकी ग्रीष्मकालीन राजधानी हुआ करती थी। अब यह हिमाचल प्रदेश की राजधानी है। यह शहर ओक, चीड़ और रोडोडेंड्रोन के जंगलों से घिरे एक पर्वतीय क्षेत्र में फैला है। यह अपनी औपनिवेशिक शैली की इमारतों और ऐतिहासिक रेलवे के लिए काफ़ी प्रसिद्ध है। कुछ लोग इसे आजकल अतिविकसित और भीड़-भाड़ वाला मानेंगे। फिर भी, इसका आकर्षण अभी भी बरकरार है। अपनी खूबसूरत रंगीन काँच की खिड़कियों वाला पुराना क्राइस्ट चर्च शिमला के सबसे प्रमुख स्थलों में से एक है। ऑब्ज़र्वेटरी हिल पर वाइसरीगल लॉज भी एक दर्शनीय स्थल है। शिमला की ऐतिहासिक पैदल यात्रा के दौरान इन्हें देखा जा सकता है। आसपास के क्षेत्र में कई साहसिक खेल और छोटी पैदल यात्राएँ भी उपलब्ध हैं। सनीमीड बेड एंड ब्रेकफ़ास्ट उन लोगों के लिए ठहरने के लिए एक आदर्श स्थान है जो शांति और शानदार भोजन पसंद करते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर कालका-शिमला रेलवे टॉय ट्रेन चंडीगढ़ के पास से शिमला पहुँचने का एक प्रतिष्ठित तरीका है।

हिमालय की मनमोहक पृष्ठभूमि वाला मनाली, शांति और रोमांच का ऐसा संगम है जो इसे उत्तर भारत के सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक बनाता है। आप वहाँ अपनी इच्छानुसार कम या ज़्यादा कुछ भी कर सकते हैं। कुल्लू घाटी में स्थित, यह एक जादुई जगह है, जो घने देवदार के जंगलों और उफनती व्यास नदी से घिरी है, जो इसे एक विशेष ऊर्जा प्रदान करती है। यह क्षेत्र व्यावसायिक मनाली टाउन और शांत ओल्ड मनाली में बँटा हुआ है, जहाँ यात्री सस्ते गाँव के गेस्टहाउसों में इकट्ठा होते हैं। मनाली के पास, सोलंग घाटी बर्फ का आनंद लेने के लिए लोगों को अपनी ओर खींचती है। इस मनाली यात्रा गाइड के साथ अपनी यात्रा की योजना बनाएँ । जैसे ही गोवा में मौसम कम होता है, साइकेडेलिक ट्रान्स का दृश्य समुद्र तल से 8,000 फीट ऊपर कुल्लू जिले की पार्वती घाटी में कसोल के आसपास के जंगल में स्थानांतरित हो जाता है। मई के अंत से अक्टूबर तक कसोल के पास चालाल में त्यौहार होते हैं। वहां पहुंचने के लिए, कसोल से 30 मिनट पैदल चलें, पार्वती नदी पर केबल सस्पेंशन पुल पार करें और फिर गांव में नदी के किनारे के सुरम्य रास्ते का अनुसरण करें। दो सबसे बड़े कार्यक्रम पार्वती पीकिंग और मैजिका फेस्टिवल हैं। हालांकि, पार्वती घाटी केवल पार्टियों के बारे में नहीं है। कसोल के पास एक और आकर्षण मणिकरण है, इसके गर्म झरने और विशाल नदी किनारे सिख गुरुद्वारा है। इस क्षेत्र में प्रकृति प्रेमियों और ट्रेकर्स को भी प्रसन्न करने के लिए बहुत कुछ है। पार्वती घाटी में घूमने के लिए शीर्ष स्थानों की हमारी पसंद में अधिक विवरण प्राप्त करें ।डलहौजी, शिमला और मनाली की तुलना में काफ़ी कम भीड़-भाड़ वाला है, और आसपास की चंबा घाटी हिमाचल प्रदेश का एक कम जाना-पहचाना इलाका है। अगर आप शानदार नज़ारों की तलाश में हैं, तो डलहौजी ही वो जगह है जहाँ आप जा सकते हैं। धौलाधार पर्वत श्रृंखला की तलहटी में पाँच पहाड़ियों पर बसे इस शहर का नाम इसके संस्थापक लॉर्ड डलहौजी के नाम पर पड़ा है। 19वीं सदी के चर्च और होटल उस दौर की याद दिलाते हैं और इस पर ब्रिटिश राज की एक अलग छाप दिखाई देती है।

उत्तर प्रदेश, भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है, जिसमें ताजमहल, वाराणसी के घाट, अयोध्या, मथुरा, वृंदावन, सारनाथ और कुशीनगर जैसे स्थान प्रमुख हैं. राज्य सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां बनाई हैं और 2028 तक पर्यटन क्षेत्र में पाँच गुना वृद्धि का लक्ष्य रखा है.

प्रमुख पर्यटन स्थलः

ऐतिहासिक स्थलः

ताजमहल (आगरा): विश्व का सात अजूबा, एक प्रसिद्ध प्रेम कहानी का प्रतीक.

फ़तेहपुर सीकरीः

एक ऐतिहासिक शहर, जो मुगल वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है.

झाँसी किलाः रानी लक्ष्मीबाई के साहस की गाथा सुनाने वाला ऐतिहासिक किला.

बड़ा इमामबाड़ा (लखनऊ): लखनऊ की एक शानदार इमारत.

धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्रः

वाराणसीः भारत के सबसे पवित्र शहरों में से एक, जहाँ गंगा नदी के घाटों पर आरती देखने लाखों पर्यटक आते हैं.

अयोध्याः भगवान राम की जन्मभूमि, जनवरी 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद धार्मिक पर्यटन में भारी वृद्धि देखी गई.

मथुरा और वृंदावनः भगवान कृष्ण की लीलाओं से जुड़े पवित्र स्थल.

सारनाथः बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान, जहाँ बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था.

कुशीनगरः बौद्ध धर्म से संबंधित एक और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल.

इलाहाबाद (प्रयागराज): गंगा, यमुना, और सरस्वती नदियों के संगम का पवित्र स्थान.

पर्यटन को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयासः

सरकार ने राज्य को एक वैश्विक पर्यटन केंद्र बनाने के लिए 2022 में पर्यटन नीति लागू की.

बुनियादी ढांचे में सुधार और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके पर्यटन क्षेत्र में वृद्धि की जा रही है.

2028 तक पर्यटन क्षेत्र में 5 गुना वृद्धि और 70,000 करोड़ रुपये का सकल मूल्यवर्धन (GVA) प्राप्त करने का लक्ष्य है.

प्रसिद्ध हिल स्टेशन और प्राकृतिक सौंदर्य

कूर्ग (कर्नाटक):

कॉफी के बागानों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है.

मुन्नार (केरल):

चाय के बागानों, घाटियों और पहाड़ियों से घिरा एक खूबसूरत हिल स्टेशन है.

ऊटीः

एक और मशहूर हिल स्टेशन जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है.

कोडाइकनाल (तमिलनाडु):

झरने, घास के मैदान और झीलों के साथ एक सुरम्य स्थल है.

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल

हम्पी (कर्नाटक):

ऐतिहासिक खंडहरों और विरासतों के लिए प्रसिद्ध है.

महाबलीपुरम (तमिलनाडु):

ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प महत्व के लिए एक आकर्षक जगह है.

मैसूर (कर्नाटक):

अपने महल और चिड़ियाघर के लिए मशहूर है.

हैदराबाद (तेलंगाना):

निज़ामों के इतिहास और चारमीनार के लिए प्रसिद्ध है, जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है.

समुद्र तट और आध्यात्मिक स्थल

एलेप्पी (केरल):

अपने सुंदर बैकवाटर और बैकवाटर क्रूज के लिए जाना जाता है..

पुदुचेरीः

शांत समुद्र तटों और फ्रेंच संस्कृति का मिश्रण प्रदान करता है.

गोकर्ण (कर्नाटक):

अरब सागर के किनारे स्थित एक खूबसूरत जगह है, जो पार्टी डेस्टिनेशन और हनीमून के लिए भी प्रसिद्ध है.

कन्याकुमारी (तमिलनाडु):

भारत के दक्षिणी छोर पर स्थित एक मनोरम तटीय शहर है.

कुछ अन्य लोकप्रिय स्थान

वायनाड (केरल):

झरने, गुफाएं और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए एक शानदार जगह है.

तिरुपति (आंध्र प्रदेश):

भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर के लिए प्रसिद्ध एक धार्मिक स्थान है.

चेन्नई (तमिलनाडु):

दक्षिण भारत की एक प्रमुख सांस्कृतिक और आर्थिक राजधानी है. दक्षिण भारत में घूमने के लिए 10 सबसे अच्छी जगह - Ghumney

दक्षिण भारत में घूमने के लिए शीर्ष स्थानों के बारे में जाने और आगे पढ़ें : * कूर्ग दक्षिण भारतीय कॉफी और आश्चर्यजनक प्राकृतिक सुंदरता की ताजा सुगंध के लिए, कर्न...

सरकार ने 350cc तक की बाइक्स पर जीएसटी घटा 350cc से ज्यादा वाली बाइक्स पर जीएसटी बढ़ा

त्योहारी सीजन से ठीक पहले सरकार ने टू-व्हीलर मार्केट के लिए बड़ा ऐलान किया है. नई GST दरों के तहत अब 350cc तक की बाइक्स पर टैक्स घटाकर 18% कर दिया गया है. यानी आम ग्राहकों के लिए छोटी और मिड-सेगमेंट की बाइक्स सस्ती हो जाएंगी. वहीं 350cc से बड़ी इंजन क्षमता वाली बाइक्स को लग्जरी श्रेणी में डालकर उन पर टैक्स बढ़ाकर 40% कर दिया गया है. इस फैसले से जहां एंट्री-लेवल बाइक्स की बिक्री बढ़ सकती है, वहीं प्रीमियम और हाई-परफॉर्मेंस बाइक्स के शौकीनों को ज्यादा पैसा खर्च करना होगा.

रॉयल एनफील्ड की छोटी बाइक्स सस्ती

रॉयल एनफील्ड के लिए यह बदलाव मिला-जुला असर लाएगा. कंपनी की हंटर 350, क्लासिक 350, मेट्योर 350 और बुलेट 350 जैसी पॉपुलर बाइक्स अब सस्ती हो जाएंगी क्योंकि इन पर सिर्फ 18% GST लगेगा, लेकिन, वहीं दूसरी तरफ हिमालयन 450, गुरिल्ला 450, स्क्रैम 440 और 650cc सीरीज (Interceptor, Continental GT, Super Meteor और Shotgun) पर अब 40% टैक्स लगेगा. इससे इनकी कीमत बढ़ जाएगी और एडवेंचर-टूरर सेगमेंट में डिमांड थोड़ी धीमी पड़ सकती है.

बजाज और ट्रायम्फ की बाइक्स पर असर

बजाज ऑटो की Dominar 400 और Pulsar NS400Z अब 40% टैक्स स्लैब में आ गई हैं. इसके अलावा, बजाज-ट्रायम्फ के साझेदारी वाले मॉडल जैसे Speed 400, Scrambler 400X और Thruxton 400 भी महंगे हो जाएंगे. अब तक ये मिड-कैपेसिटी सेगमेंट में किफायती विकल्प माने जाते थे, लेकिन टैक्स बढ़ने से इनकी वैल्यू-फॉर-मनी वाले छवि पर असर पड़ सकता है.

KTM की पूरी रेंज होगी महंगी

KTM भारत में अपने स्पोर्ट्स और एडवेंचर बाइक्स के लिए मशहूर है, लेकिन नई GST दरों से इसकी पूरी रेंज पर असर पड़ेगा. Duke सीरीज, RC सीरीज और Adventure सीरीज की ज्यादातर बाइक्स 350cc से ऊपर हैं, जिन पर अब 40% टैक्स लगेगा. इसका मतलब है कि फेस्टिव सीजन में KTM बाइक्स की कीमतें बढ़ेंगी और उनकी बिक्री पर दबाव आ सकता है.

अगर आप 350cc से कम इंजन वाली बाइक खरीदना चाहते हैं, जैसे Royal Enfield Hunter या Classic, तो यह आपके लिए अच्छा मौका है, क्योंकि अब ये बाइक्स पहले से सस्ती होंगी, लेकिन अगर आपका सपना Himalayan 450, Bajaj Dominar 400 या KTM Adventure जैसी मिड और हाई-रेंज बाइक खरीदने का है, तो अब आपको ज्यादा बजट रखना होगा. सरकार का ये फैसला एक तरफ जहां आम ग्राहकों को फायदा देगा, वहीं प्रीमियम बाइक्स के शौकीनों की जेब पर भारी पड़ेगा.

कितनी कम होगी स्प्लेंडर प्लस की कीमत

सरकार के इस फैसले से त्योहारों के समय टू-व्हीलर की खरीदारी और तेज होगी. उदाहरण के लिए, देखते हैं कि नई जीएसटी दर लागू होने के बाद हीरो स्प्लेंडर प्लस कितनी सस्ती हो सकती है. फिलहाल दिल्ली में इसकी एक्स-शोरूम कीमत 79,426 रुपये है. अगर इस पर जीएसटी में लगभग 10% की कटौती होती है तो कीमत करीब 7,900 रुपये कम हो सकती है. इससे ग्राहकों को सीधा फायदा मिलेगा. हालांकि बाइक खरीदते समय एक्स-शोरूम कीमत के अलावा और भी चार्ज जुड़ते हैं. इसमें 6,654 रुपये का आरटीओ शुल्क, 6,685 रुपये का इंश्योरेंस प्रीमियम और लगभग 950 रुपये के अन्य चार्ज शामिल हैं. इन सबको जोड़ने पर दिल्ली में स्प्लेंडर प्लस की ऑन-रोड कीमत अभी करीब 93,715 रुपये होती है. अगर टैक्स में कमी का असर पूरी तरह दिखा, तो आने वाले समय में यह बाइक पहले से काफी ज्यादा किफायती हो सकती है.

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट कैसे बने

जिन लोगो को computer में अधिक रुचि है उनमें साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट कैसे बने की मांग बढ़ती जा रही है। हमारे देश में cyber crime का नेटवर्क काम कर रहा है,जो लोगो से उनके बैंक खातों ,क्रेडिट कार्ड और दूसरी वित्तिय जानकारी हासिल करके उनकी बरसों की कमाई को लूट ले जाते हैं स्मार्टफोन और इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ने से हैकर्स आये दिन इस तरह का नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसी के चलते सभी कंपनियों के आईटी विभाग में एथिकल हैकर्स और "cyber security expert" की भारी जरूरत देखी जा रही है। पिछले 3 सालों में 1.5 लाख के करीब cyber attack की घटनाएं सामने आयी हैं जैसे क्रेडिट कार्ड का क्लोन बना कर लोगो के बैंक अकाउंट से पैसा गायब करना। बैंको और लोगो को cyber attack का शिकार बनाने के इलावा सिम स्वापिंग (डुप्लीकेट सिम) की घटना भी सामने आने लगी है। इसीलिए जो लोग कंप्यूटर में इंटरेस्ट रखते है और इस ट्रेंड को समझते हुए आगे बढ़ना चाहते है तो तो उनके लिए "cyber security" में बेहतरीन मौका है। आज हम साइ

Hacking क्या है ? कैसे होती है

Hacking एक प्रकार की डिजिटल चोरी है। Hackers कंप्यूटर के माध्यम से कुछ ऐसे सॉफ्टवेर और वायरस बनाते है जो बिना सिक्योरिटी वाले कंप्यूटर में आसानी से इंटरनेट के माध्यम से पहुंचा देते है और जिस कंप्यूटर या मोबाइल में ये वायरस पहुंच जाता है तो उस मोबाइल यूजर या कंप्यूटर मालिक की सारी जानकारी hackers को मिलती रहती है जैसे एटीएम कार्ड की पिन या बैंक का पासवर्ड आदि और फिर वे आपके बैंक या आपके पैसे के साथ कुछ भी कर सकते हैं। Hackers किसी दूसरे कंप्यूटर यूज़र्स के डाटा सिक्योरिटी में बिना उसकी जानकारी के सेंध लगाकर नुकसान पहुंचाते हैं। अगर आसान शब्दों में कहे,तो hacking के अंतर्गत किसी कंप्यूटर या इंटरनेट यूजर के महत्वपूर्ण निजी डाटा और जानकारियों की चोरी करके धोखाधड़ी की जाती है यानि बगैर इजाजत के गैर-कानूनी तरीके से कंप्यूटर और नेटवर्क में घुसपैठ करना हैकिंग कहलाता है। और ऐसा करने वाले को "black head hackers" कहा जाता है। बर एक्सपर्ट कैसे बने और उसके लिए क्या क्या जरूरी योग्यता और शिक्षा चाहिए के बारे में बात करेंगे।

कितने तरह के हैकर्स (How many types of hackers?)

1.white head hackers :- ये अच्छे हैकर्स हैं । जो की "computer expert" होते हैं और जिनकी मुख्य जिम्मेदारी अपनी कम्पनी या क्लाएंट्स के लिए उनके इनफार्मेशन और डाटापूल को सुरक्षित रखना होता है। इसलिए ये एथिकल हैकर कहलाते हैं।

2. black head hacker :- ये हैकर्स साइबर क्रिमिनल्स होते हैं जो की अपने प्रोफेसनल टैलेंट से किसी दूसरे कंप्यूटर नेटवर्क में सेंध लगाकर महत्वपूर्ण डाटा और प्राइवेट इनफार्मेशन को गैर क़ानूनी रूप से चोरी कर लेते है।

ये हैकर्स कम्प्यूटर वायरस भी बनाते हैं। जिसके कारण महत्वपूर्ण डाटा नष्ट भी हो सकता है। ऐसे लोग Crackers या Script kids भी कहलाते हैं।

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट कैसे बने की पूरी जानकारी (अगर आप कम्प्यूटर को अच्छी तरह से जानते है और सोच रहे है की साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट कैसे बने (Cyber security expert kaise bane) तो उसके पहले आपको साइबर एक्सपर्ट की जॉब के बारे में पूरा ज्ञान होना जरुरी है की साइबर एक्सपर्ट का क्या काम है और उसकी क्या जिम्मेदरिया होती है, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट कैसे बने उसके लिए आपकी शैक्षिक योग्यता है या नहीं, कितने प्रकार के साइबर एक्सपर्ट होते है। इन सब बातो का पता होना आवश्यक है तो चलिए जानते है वो सभी बातें जो साइबर एक्सपर्ट बनने के लिए जरुरी हैं।

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट के प्रकार

डाटा की सुरक्षा के लिए किसी भी कंपनी या संगठन में Cyber security specialist अलग अलग तरह के होते है मतलब उनका ज्ञान समान ही होता है पर कार्य अलग अलग होते हैं जैसे कमजोरियों को जांचना, किसी भी बात का उल्लंघन न हो इसलिए सिस्टम और नेटवर्क की निगरानी रखना, और अगर कोई समस्या पाई जाती हैं तो उसको ठीक करना और फिर उन क्षेत्रों को मजबूत करना जहाँ से हैकर्स का अटैक हो सकता है। साइबर एक्सपर्ट 3 तरह के होते हैं जो अलग अलग तरीकों से अपने कार्य का अनुभव रखते हैं

एथिकल हैकर्स

Ethical hackers के पास मान्यता प्राप्त शिक्षा का सर्टिफिकेट होता है जिसे ceh certificate कहते हैं। इस के अंतर्गत उन्हें नियोक्ताओं द्वारा अपने सिस्टम की सुरक्षा को आजमाने और भेदने के लिए लाइसेंस दिया जाता है। Ethical hackers वो सभी प्रशिक्षण और तकनिकी ज्ञान का प्रयोग मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल के परीक्षण करने के लिए करते है जो ब्लैक हेड हैकर्स के पास होते हैं। अपनी कार्यक्षमता और ज्ञान के आधार पर उनके कार्य करने का पद बढ़ता रहता है। साइबर सुचना सुरक्षा विश्लेषक (Cyber Information Security Analyst) साइबर सुचना सुरक्षा विश्लेषक का कार्य किसी भी संगठन में सबसे पहले आता है। इसका कार्य किसी भी संगठन सुरक्षा जोखिमो की तलाश करना और उनको समझना है.

साइबर एक्सपर्ट की जिम्मेदारियां

सायबर सिक्यूरिटी की कुछ महेत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी होती है जो उन्हें अपने काम करते वक्त निभानी पड़ती हैं. वो कुछ इस प्रकार हैं.,साइबर हमलों और घुसपैठ के लिए लगातार निगरानी रखना ताकि कोई डेटा चोरी न हो, अपराधी की पहचान करना और उसकी सुचना कानून प्रवर्तन एजेंसिओ को देना, किसी संगठन के नेटवर्क की भेदन क्षमता को मजबूत करना ताकि कोई उसकी सुरक्षा को भेद न सके,नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर में फ़ायरवॉल का निर्माण करना ताकि कोई भी हमला हो तो तुरंत पता चल सके. किसी संगठन की आईटी स्ट्रक्चर को सुरक्षित करने का सबसे अच्छे तरीके खोजना

भारत में घर से अपना आयात निर्यात व्यवसाय कैसे स्थापित करें

कई छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमी अपने आयात-निर्यात व्यवसाय को अपने घर या छोटे कार्यालय के आराम से शुरू करते हैं। इन व्यवसायों की लोकप्रियता में वृद्धि अनुकूल आर्थिक नीतियों से भी प्रभावित है। यदि आप एक नवोदित उद्यमी हैं, तो भारत में आयात निर्यात व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रक्रियाओं और आवश्यक दस्तावेज़ों को समझना महत्वपूर्ण है। आइए प्रक्रिया में शामिल चरणों को समझें और प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न दिशा-निर्देशों को समझने में आपकी मदद करें।

आयात निर्यात व्यवसाय के पंजीकरण और उद्घाटन के साथ शुरुआत करना

भारत में घर या कार्यालय से आयात-निर्यात व्यवसाय शुरू करने के लिए, आपको आयात और निर्यात दिशानिर्देशों को समझना होगा। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शुरू करने और इसे कुशलतापूर्वक चलाने के लिए आपको कुछ आवश्यक दिशानिर्देशों का पालन करना होगाः

पैन (स्थायी खाता संख्या) कार्डः

पंजीकरण के लिए आपके पास आयकर विभाग द्वारा जारी पैन कार्ड होना चाहिए। यह आपकी कंपनी के वित्तीय लेन-देन का रिकॉर्ड रखने के लिए आवश्यक है। यह आयात और निर्यात शुरू करते समय प्राधिकरण के प्रमाण के रूप में कार्य करता है।

अपनी फर्म पंजीकृत करेंः

आपको अपना व्यवसाय भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के साथ पंजीकृत कराना होगा, चाहे वह एकल स्वामित्व, साझेदारी, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी या एलएलपी हो।

आप कंपनी पंजीकरण प्रक्रिया में मदद के लिए एक वकील को नियुक्त कर सकते हैं। आपको सेवा कर पंजीकरण या वैट पंजीकरण प्रमाणपत्र भी प्राप्त करना होगा।

चालू बैंक खाता खोलेंः

आयात निर्यात व्यवसाय करने के लिए आपको एक चालू बैंक खाता खोलना होगा। यह वह खाता है जहाँ आपके सभी व्यापारिक फंड जमा किए जाएँगे। विक्रेताओं और कर्मचारियों को आपके सभी भुगतान इसी खाते से किए जाएँगे।

एक आयात निर्यात कोड (आईईसी) प्राप्त करेंः

RSI आयात-निर्यात कोड देश में निर्यात-आयात व्यापार शुरू करने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशक द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र अनिवार्य है। इसके लिए आपको डीजीएफटी की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा।

यहाँ है आईईसी के लिए आवेदन करने हेतु आवश्यक दस्तावेजों की सूचीः

पंजीकरण-सह-सदस्यता-प्रमाण पत्र (आरसीएमसी) प्राप्त करनाः एक बार जब आप आईईसी प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको प्राप्त करने की आवश्यकता होती है पंजीकरण-सह-सदस्यता-प्रमाणपत्र (आरसीएमसी) निर्यात संवर्धन परिषदों द्वारा प्रदान किया गया प्रमाण पत्र। आप 26 निर्यात संवर्धन परिषदों में से किसी एक से प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। IEC और RCMC प्राप्त करने के बाद, आप भारत में आयात निर्यात व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

विभिन्न व्यापार कानूनों का अनुपालनः आप केवल उन्हीं उत्पादों का आयात कर सकते हैं जो सीमा शुल्क अधिनियम (11) की धारा 1962 का अनुपालन करते हैं। उन्हें विदेशी व्यापार विकास और विनियमन अधिनियम (1992) और नवीनतम नियमों का भी अनुपालन करना होगा। विदेश व्यापार नीति.

लाइसेंस की प्राप्तिः यदि आप जिस वस्तु का व्यापार करने की योजना बना रहे हैं उसके लिए आयात की आवश्यकता है निर्यात अधिकारयदि आप DGFT के पास लाइसेंस चाहते हैं तो आपको इसके लिए आवेदन करना होगा। कच्चे माल, स्पेयर पार्ट्स और उपभोग्य वस्तुओं के व्यापार के लिए यह लाइसेंस 18 महीने के लिए वैध है और पूंजीगत वस्तुओं के व्यापार के लिए 24 महीने के लिए वैध है।

भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स में पंजीकरण कराएंः माल निर्यात करने के लिए आपको भारतीय वाणिज्य मंडल (ICC) के साथ पंजीकरण कराना होगा। संगठन एक गैर-तरजीही छूट जारी करता है उदगम प्रमाण पत्र यह प्रमाणित करना कि निर्यातित माल भारत में निर्मित है।

आयात और निर्यात पर FEMA दिशानिर्देश

अगर आप भारत में आयात-निर्यात व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको FEMA दिशा-निर्देशों को समझना चाहिए। इन्हें व्यवसायों को विदेशी मुद्रा को विनियमित और प्रबंधित करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। इन दिशानिर्देशों पर एक नजर डालेंः

आयात के लिए FEMA दिशानिर्देश

आयात और निर्यात में शामिल व्यवसाय और व्यक्ति सालाना 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर तक विदेश भेज सकते हैं। ऐसा आरबीआई से किसी पूर्व स्वीकृति के बिना किया जा सकता है। हालांकि, अगर प्रेषण राशि 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाती है तो आरबीआई से मंजूरी लेना अनिवार्य है।

आयातकों को आयातित वस्तुओं का भुगतान नौ महीने के भीतर करना होता है। आयात के लिए भुगतान अधिकृत बैंकिंग चैनलों के माध्यम से किया जाना चाहिए। आयातक अग्रिम भुगतान, प्रत्यक्ष भुगतान या दस्तावेजों के आधार पर भुगतान कर सकते हैं।

आयातकों को आवश्यक दस्तावेज, जैसे आयात बिल, चालान और प्रवेश बिल, निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिकृत बैंकों को प्रस्तुत करने होंगे।

यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि रिपोर्टिंग प्रणाली और बिल ऑफ एंट्री विवरण में दी गई जानकारी मेल खाती हो।

निर्यात के लिए FEMA दिशानिर्देश

निर्यातकों को निर्यात माल का पूरा मूल्य निर्धारित प्रपत्र में घोषित करना होगा तथा उसे प्राधिकृत डीलर के पास प्रस्तुत करना होगा।

FEMA जोखिम भरे या अनुमान आधारित लेन-देन को हतोत्साहित करता है। यह समझदारी भरे वित्तीय निर्णयों की आवश्यकता पर जोर देता है।

निर्यातकों को नकली या पायरेटेड माल के लिए भुगतान करने पर प्रतिबंध है और उन्हें बौद्धिक संपदा अधिकारों का सम्मान करना होगा।

वैश्विक विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों वाले देशों को भुगतान सीमित करना होगा।

FEMA कुछ संवेदनशील या प्रतिबंधित क्षेत्रों में निवेश को प्रतिबंधित करता है। इसलिए, इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पैसा

बारिश में खूब फलता-फूलता है ये बिजनेस 25-30 फीसदी कमा सकते हैं मुनाफा

यदि आप उद्यमिता की राह पर आगे बढ़ने के लिए बरसात के मौसम पर आधारित व्यवसायिक विचारों की तलाश कर रहे हैं, तो आप सही जगह पर हैं। वर्षा ऋतु में व्यवसाय शुरू करने के साथ, ऐसे बहुत सारे अवसर हैं जो आपको अपने सपनों को पूरा करने और सफल करियर बनाने में मदद कर सकते हैं। इस पोस्ट में, आप लाभदायक व्यवसायिक विचारों की खोज करेंगे, जो उन लोगों के लिए एकदम सही हैं जो एक लचीली नौकरी चाहते हैं, जो औसत आय को कई गुना बढ़ाने में सक्षम है, और साथ ही अपने खुद के मालिक भी बनना चाहते हैं।

स्वस्थ भोजन वितरण सेवा शुरू करें

भोजन तैयार करने वाली डिलीवरी सेवाएं ई-कॉमर्स साइटों के माध्यम से ग्राहकों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन प्रदान करती हैं।

एक चलती कंपनी शुरू करें

मूविंग कंपनियाँ लोगों को अपना सामान एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करती हैं। इन सेवाओं में घरेलू सामानों की पैकिंग और शिपिंग से लेकर उन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना शामिल हो सकता है। इसमें स्थानीय स्थानांतरण से लेकर लंबी दूरी तक का स्थानांतरण शामिल हो सकता है। आमतौर पर, स्थानांतरण कंपनियाँ घंटे या काम के हिसाब से शुल्क लेती हैं, इसलिए आपको अपनी सेवाओं की कीमत भी उसी के अनुसार तय करनी होगी। आपको ट्रक और डोली जैसे परिवहन उपकरणों में भी निवेश करना होगा।

एक चलती कंपनी शुरू करें

मूविंग कंपनियाँ लोगों को अपना सामान एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करती हैं। इन सेवाओं में घरेलू सामानों की पैकिंग और शिपिंग से लेकर उन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना शामिल हो सकता है। इसमें स्थानीय स्थानांतरण से लेकर लंबी दूरी तक का स्थानांतरण शामिल हो सकता है। आमतौर पर, स्थानांतरण कंपनियाँ घंटे या काम के हिसाब से शुल्क लेती हैं, इसलिए आपको अपनी सेवाओं की कीमत भी उसी के अनुसार तय करनी होगी। आपको ट्रक और डोली जैसे परिवहन उपकरणों में भी निवेश करना होगा।

भोजन वितरण व्यवसाय शुरू करें

आजकल की व्यस्त जीवनशैली और दिनचर्या में, खाना बनाना अब ज़्यादातर लोगों की प्राथमिकता नहीं रही। लोग अपने नज़दीकी रेस्टोरेंट या फ़ूड जॉइंट से खाना ऑर्डर करके घर बैठे आराम से खाना खाना पसंद करते हैं। खाद्य वितरण व्यवसाय एक कूरियर सेवा की तरह है जिसके माध्यम से रेस्तरां अपने ग्राहकों तक भोजन पहुंचाते हैं।अगर आपके पास ट्रक है, तो आप अपने इलाके के रेस्टोरेंट में खुदरा खाद्य वितरण सेवाएँ दे सकते हैं। ग्राहक रेस्टोरेंट या किराना दुकान की वेबसाइट के ज़रिए ऑर्डर करते हैं, और मालिक डिलीवरी के लिए आपसे संपर्क करते हैं।

एक अम्ब्रेला ब्रांड शुरू करें

क्या आप आज के विविध बाज़ार का लाभ उठाते हुए जोखिम कम करना चाहते हैं? एक अम्ब्रेला ब्रांड बनाने पर विचार करें। अम्ब्रेला ब्रांड एक ऐसी रणनीति है जिसमें एक ही ब्रांड नाम कई संबंधित उत्पादों या सेवाओं को शामिल करता है। एक अम्ब्रेला ब्रांड के साथ, आप विभिन्न उत्पादों में एक ही ब्रांड का प्रचार करके मार्केटिंग प्रयासों को सुव्यवस्थित करते हैं, जिससे ब्रांड की पहचान अधिकतम होती है। यह कुशल हैः आप कई ब्रांड पहचानों के बजाय एक सुसंगत ब्रांड पहचान विकसित करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि ग्राहकों की वफादारी एक उत्पाद से दूसरे उत्पाद में स्थानांतरित हो। सफलता पाने के लिए, गहन बाज़ार अनुसंधान से शुरुआत करें और एक ऐसे क्षेत्र की पहचान करें जहाँ एक ही ब्रांड के अंतर्गत कई उत्पाद एक साथ मौजूद रह सकें। फिर, ब्रांड इक्विटी पर ध्यान केंद्रित करें—एक मजबूत, सुसंगत छवि तैयार करें जो बाज़ार में गूंजती हो।एक अम्ब्रेला ब्रांड का लाभ उठाने से आपकी मार्केटिंग सरल हो सकती है और आपका प्रभाव व्यापक हो सकता है।

GST कटौती के बाद सस्ते हुए ट्रैक्टर और से सम्बंधित उपकरण

06 सितम्बर 2025, नई दिल्लीः GST कटौती के बाद सस्ते हुए ट्रैक्टर और कृषि उपकरणः उपकरण के नाम, सबकी नई कीमतें देखें – केंद्र सरकार ने कृषि उपकरणों पर GST दर को 18% से घटाकर 5% कर दिया है, जिससे किसानों को महत्त्वपूर्ण बचत होगी। नई GST दर के तहत कुछ प्रमुख कृषि उपकरणों की कीमतें इस प्रकार हैं:

अनुमानित मूल्य

केंद्र सरकार की इस पहल से किसानों को उपकरण खरीद में सीधी राहत मिलेगी, जिससे कृषि गतिविधियों को सस्ता और अधिक सुलभ बनाने में मदद मिलेगी।

उपकरण	पहले कीमत ( )	अब कीमत ( )	बचत ( )
45 एचपी ट्रैक्टर	7,20,000	6,75,000	45,000
35 एचपी ट्रैक्टर	6,50,000	6,09,000*	41,000
50 एचपी ट्रैक्टर	8,50,000	7,97,000	53,000
पावर टिलर 13 एचपी	20,357	8,482	11,875
75 एचपी ट्रैक्टर	10,00,000	9,37,000	63,000
बहुफसली थ्रेशर – 4 टन	24,000	10,000	14,000
धान रोपण यंत्र (4 पंक्ति – वॉक बिहाइंड)	26,400	11,000	15,400
सीड कम फर्टिलाइज़र ड्रिल – 11 टाइन	18,000	7,500	10,500
पावर वीडर – 7.5 एचपी	9,420	3,925	5,495
हार्वेस्टर कंबाइन	7,500	3,125	4,375
सीड कम फर्टिलाइज़र ड्रिल – 13 टाइन	5,520	2,300	3,220
स्ट्रॉ रीपर – 5 फीट	37,500	15,625	21,875
14 फीट कटर बार	3,21,428	1,33,928	1,87,500
रोटावेटर – 6 फीट	13,392	5,580	7,812
हैप्पी सीडर – 10 टाइन	18,214	7,589	10,625
सुपर सीडर – 8 फीट	28,928	12,053	16,875
मल्चर – 8 फीट	19,821	8,258	11,562
स्क्वायर बेलर – 6 फीट	1,60,714	66,964	93,750
ट्रैक्टर माउंटेड स्प्रेयर – 400 लीटर	16,071	6,696	9,375

ग्लैडियोलस की खेती मतलब तगड़ी कमाई की गारंटी...इस फूल की डिमांड ही ऐसी, किसानों को सब्सिडी पर बीज

सतना. मध्य प्रदेश के सतना जिले और आसपास के क्षेत्रों में अब खेती सिर्फ अनाज और सब्जियों तक सीमित नहीं रही. फूलों का बाजार तेजी से फैल रहा है और इसी में सबसे ज्यादा चर्चा है ग्लैडियोलस की खेती की. शादी-ब्याह, होटल सजावट और गिफ्टिंग मार्केट में कट फ्लावर की मांग तेजी से बढ़ रही है. यही वजह है कि किसानों के लिए यह खेती अब एक बड़ा बिजनेस मॉडल बनकर उभर रही है. कम लागत और उच्च मांग के चलते किसान लाखों की कमाई कर सकते हैं. ग्लैडियोलस को आमतौर पर स्वॉर्ड लिली के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि इसकी पत्तियां तलवार जैसी होती हैं. यह फूल बुके, फूलदान और सजावट में खूब पसंद किया जाता है.

सतना की आरएचईओ मीनाक्षी वर्मा ने लोकल 18 से बात करते हुए कहा कि यह फूल न केवल देश के बाजारों में बल्कि निर्यात स्तर पर भी किसानों को मजबूत कमाई का मौका देता है. इसकी सबसे खास बात यह है कि इसे लोग घरों की बालकनी और गार्डन में सजावट के लिए भी पसंद करते हैं.

खेती की तकनीक और किस्में

इसकी बुवाई सितंबर से नवंबर के बीच की जाती है और नवंबर से मार्च तक इसकी हार्वेस्टिंग होती है. किसान श्री गणेश, बिंदिया, अर्चना और आरती जैसी उन्नत किस्मों से बेहतर उत्पादन ले सकते हैं. इसकी खेती आलू और प्याज की तरह ही होती है, जिसमें कंद का उपयोग बीज की तरह किया जाता है. एक कंद की कीमत 3 से 5 रुपये होती है. कंद लगाने से पहले उसे बेवस्टीन से ट्रीटमेंट करना जरूरी है ताकि किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा न रहे.

खेती की प्रक्रिया और देखभाल

खेती शुरू करने से पहले खेत की 1-2 बार गहरी जुताई करनी चाहिए और मिट्टी को भुरभुरी रखना चाहिए. कंदों को एक फीट की दूरी और 5 से 7 सेंटीमीटर की गहराई पर बोया जाता है. जब पौधा 20 सेंटीमीटर ऊंचा हो जाए, तो उसमें आलू की तरह मिट्टी चढ़ाना जरूरी होता है, जिससे पौधा सीधा और सुरक्षित रहे. हार्वेस्टिंग 60 से 120 दिन के बीच करनी होती है. फूल आने पर 4-5 पत्ते छोड़कर ऊपर का हिस्सा शार्प चाकू से काट लिया जाता है.

उत्पादन और मुनाफा

एक एकड़ जमीन में लगभग 70 हजार कंद लगाए जा सकते हैं, जिससे करीब डेढ़ से ढाई क्विंटल कंद प्राप्त होते हैं. इन कंदों को किसान या तो बाजार में बेच सकते हैं या अगले सीजन की बुवाई के लिए सुरक्षित रख सकते हैं. फूलों के अलावा इसके कंद औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं. इनमें एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वेनम गुण पाए जाते हैं. यही नहीं, इसका उपयोग मिर्गी और डायरिया जैसी बीमारियों के उपचार में भी होता है.

सरकारी अनुदान और अवसर

सतना जिले में उद्यानिकी विभाग किसानों को ग्लैडियोलस की खेती के लिए अनुदान पर बीज उपलब्ध करा रहा है. किसानों को सिर्फ विभाग में जाकर पंजीयन करवाना होगा. इससे न सिर्फ किसानों को लागत कम करने में मदद मिलेगी बल्कि वे बड़े बाजारों से जुड़कर अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा पाएंगे. ग्लैडियोलस की खेती किसानों के लिए केवल फूलों का उत्पादन नहीं बल्कि एक लंबे समय तक चलने वाला बिजनेस मॉडल साबित हो सकती है.

बाढ़-अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को सीएम यादव ने 56 लाख से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक से भेजी

भोपालः मध्यप्रदेशः बाढ़-अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को सीएम यादव ने 56 लाख से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक से भेजी – मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार (6 सितंबर) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि और बाढ़ से हुई नुकसान की राहत राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। वर्ष 2025 के मानसून में प्रदेश के किसानों को फसल, पशु और मकान क्षति सहित अन्य नुकसानों के लिए राहत राशि वितरित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अशोकनगर जिले के 890 किसानों को 56 लाख 55 हजार 381 रुपये की राहत राशि सीधे उनके खातों में भेजी। तहसील बहादुरपुर के 186 किसानों को 11 लाख 35 हजार 146 रुपये और तहसील नईसराय के 704 किसानों को 45 लाख 20 हजार 235 रुपये की राशि दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दो किसानों से सीधे संवाद भी किया। बहादुरपुर के ग्राम बरखेडा भोगी निवासी किसान कल्याण उर्फ जितेंद्र सिंह दांगी से मक्का फसल के नुकसान की राहत राशि 10,450 रुपये के बारे में जानकारी ली। इसी तरह नईसराय के ग्राम कांकड़ा के प्रदीप रघुवंशी से मक्का फसल की क्षति पर मिली 10,900 रुपये की राहत राशि के बारे में बातचीत की। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि वे इस मुश्किल समय में हिम्मत रखें और नई फसल की तैयारी करें। इस मौके पर प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को राहत राशि के स्वीकृति आदेश कलेक्टर आदित्य सिंह, विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव, और नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने प्रतीक रूप में वितरित किए। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी और किसान भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित किसानों से वर्चुअल संवाद करते हुए कहा है कि प्रदेश के अन्नदाताओं की खुशहाली और उनकी मुस्कान ही हमारी सरकार की ताकत है। मौसम की मार में हम किसानों को बेसहारा नहीं रहने देंगे। उन्होंने कहा कि जो होना था, हो चुका। हम अपने किसानों को उनकी फसल क्षति का समुचित मुआवजा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्नदाताओं को भरोसा दिलाया कि प्रदेश का कोई भी किसान मौसम की मार पर बेसहारा नहीं रहेगा। हमारी सरकार सुख-दुख सहित हर परिस्थिति में किसानों के साथ है। सबको राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर सचिव श्री आलोक सिंह, आयुक्त राजस्व श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी के किसान श्री राघवेन्द्र और श्री जगत पाल, दमोह के श्री सरदार सिंह और श्री संग्राम सिंह, अशोकनगर के श्री प्रदीप सिंह रघुवंशी और कल्याण सिंह, धार के श्री ओमप्रकाश और श्री जगदीश, छतरपुर के श्री रमेश और श्री प्रकाश, रायसेन के श्री अरविंद और श्री अमर सिंह से वर्चुअली संवाद किया दमोह जिले में पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी भी उपस्थित रहे। प्रभावित किसानों ने सरकार द्वारा त्वरित रूप से बाढ़ आपदा राहत राशि प्रदान करने पर मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा बीते अगस्त महीने में प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि एवं बाढ़ से हुई विभिन्न क्षतियों से प्रभावित परिवारों की पीड़ा को ध्यान में रखते हुए 24 हजार 884 प्रभावितों को 30 करोड़ रुपये से अधिक की राहत राशि का वितरण किया था।

बड़ा क्रिकेटर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का बन सकता अध्यक्ष

रोजर बिन्नी के बाद एक बड़ा क्रिकेटर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का अध्यक्ष बन सकता है. सितंबर के आखिरी में बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में कई पद के लिए चुनाव होंगे.

बीसीसीआई का अगला अध्यक्ष कौन बनेगा? ये चर्चा तेज है क्योंकि उम्र के कारण रोजर बिन्नी का कार्यकाल अब खत्म हो चुका है. अगली नियुक्ति तक उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला कार्यकारी अध्यक्ष बन गए हैं. लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर सुप्रीम कोर्ट के आए फैसले के बाद जब बीसीसीआई का चुनाव हुआ था तब पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अध्यक्ष बनाया गया था, जय शाह उपाध्यक्ष चुने गए थे. गांगुली के हटने के बाद बिन्नी ने ये पद संभाला था. और अब खबर है कि एक बार फिर कोई बड़ा क्रिकेटर अध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल है. रोजर बिन्नी के हटने का कारण उनकी उम्र था, वह 70 साल के हो गए हैं. नियमानुसार उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा. सितंबर के आखिरी में हफ्ते में बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक होगी, इसमें अध्यक्ष पद के साथ उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, सचिव, आईपीएल चेयरमैन, कोषाध्यक्ष के लिए भी चुनाव होंगे.

बड़ा क्रिकेटर बन सकता है BCCI अध्यक्ष

कई रिकॉर्ड तोड़ने और बनाने वाले एक क्रिकेटर को बीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया जा सकता है. एक बड़े अधिकारी ने उस खिलाड़ी से इंग्लैंड में बातचीत भी की थी, हालांकि अभी यह नहीं पता चल पाया कि उस खिलाड़ी ने इस पद के लिए हामी भरी है या मना किया है. उस खिलाड़ी के नाम का भी खुलासा नहीं हुआ है. रिपोर्ट में एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया कि महत्वपूर्ण हितधारक मानते हैं कि प्रतिष्ठित क्रिकेटर को अध्यक्ष चुना जाए तो अच्छा होगा.रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि इस बार फिर संभावना है कि बीसीसीआई का चुनाव नहीं होगा. आपसी सहमति से ही सभी पदों पर नियुक्ति हो जाएगी. जैसा पिछले 2 चुनाव में हुआ, वैसे ही बड़े लोग फैसला करेंगे कि क्या होगा. सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया कि सचिव देवजीत सैकिया अपने पद पर बने रह सकते हैं. आईपीएल चेयरमैन पद के लिए संजय नाइक और राजीव शुक्ला के नाम पर चर्चा है. जबकि संभावना है कि कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया और संयुक्त सचिव रोहन गौंस देसाई अपने पद पर बने रह सकते हैं.

रण भूमि हो या रन भूमि! भारत से मुंह की खाता है पाकिस्तान, 18 साल से है टीम इंडिया का दबदबा

एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को महामुकाबला खेला जाएगा। दुबई में आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान ने दमदार आगाज किया है। भारत ने जहां यूएई पर 9 विकेट से जीत दर्ज की। वहीं, पाकिस्तान ने ओमान को 93 रन से हराया।

भारत और पाकिस्तान के बीच का हाईवोल्टेज मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से शुरू होगा। हालांकि, भारत में कई जगह इस मैच का विरोध हो रहा है और इसकी वजह अप्रैल में पहलगाम में हुआ आतंकी हमला था। संभवतः यही वजह रही है कि इस मैच में पहले जैसा मौहाल नजर नहीं आ रहा है।

एशिया कप टी20 में चौथी बार भिड़ंत

अब दोनों प्रतिद्वंद्वी रविवार को आमने-सामने होंगे, जो टूर्नामेंट के इतिहास (टी20I) में उनका चौथा मुकाबला होगा। हालांकि, टी20I इतिहास में दोनों टीमें कुल 13 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इसमें भारत का पलड़ा भारी है।

13 बार टी20I में हो चुका है आमना-सामना

टी20I इतिहास में भारत और पाकिस्तान कुल 13 बार आमने-सामने हुए हैं। भारत ने कुल 9 बार मैच जीता है। वहीं, पाकिस्तान ने तीन बार बाजी मारी है। एक मैच टाई रहा है। हालांकि, बॉल आउट में भारत ने बाजी मारी थी। तो कहा जा सकता है कि भारत ने 10 बार जीत दर्ज की है।

एक मैच हुआ था टाई

दोनों टीमों के बीच साल 2007 में पहला टी20 मैच खेला गया था। 18 साल में भारत ने पड़ोसी देश पर अपना दबदबा बनाए रखा है। वहीं, एशिया कप टी20I में भारत और पाकिस्तान तीन बार भिड़ चुके हैं। इसमें भारत 2-1 से आगे है। इस साल भी भारत अपना यह रिकॉर्ड बरकरार रखना चाहेगा।

धन, सुख और शांति लता है अपराजिता का पौधा गलत दिशा में लगाने से सबकुछ कर देगा तबाह

हिंदू धर्म में पेड़ पौधे लगाना बेहद पवित्र माना जाता है. माना जाता है कि इन्हें घर में लगाने से परिवार में सुख-शांति और धन-संपत्ति आती है. वास्तु शास्त्र में भी घर में पौधे लगाना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. ऐसा ही एक पवित्र पौधा है अपराजिता का पेड़. जैसा कि इसके नाम से ही जाहिर है, इस पौधे को सफलता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है. वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, घर में अपराजिता का पेड़ लगाने से शुभ फल मिलते हैं. माना जाता है कि इस पौधे से देवी लक्ष्मी की कृपा से घर में हमेशा धन-संपत्ति बनी रहती है.

किस दिशा में लगाएं अपराजिता का पौधा

अपराजिता का पौधे के फूल नीले रंग के होते हैं, जो शांत और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं. कहा जाता है कि ये फूल देवों के देव महादेव और न्याय के देवता शनिदेव को बहुत प्रिय हैं. इसीलिए इस पौधे का उपयोग पूजा-पाठ में भी किया जाता है. इस पौधे को कहां लगाना है, यह भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, अपराजिता का पौधा पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में लगाना सबसे शुभ होता है. ये दिशाएं हमेशा नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती हैं. अपराजिता का पौधा घर की दक्षिण और पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए, ये दिशाएं अपराजिता के पौधे के लिए नकारात्मक मानी जाती हैं. वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, अगर यह पौधा सही दिशा में लगाया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर हो जाते हैं. अगर इसे गलत दिशा में लगाया जाए तो माना जाता है कि अप्रत्याशित परेशानियां आ सकती हैं. इस पौधे को अगर लिविंग रूम में रखा जाए तो यह परिवार के सभी सदस्यों के लिए शांति लेकर आता है. अगर आप इसे लिविंग रूम में रखते हैं, तो यह बच्चे की शिक्षा में प्रगति में सहायक होता है. माना जाता है कि अगर आप घर के मेन गेट पर अपराजिता का पेड़ रखते हैं, तो घर में लक्ष्मी का प्रवेश होता है. इसी तरह, अगर आप इसे बालकनी में रखते हैं, चाहे वह पूर्व या पश्चिम दिशा में हो, तो यह धन-संपत्ति लाता है.

इस खास दिन पर ही लगाएं अपराजिता का पौधा

अपराजिता के पौधे को लगाने के भी कुछ खास दिन होते हैं. अपराजिता का पौधा गुरुवार या शुक्रवार को लगाना बहुत शुभ माना जाता है. माना जाता है कि गुरुवार को इसे लगाने से शांति और समृद्धि आती है, जबकि शुक्रवार को इसे लगाने से देवी लक्ष्मी की कृपा मिलती है और धन की कमी नहीं होती. इसी तरह, अगर शनिवार को शनिदेव को ये फूल चढ़ाए जाएं, तो कहा जाता है कि परेशानियां दूर होंगी और शुभ फल की प्राप्ति होती है. कुल मिलाकर, वास्तु विशेषज्ञों का कहना है कि अपराजिता का पेड़ घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने वाला पौधा है.माना जाता है कि अपराजिता के पौधे से आर्थिक समस्याएं, पारिवारिक कलह और बाधाएं दूर होकर धन, शांति और सुख की प्राप्ति होती है. हालांकि, ये सभी सुझाव केवल धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं पर आधारित हैं.

ऐसे करें 19:19:19 वाले NPK का छिड़काव... धान की फसलों से पीलापन होगा गायब! दूर से दिखेगी दानों की चमक

धान की अगेती बुवाई को अब 70 दिन हो चुके हैं और खेतों में बाली निकलने लगी है. इस समय किसान को खाद-पानी का संतुलन बनाए रखना चाहिए और कीट व रोग नियंत्रण पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि पैदावार प्रभावित न हो और उत्पादन बेहतर मिले जिन किसानों ने धान की अगेती फसल की रोपाई की थी. उन किसानों के लिए यह समय बेहद ही महत्वपूर्ण है. क्योंकि इन दिनों बाली निकालने की प्रक्रिया हो रही है. अगर इस समय किसान कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें तो धान की फसल से मजबूत और चमकदार दाने मिलेंगे और उत्पादन में भी इजाफा होगा, लेकिन जरा सी लापरवाही की वजह से उत्पादन में गिरावट भी आ सकती है.

कृषि विज्ञान केंद्र नियामतपुर में डॉ. एनपी गुप्ता ने बताया कि किसी भी फसल से गुणवत्तापूर्ण उपज लेने के लिए पोषक तत्वों की पूर्ति करना आवश्यक होता है. अगर पोषक तत्वों की पूर्ति सही मात्रा में करते हैं तो उत्पादन में भी इजाफा होता है. धान की फसल में अगर बाली निकलने की प्रक्रिया हो रही है तो किसान नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का छिड़काव करते हैं. ऐसा करने से ध्यान के पौधों में बालियां एक साथ निकलेगी, दाने चमकदार होंगे और उनका वजन भी बढ़ेगा. इससे किसानों को अच्छा उत्पादन मिलेगा. पौधों को अतिरिक्त पोषण मिल जाएगा. जिससे यह पौधे विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूती के साथ खड़े रहेंगे. पौधे ज्यादा दिनों तक हरे भरे रहेंगे, जिससे उत्पादन में बढ़ोतरी होगी.

ऐसे करें एनपीके का छिड़काव

अगर धान की फसल के पौधे कमजोर हैं. पत्तों पर पीलापन है तो किसान एनपीके 19:19:19, जिसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश पाया जाता है. किसान एक से दो किलोग्राम 200 लीटर पानी में घोल बनाकर एक एकड़ फसल में छिड़काव कर सकते हैं. ऐसा करने से बाली में चमक आ जाएगी, दाने वजनदार होंगे. किसानों को अच्छा उत्पादन मिलेगा. इसके अलावा किसान 00:00:50 का छिड़काव भी कर सकते हैं. जिसमें की 50% पोटाश पाई जाती है. किसान एक से दो किलोग्राम 100 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर दें. धान के दानों का वजन बढ़ेगा, चमक बढ़ने के साथ-साथ रोगों से बचाव होगा और कम लागत में अच्छा उत्पादन मिलेगा. एनपीके की कीमत बाजार में करीब 150 रुपए किलो तक रहती है, जिसे किसी पंजीकृत दुकान से ही खरीदें.

बाली निकलते समय भूलकर भी न करें ये गलती

अगर किसानों की धान की फसल 55 से 60 दिन की हो गई है और बालियां निकल रही हों तो वह नाइट्रोजन का इस्तेमाल बिल्कुल भी ना करें. नाइट्रोजन का इस्तेमाल करने से धान के पौधों के पत्तों में कोमलता बढ़ेगी, पानी की मात्रा बढ़ेगी, मिठास बढ़ेगी और कीट आकर्षित होंगे उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ेगा.

सिटिंग जॉब की वजह से हुआ सर्वाइकल

सर्वाइकल के दर्द से हो चुके हैं परेशान? तो इन 4 घरेलू नुस्खों से पाएं तुरंत राहत

सर्वाइकल का दर्द एक क्रोनिक हेल्थ प्रॉब्लम है, जिसका दवाओं से जड़ से इलाज नहीं किया जा सकता है। इस लेख में जानें कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में जिनकी मदद से सर्वाइकल के दर्द को कंट्रोल किया जा सकता है।

अपने स्वास्थ्य को खास ध्यान रखते हुए भी अक्सर स्वास्थ्य से जुड़ी छोटी-मोटी समस्याएं होती रहती हैं, लेकिन उनका इलाज करने में भी इतनी परेशानी नहीं होती है। वहीं जो लोग अपने स्वास्थ्य का सामान्य रूप से ध्यान नहीं रख पाते हैं अक्सर उन्हें ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपनी दिनचर्या में काम के पीछे इतने ज्यादा व्यस्त रहते हैं, कि खुद की देखभाल करने का उनके पास समय ही नहीं होता है। सबसे ज्यादा बीमार भी ऐसे ही लोग पड़ते हैं और इन्हें कोई आम बीमारी नहीं बल्कि क्रोनिक बीमारियां होती हैं जिनका कोई इलाज नहीं होता है। ऐसी ही बीमारियों में सर्वाइकल का दर्द भी आता है, तो काफी परेशान कर देने वाली स्थिति हो सकता है। सर्वाइकल रीढ़ की हड्डी से जुड़ा एक ऐसा डिसऑर्डर है, जिसका कोई इलाज नहीं है, लेकिन कुछ घरेलू उपायों से दर्द को कंट्रोल किया जा सकता है। चलिए जानते हैं क्या है सर्वाइकल का दर्द और इसके घरेलू उपाय।

सर्वाइकल दर्द क्या है

सर्वाइकल रीढ़ की हड्डी से जुड़ा एक गंभीर डिसऑर्डर है, जिसमें होने वाला दर्द अत्यधिक गंभीर भी हो सकता है। इस विकार में गर्दन व उसके आस-पास के हिस्सों में तेज दर्द होता है। इसके अलावा गर्दन में अकड़न, गर्दन का संतुलन न बन पाना, हिलाते समय हड्डी घिसने जैसा महसूस होना। सर्वाइकल दर्द के कई अलग-अलग कारण हो सकते हैं जिसमें मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े कई अलग-अलग कारक व बीमारियां शामिल हैं।

सर्वाइकल दर्द के लिए एक्सरसाइज

सर्वाइकल के दर्द को कम करने के लिए कई नेक एक्सरसाइज हैं, जिनकी नियमित प्रैक्टिस करना आफके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है -

साइड टू साइड बैंड

सर्वाइकल पेन को कंट्रोल करने के लिए साइड टू साइड नेक बैंड एक्सरसाइज काफी फायदेमंद हो सकती है। यह बहुत ही आसान एक्सरसाइज है, जिसमें अपने सिर को झुकाते हुए कान को कंधे के पास लाने की कोशिश की जाती है।

फॉरवर्ड नेक बैंड

गर्दन की यह एक्सरसाइज भी काफी आसान है और आपको सर्वाइकल के दर्द से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकती है। इसमें गर्दन को सीधा रखते हुए ठोड़ी को एक बार आगे और एक बार गर्दन के अंदर ले जाएं। फॉर्वर्ड नेक बैंड को रोजाना सुबह और शाम धीरे-धीरे किया जाना चाहिए।

ठंडी और गर्म सिकाई

सर्वाइकल का दर्द आमतौर पर गर्दन में ज्यादा जकड़न रहने के कारण होता है। इस स्थिति का इलाज करने के लिए ठंडी और गर्म सिकाई का इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे पहले कम से कम दस मिनट के लिए कोल्ड पैक के साथ सिकाई करें और फिर 10 मिनट का गैप देकर हीटिंग पैड से 10 मिनट सिकाई करें। ऐसा करने से न सिर्फ गर्दन की जकड़न और दर्द दूर होगा, बल्कि सूजन में भी आराम मिलेगा।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज

आँखें वो खिड़कियां हैं जिनके ज़रिए हम दुनिया की खूबसूरती को देखते और अनुभव करते हैं। ये हमारे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। यही हमारे जीवन में सवेरा लाती हैं और रोजाना जिन्दगी की सुंदरता से हमें रूबरू कराती हैं। हालाँकि, आँखें होने के साथ-साथ उनका स्वस्थ होना भी आवश्यक है।

बहुत से ऐसे लोग हैं जिन्हें कुछ समस्याओं के कारण उनके आँखों की रोशनी कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, उन्हें पास या दूर की चीजें देखने में परेशानी होती है, कम रोशनी में देखने पर आँखों पर दबाव पड़ता है और तेज रोशनी में आँखें चौंधिया जाती हैं।

अगर आप ऊपर दी गई परेशानियों से बचना चाहते हैं तो यह ब्लॉग आपके लिए ख़ास है। इस ब्लॉग में हम आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज और उनके अभ्यास के बारे में विस्तार से जानने की कोशिश करेंगे।

आंखों के लिए करें ये एक्सरसाइज

अगर आपके आँखों की रोशनी कम है, अगर आप एक जगह फोकस नहीं कर पाते हैं, अगर आपके आँखों से पानी आता है या आप सामन्य रूप से अपने आँखों की रोशनी बढ़ाने चाहते हैं तो नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श करने के बाद, आप नीचे दिए आंखों के लिए एक्सरसाइज कर सकते हैं:

पामिंग

यह आमतौर पर आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज की लिस्ट में सबसे ऊपर आता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ का मानना है कि पामिंग एक्सरसाइज करने से आँखों के आसपास की मांसपेशियों को आराम मिलता है। साथ ही, यह आँखों की थकान और तनाव को भी दूर करता है। पामिंग एक्सरसाइज करने के लिए, सबसे पहले अपनी हथेलियों को रगड़कर हल्का गर्म यानी वॉर्म करें, फिर अपनी आँखों को बंद करें, उसके बाद, अपनी हथेलियों को आँखों पर रखकर, पांच मिनट तक गहरी सांस लें। आप इसे दिन में 1-2 बार कर सकते हैं। यह आंखों के लिए एक्सरसाइज का एक बेहतर विकल्प है।

आंखों को घुमाना

यह आंखों के लिए एक्सरसाइज का एक बढ़िया तरीका है। आई रॉलिंग एक्सरसाइज यानी आँखों को इधर-उधर घुमाना एक ऐसा व्यायाम है जो आंखों के तनाव को कम करने में मदद करता है। इस एक्सरसाइज को करना बहुत ही सरल है। आपको बस इतना करना है कि, बिना अपने सिर को मोड़े यानी घुमाए, 2-4 मिनटों तक दायें और बायें और फिर उसके बाद ऊपर-नीचे देखना है। आप इस एक्सरसाइज को नियमित रूप से दिन में 1-2 बार कर सकते हैं।

फोकस बदलना

मोबाईल, लैपटॉप या टीवी स्क्रीन के सामने घंटों समय बिताने के बाद, रीफोकसिंग एक्सरसाइज यानी पहले किसी नजदीक रखी वस्तु पर फोकस करना और फिर कुछ दुरी पर रखी दूसरी वस्तु पर फोकस शिफ्ट करना, आपकी आंखों की थकान और तनाव को दूर करता है। साथ ही, आँखों की रोशनी बढ़ाने में भी मदद करता है।इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले पास की किसी वस्तु (आँखों से एक फीट की दुरी पर रखी वस्तु) पर फोकस करें और फिर कुछ सेकेंड के बाद, ख़ुद से दूर (आँखों से 10-20 फीट) रखी अन्य वस्तु पर अपना ध्यान केंद्रित करें। आप इस एक्सरसाइज को 4-6 बार दोहरा सकते हैं। आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज की जाने वाली लिस्ट में इस व्यायाम का नाम भी शामिल हैं।

पलकें झपकाना (Blinking)

ब्लिंकिंग यानी पलकें झपकाना, एक महत्वपूर्ण एक्सरसाइज है जो आँखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार साबित होता है। यह एक्सरसाइज करने के लिए आप अपने काम से छोटा सा ब्रेक लें और अपनी आँखें बंद करने के बाद, कुछ सेकेंड के लिए रुकें और फिर उन्हें खोल लें। आप इसे 2-3 मिनट के लिए दोहराएं और फिर वापस अपना काम शुरू कर दें। आप इस एक्सरसाइज को दिन में 2-4 बार कर सकते हैं। अगर आप आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करना चाहते हैं तो यह एक्सरसाइज आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। इस एक्सरसाइज को लेकर मन में किसी तरह का कोई प्रश्न है तो आप आज ही हमारे एक्सपर्ट डॉक्टर से परामर्श कर सकते हैं।

8 का चित्र बनाना

यह एक्सरसाइज आपकी आँखों की रोशनी बढ़ाने के साथ-साथ, उन्हें बड़ा और फ्लेक्सिबल बनाने में भी मदद करता है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए, आप अपनी आँखों से लगभग 8-10 फीट दूर दीवार पर देखते हुए यह कल्पना करें कि सामने क्षैतिज रूप में अंक आठ का आकार बना हुआ है। उसके बाद, कुछ मिनटों तक उस आठ के आकार को नीचे से ऊपर और फिर ऊपर से नीचे की ओर फॉलो करें। अंत में, दो मिनट के लिए संख्या 8 को अपनी आँखों से उल्टा ट्रेस यानी फॉलो करें। इससे आंखों की मांसपेशियों में लचीलापन आता है जिससे आंखें अच्छी तरह फोकस कर पाती हैं।

पेंसिल पुश-अप्स

यह आमतौर पर अभ्यास की जाने वाली ख़ास आंखों के लिए एक्सरसाइज में से एक है। पेंसिल पुश-अप्स एक्सरसाइज करने के लिए, सबसे पहले आँखों से 1-2 फीट की दुरी पर एक पेन्सिल को रखें और फिर धीरे-धीरे उसे अपनी आँखों के नजदीक लाएं, जब आपको पेन्सिल की दो इमेज दिखने लगे तो वापस उसे आँखों से दूर – शुरुआती जगह पर ले जाएं और इस प्रक्रिया को 2-4 बार दोहराएं। लेकिन ध्यान रहे कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, आपका फोकस पेन्सिल की नोक पर रहना चाहिए। इससे आपको पास और दूर, दोनों ही जगहों की वस्तुओं को साफ़-साफ़ देखने में मदद मिलती है।

आंखों की मालिश

आँखों की मालिश या मसाज भी आंखों के लिए एक्सरसाइज का एक अहम् हिस्सा है जो आँखों की रोशनी तेज करने के साथ-साथ अन्य भी लाभ पहुंचाता है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आपको अपनी उंगलियों का इस्तेमाल करना है। सबसे पहले, तीन उंगलियों को अंदर की आई बोन पर रखें और हल्का प्रेशर डालें। यह एक्सरसाइज लगभग 10 सेकेंड के लिए करें और फिर उसके बाद छोटा सा ब्रेक लेकर, एक बार फिर से दोहराएं। ध्यान रहे, आँखों पर अत्यधिक दबाव नहीं डालना है। क्या आप भी अपनी आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करना चाहते हैं? अगर आपका जवाब 'हाँ' है तो यह एक्सरसाइज आपके लिए है। इस एक्सरसाइज के बारे में विस्तार से जानने के लिए आप एक नेत्र रोग विशेषज्ञ की मदद ले सकते हैं।

आई कंसंट्रेशन

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज की सूचि लंबी और बिना आई कंसंट्रेशन के नाम के यह सूचि अधूरी है। आई कंसंट्रेशन आँखों की रोशनी बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका है। साथ ही, इसे करना भी काफी आसान है। सबसे पहले, किसी एक छोटी वस्तु, जैसे कि एक सिक्का या शर्ट की बटन को अपनी आंखों के पास रखें और उस पर ध्यान केंद्रित करें। उसके बाद, अपने फोकस को बनाते हुए उस वस्तु को आँखों से धीरे-धीरे, लगभग एक फीट की दूरी पर ले जाएं। फिर उसे दोबारा अपनी आँखों के पास लाएँ। यह एक्सरसाइज पास की वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है।

आंखों की योगा

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करने के साथ-साथ, आप कुछ योगासन का अभ्यास भी कर सकते हैं। इसमें हलासन, पश्चिमोत्तानासन, सर्वांगासन, चक्रासन, उष्ट्रासन और शवासन, त्राटक (टकटकी लगाना), आँखों को ऊपर-नीचे घुमाना, भस्त्रिका प्राणायाम करना आदि शामिल हैं। अगर आपको ऊपर दिए गए योग आसनों को लेकर कन्फ्यूजन है तो आप एक योग गुरु की मदद ले सकते हैं। यह कुछ घरेलु ऑय केयर टिप्स के बारे मेह जाने

आंखों की एक्सरसाइज करने के लाभ

एक्सरसाइज चाहे जो भी हो, नियमित रूप से और सही तरीके से कुछ समय तक करने पर, हमेशा लाभ देता है। आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज के भी अनेक फायदे हैं। आँखों की एक्सरसाइज करने से आँखों की रोशनी बढ़ने के साथ-साथ अन्य फायदे भी होते हैं जिसमें मुख्य रूप से निम्न शामिल हैं:

थकान से आराम

आँखों की एक्सरसाइज से आपको दिन भर के थकान से आराम मिलता है। आप सुकून भरा और शांत महसूस करते हैं। साथ ही, यह आंखों के साथ-साथ आपके शरीर को भी आराम प्रदान करते हैं।

डार्क सर्कल से छुटकारा

दिन भर मोबाईल या कम्प्यूटर स्क्रीन के सामने समय बिताने और कम नींद लेने के कारण, आँखों के नीचे काले निशान पड़ जाते हैं। आँखों की एक्सरसाइज करने से उसके आसपास रक्त परिसंचरण बढ़ जाता है, जिससे ये काले निशान धीरे-धीरे दूर हो जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं हमारे डॉक्टर से परामर्श करें। वो आपको सही उपचार प्रदान कर आपके आँखों की समस्या को आसानी से दूर कर सकते हैं।

आँखों की झुर्रियां

अस्वस्थ जीवनशैली, गलत खानपान और नशीली पदार्थों का सेवन के कारण आजकल वयस्कों में आँखों के आसपास झुर्रियां देखने को मिल रही हैं। अगर आप उम्र ढलने के साथ-साथ अपनी आँखों की रोशनी को बरकरार और उसके आसपास की झुर्रियों को दूर रखना चाहते हैं तो आँखों की एक्सरसाइज पर विचार करना चाहिए।दिनभर की थकान और स्ट्रेस के कारण नींद में खलल पड़ती है जिसकी वजह से आपकी नींद प्रभावित हो सकती है। ऐसे में आँखों की एक्सरसाइज थकान और स्ट्रेस को दूर करके आपको सुकून भरा नींद लेने में मददगार साबित हो सकता है। यदि आप आंखों की थकान को दूर करने और आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करना चाहते हैं तो ऊपर दिए गए एक्सरसाइज का अभ्यास कर सकते हैं।

आँखों की झुर्रियां

अस्वस्थ जीवनशैली, गलत खानपान और नशीली पदार्थों का सेवन के कारण आजकल वयस्कों में आँखों के आसपास झुर्रियां देखने को मिल रही हैं। अगर आप उम्र ढलने के साथ-साथ अपनी आँखों की रोशनी को बरकरार और उसके आसपास की झुर्रियों को दूर रखना चाहते हैं तो आँखों की एक्सरसाइज पर विचार करना चाहिए।

दिनभर की थकान और स्ट्रेस के कारण नींद में खलल पड़ती है जिसकी वजह से आपकी नींद प्रभावित हो सकती है। ऐसे में आँखों की एक्सरसाइज थकान और स्ट्रेस को दूर करके आपको सुकून भरा नींद लेने में मददगार साबित हो सकता है। यदि आप आंखों की थकान को दूर करने और आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करना चाहते हैं तो ऊपर दिए गए एक्सरसाइज का अभ्यास कर सकते हैं।

आंखों की स्वास्थ्य के लिए व्यायाम क्यों महत्वपूर्ण है?

आंखों के तनाव को कम करने, कंप्यूटर विज़न सिंड्रोम जैसी समस्या को रोकने और आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए, आंखों के एक्सरसाइज महत्वपूर्ण हैं। ये एक्सरसाइज आंखों की मांसपेशियों में लचीलापन लाते हैं, फोकस में सुधार करते हैं और आंखों में रक्त परिसंचरण को बढ़ाते हैं। साथ ही, आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज का अभ्यास एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है।

नियमित रूप से आंखों की एक्सरसाइज करने पर लंबे समय तक स्क्रीन के उपयोग के कारण होने वाले तनाव और थकान से राहत मिलती है। इसके अलावा, वे प्रेसबायोपिया जैसी उम्र से संबंधित समस्याओं को रोकने में भी मदद कर सकते हैं। आंखों के व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, आप आंखों के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। यदि आप भी आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करने की सोच रहे हैं तो हमारे नेत्र रोग विशेषज्ञ आपकी मदद कर सकते हैं।

चश्मा और लेंस के बिना बेहतर दृष्टि प्राप्त करने के लिए व्यायाम

जब दूर दृष्टि या निकट दृष्टि से संबंधित कोई समस्या होती है तो आमतौर पर नेत्र रोग विशेषज्ञ आपकी आवश्यकता अनुसार विशेष चश्मा या लेंस का सुझाव देते हैं, लेकिन यदि आपको कोई सामान्य समस्या है जिसके उपचार में लेंस या चश्में की ज़रूरत नहीं है तो ऐसी स्थिति में डॉक्टर आंखो को बेहतर दृष्टि यानी रोशनी प्रदान करने के लिए आंखों की कुछ ख़ास एक्सरसाइज यानी व्यायाम करने की सलाह देते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज की इस सूची में मुख्य रूप से नियर एंड फॉर फोकसिंग, आठ का चित्र बनाना, पामिंग एक्सरसाइज करना, पलक झपकना, 20-20-20 नियम वाला व्यायाम करना, जूमिंग एक्सरसाइज करना, ध्यान केंद्रित करना, आंखो को चारों तरफ घुमाना और पेन्सिल पुश-अप्स करना आदि शामिल हैं।

आंखों की थकान को दूर करने के लिए व्यायाम

लंबे समय तक मोबाईल, कम्प्यूटर या टीवी स्क्रीन के सामने वक़्त बिताने, किताब पढ़ने, लिखने, ध्यान लगाकर कोई काम करने या प्रदुषण के सम्पर्क में आने से आंखें थक जाती हैं। थकावट के कारण, आपको ढेरों समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे कि आँखों में जलन होना, आंखें खोलने या बंद करने में दिक्कत होना, किसी वस्तु पर फोकस करने में परेशानी होना आदि।

ऐसे में आंखों को रिफ्रेश और उनकी थकान को दूर करने के लिए हमारे नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको आंखों के लिए एक्सरसाइज करने का सुझाव देते हैं जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं:

आँखें खोलना और बंद करना

बार-बार आँखें खोलना और बंद करना यानी पलकें झपकाने से आंखो को नमी मिलती है जिससे आंखो का सूखापन दूर और आंसू के उत्पादन में सुधार होता है। यह व्यायाम करने के लिए, अपनी आँखों को बंद करें और फिर लगभग 4-6 सेकेंड के बाद उन्हें खोलें और इस प्रक्रिया को कुछ मिनटों तक दोहराएं। आंखों के लिए एक्सरसाइज की लिस्ट में इसका नाम सबसे ऊपर आता है।

टकटकी लगाना

यह व्यायाम करने से आंखो के आसपास की मांसपेशियों में लचीलापन आता है जिससे थकान से राहत मिलती है। इसे करने के लिए, आपको किसी भी ख़ास एक वस्तु/बिंदु पर फोकस करना यानी टकटकी लगाकर 20-30 सेकेंड तक देखना और फिर ब्रेक लेने के बाद इस प्रक्रिया को कुछ मिनटों तक दोहराना है।

पामिंग करना

इस व्यायाम के बारे में हमने इसी ब्लॉग में ऊपर विस्तार से चर्चा की है। यह व्यायाम आंखो के तनाव और थकान को दूर करने के लिए जाना जाता है। आंखों के लिए बेस्ट एक्सरसाइज की लिस्ट में इसका भी नाम शामिल है।

आँखों को चारों ओर घुमाना

यह व्यायाम भी आंखों की थकान को दूर करने में बहुत लाभदायक होता है। इसे करने के लिए, सबसे पहले किसी एक जगह बैठ जाएं और फिर, अपनी आंखो को पहले क्लॉक वाइज और उसके बाद, एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। साथ ही, इस प्रक्रिया को 2-4 मिनट तक दोहराएं।ऊपर दिए गए आंखों के लिए एक्सरसाइज के अनेक फायदे हैं। इन सबके अभ्यास से आंखों की कमजोर मांसपेशियां मज़बूत होती हैं, रक्त परिसंचरण और मांसपेशियों की टोन में सुधार होता है, आंखों का थकान और तनाव कम होता है जिससे आपकी आंखें अधिक कुशलता से काम कर पाती हैं। अगर आप भी व्यायाम की मदद से अपने आंखो की थकान को दूर करना और उनकी रोशनी को बढ़ाना चाहते हैं तो नेत्र रोग विशेषज्ञ से परामर्श करने के बाद, ऊपर दिए गए आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज कर सकते हैं। साथ ही, अगर आप आंखो से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या से परेशान हैं तो हमारे डॉक्टरों से मिलें, वे आपकी समस्या के अनुसार सटीक देखभाल और उपचार प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर हैं। आँखें इंसान के चेहरे का सबसे खूबसूरत भाग हैं। कहा जाता है कि आँखें इंसान के मन का आईना होती हैं, लेकिन मोबाइल, लैपटॉप या टेलीविजन स्क्रीन के सामने अत्यधिक समय बिताने, काम का तनाव, गलत खानपान, अस्वस्थ जीवनशैली, नशीले पदार्थों का सेवन, पर्याप्त नींद नहीं लेने जैसे अनेक कारणों से आँखों में कई तरह की समस्याएं पैदा होती हैं। इन समस्याओं में मुख्य रूप से आँखों की रोशनी कमज़ोर होना,

नेपालः काठमांडू से कर्फ्यू हटा, 5 मार्च 2026 से पहले होंगे चुनाव, नवनियुक्त PM से भारतीय राजदूत ने की मुलाकात

काठमांडूः नेपाल से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। काठमांडू से कर्फ्यू हटा दिया गया है। कर्फ्यू और निषेधाज्ञा को सेना के द्वारा लगाया गया था, जिसे आज सुबह 5 बजे से हटा दिया गया। नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन और स्थिति सामान्य होने के बाद सेना ने ये फैसला लिया है। हालांकि सड़कों पर सेना के अभी कुछ दिन और रहने की उम्मीद है।

कब होंगे चुनाव?

खबर ये भी सामने आई है कि नेपाल में 5 मार्च 2026 से पहले चुनाव होंगे। राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने PM सुशीला कार्की की सिफारिश के अनुसार, वर्तमान प्रतिनिधि सभा का विघटन किया और नई प्रतिनिधि सभा के निर्वाचन की तिथि निर्धारित की।

नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री से भारतीय राजदूत की मुलाकात

नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। साथ ही नेपाल को इस संकट की घड़ी से बाहर निकलने में हर संभव मदद का भरोसा भी दिया। राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में सुशीला कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथग्रहण करने के तुरंत बाद नेपाल में भारत के राजदूत सुशीला कार्की से मिलने वाले सबसे पहले विदेशी कूटनीतिज्ञ भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव हैं। उन्होंने कार्की को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई

तथा अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। भारत की बधाई स्वीकार करते हुए सुशीला कार्की ने कहा कि नेपाल के इस संकटपूर्ण समय से बाहर निकलने में वह भारत से बहुत बड़ी मदद की अपेक्षा रखती हैं। कार्की ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत हमेशा की तरह नेपाल जनता के हित में अपने सभी सहयोग को जारी रखेगा। इस पर भारतीय राजदूत ने जवाब देते हुए कहा कि भारत हमेशा ही नेपाल और नेपाली जनता के साथ खड़ा है। राजदूत श्रीवास्तव ने कहा कि नेपाल के पुनर्निर्माण से लेकर आम चुनाव तक में भारत हरसंभव मदद के लिए तैयार है। भारतीय राजदूत ने नेपाल के अंतरिम सरकार के साथ मिल कर देश के सभी क्षेत्रों के विकास के लिए काम करने और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं सुशीला कार्की, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नेपाल में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद देश के सामने बड़ा सियासी संकट खड़ा हो गया था। केपी शर्मा ओली समेत कई वरिष्ठ मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस बीच नेपाल में को नया अंतरिम प्रधानमंत्री मिल गया है। सुशीला कार्की देश की नई अंतरिम प्रधानमंत्री बनी हैं। कार्की के नाम पर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों और 'Gen-Z प्रदर्शनकारी समूह के प्रतिनिधियों के बीच आम सहमति बनी थी। सुशीला कार्की 73 वर्ष की हैं नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं।

राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय में 73 वर्षीय कार्की को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राष्ट्रपति पौडेल और नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री के अलावा, उपराष्ट्रपति राम सहाय यादव और प्रधान न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह रावत भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि नई कार्यवाहक सरकार को छह महीने के भीतर नए संसदीय चुनाव कराने का दायित्व सौंपा गया है।

सुशीला कार्की के बारे में जानें

सुशीला कार्की का जन्म 7 जून 1952 को नेपाल के बिराटनगर में हुआ था। 1972 में बिराटनगर से उन्होंने स्नातक किया और 1975 में उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की। 1978 में कार्की ने त्रिभुवन विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1979 में उन्होंने बिराटनगर में वकालत की शुरुआत की और इसी दौरान 1985 में धरान के महेंद्र मल्टीपल कैंपस में वो सहायक अध्यापिका के रूप में भी कार्यरत रहीं। उनकी न्यायिक यात्रा का अहम पड़ाव 2009 में आया, जब उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अस्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

भारत दुनिया का छठा सबसे धनी देश

जानिए दुनिया के 10 सबसे अमीर देशों की लिस्ट

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत 8,230 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ विश्व का छठा सबसे धनी देश है। अमेरिका इस मामले में शीर्ष पर है। रपट, 'अफ्रएशिया बैंक वैश्विक संपत्ति पलायन समीक्षा' के अनुसार इस सूची में अमेरिका 62,584 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ शीर्ष स्थान पर है। इसके बाद 24,803 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ चीन दूसरे और 19,522 अरब डॉलर के साथ जापान तीसरे स्थान पर है

बैंक की समीक्षा में किसी देश के हर व्यक्ति की कुल निजी संपत्ति को आधार माना गया है। शीर्ष 10 में शामिल अन्य देशों में ब्रिटेन की कुल संपत्ति 9,919 अरब डॉलर, जर्मनी की कुल संपत्ति 9,660 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया की कुल 6,142 अरब डॉलर, कनाडा की कुल संपत्ति 6,393 अरब डॉलर, फ्रांस की कुल संपत्ति 6,649 अरब डॉलर और इटली की कुल संपत्ति 4,276 अरब डॉलर है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में संपत्ति सृजन के कारणों में उद्यमियों की काफी संख्या, अच्छी शिक्षा प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी का शानदार परिदृश्य, कारोबारी प्रक्रिया कि आउटसोर्सिंग, रियल एस्टेट, हेलथकेयर और मीडिया क्षेत्र शामिल है। पिछले 10 वर्ष में इनकी संपत्ति में 200 गुना तेजी दर्ज की गयी है। बैंक ने कहा कि आने वाले दशक में चीन की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होने वाली है। वर्ष 2027 तक चीन की संपत्ति बढ़कर 69,449 अरब डॉलर और अमेरिका की संपत्ति बढ़कर 75,101 अरब डॉलर हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार विश्व में अभी 1.52 करोड़ ऐसे लोग हैं जिनकी संपत्ति 10 लाख डॉलर से अधिक है। एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले लोगों की संख्या 5.84 लाख और एक अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले लोगों की संख्या 2,252 है। रिपोर्ट के अनुसार 2027 तक भारत, ब्रिटेन और जर्मनी को पछाड़ विश्व का चौथा सबसे धनी देश बन जाएगा।

टॉप-100 कंपनियों ने 5 साल में अर्जित की 38.9 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति, लगातार 5वें साल TCS रही सबसे आगे

देश की टॉप-100 कंपनियों ने मार्केट वैल्यूएशन के आधार पर पिछले पांच साल में 38.9 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति अर्जित की है। इन सभी कंपनियों में टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) लगातार पांचवे साल संपत्ति निर्माण में सबसे आगे रही है।

प्रमुख ब्रोकरेज कंपनी मोतीलाल ओसवाल की 22वीं वार्षिक संपत्ति निर्माण अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार संपत्ति बनाने के मामले में टीसीएस पहले स्थान पर है। वर्ष 2012 से 2017 के बीच कंपनी ने करीब ढाई लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का निर्माण किया है। इस मामले में दूसरे स्थान पर एचडीएफसी बैंक रहा, जिसने समीक्षावधि में 2.31 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का निर्माण किया। तीसरे क्रम पर रिलायंस इंडस्ट्रीज रही, जिसने 1.89 लाख करोड़ की संपत्ति का निर्माण किया। 1.59 लाख करोड़ रुपए के साथ आईटीसी चौथे और 1.41 लाख करोड़ रुपए के साथ मारुति सुजुकी पांचवें स्थान पर रही।

कुलमिलाकर, टॉप-100 कंपनियों ने 2012 से 2017 के दौरान 38.9 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का निर्माण किया है। अजंता फार्मा लगातार तीसरे साल सबसे तेज संपत्ति निर्माण करने वाली कंपनी के रूप में उभरकर सामने आई है। 2012 से 2017 के दौरान अजंता फार्मा के शेयर का मूल्य 29 गुना बढ़ा है। सेक्टर वाइज देखें तो बैंकिंग और फाइनेंस संपत्ति निर्माण के मामले में सबसे आगे रहे हैं। इस सेक्टर ने पांच साल के दौरान 9.34 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का निर्माण किया है।

22 सितंबर को नया GST लागू होने के बाद सस्ती हो जाएंगी दवाएं, NPPA ने दवा कंपनियों के लिए जारी किए निर्देश

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) ने दवा और चिकित्सा उपकरण बनाने वाली कंपनियों को खास निर्देश दिए हैं। एनपीपीए ने कंपनियों से 22 सितंबर से नया जीएसटी लागू होने के साथ ही उपभोक्ताओं तक सभी लाभ पहुंचाने के लिए कहा है। प्राधिकरण ने एक आदेश में कहा, ''जीएसटी दरों में कटौती का लाभ 22 सितंबर, 2025 से उपभोक्ताओं और मरीजों को दिया जाएगा। दवाएं बेचने वाले सभी निर्माता और मार्केटिंग कंपनियां 22 सितंबर से दवाओं (चिकित्सा उपकरणों सहित) के कीमत में संशोधन करेंगी।''

कंपनियों को जारी करनी होगी नई मूल्य सूची

एनपीपीए ने कहा कि निर्माता और मार्केटिंग कंपनियां डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को नई जीएसटी दरों और नई कीमतों को दर्शाते हुए एक नई मूल्य सूची या पूरक मूल्य सूची जारी करेंगी। इसमें कहा गया है कि निर्माता और मार्केटिंग कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया सहित विभिन्न संचार माध्यमों से जीएसटी दरों में कमी के बारे में जागरूक करने के लिए तत्काल उपाय करेंगी।

अखबारों में भी जारी कर सकते हैं विज्ञापन

NPPA ने आगे कहा, "उद्योग संघ 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी संशोधित जीएसटी दरों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए डीलरों/खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचने के लिए स्थानीय भाषा के समाचार पत्रों सहित प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन भी जारी कर सकते हैं।"

5 प्रतिशत वाले स्लैब में आने वाली दवाओं पर नहीं लगेगा जीएसटी

ये स्पष्ट किया जाता है कि अगर निर्माता/मार्केटिंग कंपनियां इन उपायों के माध्यम से खुदरा विक्रेता स्तर पर मूल्य अनुपालन सुनिश्चित कर सकती हैं, तो 22 सितंबर, 2025 से पहले बाजार में जारी किए गए स्टॉक के कंटेनरों या पैक के लेबल पर वापस मंगाना, पुनः लेबल लगाना या पुनः स्टिकर लगाना अनिवार्य नहीं है। बताते चलें कि 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में प्रमुख दवाओं पर जीएसटी दरों को 5 प्रतिशत से घटाकर 0 प्रतिशत करने की सिफारिश की है। जिन दवाओं पर पहले 12 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता था, उन्हें 5 प्रतिशत की दर से जीएसटी में नहीं बदला गया है।

भारत में अरबपतियों की संख्या 100 के पार, मुकेश अंबानी सबसे अमीर

अरबपतियों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में चौथे नंबर पर आ गया है। भारत में 100 से अधिक अरबपति हैं और इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी सबसे शीर्ष पर हैं। फोर्ब्स (Forbes) पत्रिका की यहां जारी नई सूची में यह जानकारी दी गई है।

मुकेश अंबानी टॉप पर

फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार भारत में 101 अरबपति हैं। पहली बार भारत में अरबपतियों की संख्या ने 100 का आंकड़ा पार किया है। मुकेश अंबानी इस सूची में सबसे ऊपर हैं।

अमेरिका में है कुल 565 अरबपति

फोर्ब्स की दुनिया के अरबपति 2017 में कुल 2,043 अरबपति शामिल हैं, जिनकी कुल संपत्ति 7,670 अरब डॉलर होने का अनुमान है। एक साल पहले के मुकाबले इन अरबपतियों की संपत्ति में 18 फीसदी की जोरदार वृद्धि हुई है। अमेरिका में सबसे अधिक 565 अरबपति हैं। एक साल पहले अमेरिका में अरबपतियों की संख्या 540 थी। चीन में 319, जर्मनी में 114 और भारत 101 अरबपतियों के साथ इस सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गया।दुनिया के अरबपतियों की सूची में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स लगातार चौथे साल सबसे शीर्ष पर हैं। पिछले 23 सालों के दौरान 18 साल वह दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति रहे हैं।

शेयर बाजार में हैप्पी फ्राइडे! निफ्टी 25100 के ऊपर बंद NBFC, मेटल, ऑटो शेयरों में खरीदारी से मिला सपोर्ट

Stock Market Today: सेंसेक्स 355 अंक ऊपर 81,904 पर बंद हुआ. निफ्टी 108 अंक ऊपर 25,114 पर बंद हुआ. बैंक निफ्टी 139 अंक ऊपर 54,809 पर बंद हुआ. करेंसी मार्केट में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 88.28/$ पर बंद हुआ.

Stock Market Today: भारतीय शेयर बाजारों के लिए ये हफ्ता दमदार रहा. पूरे हफ्ते बाजार बढ़त बनाते रहे. आज शुक्रवार को लगातार आठवें दिन बाजार में हरे निशान में क्लोजिंग हुई और इसके साथ ही निफ्टी 25,100 के पार भी निकल गया. इस हफ्ते की बढ़त देखें तो सेंसेक्स करीब 1190 अंक और निफ्टी 370 के लगभग बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे. आज पूरे दिन बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद सेंसेक्स 355 अंक ऊपर 81,904 पर बंद हुआ. निफ्टी 108 अंक ऊपर 25,114 पर बंद हुआ. बैंक निफ्टी 139 अंक ऊपर 54,809 पर बंद हुआ. करेंसी मार्केट में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 88.28/$ पर बंद हुआ.

अगस्त में बुरी तरह धड़ाम हो सकता था शेयर बाजार, लेकिन इन 5 वजहों ने बचा लिया आपका पोर्टफोलियो

ट्रंप की टैरिफ संबंधी चिंताओं और एफआईआई की 4 अरब डॉलर से ज्यादा की बिकवाली के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट टल गई. यह घरेलू निवेशकों की मजबूत खरीदारी, जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने की उम्मीद, पहली तिमाही के बेहतर जीडीपी आंकड़ों और ऑटो सेक्टर में तेजी जैसे सकारात्मक कारकों के कारण संभव हुआ. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से जुड़ी चिंताओं और 4 अरब डॉलर से अधिक की एफआईआई की बिकवाली के बीच भारतीय शेयर बाजार में कई फैक्टर्स की वजह से एक बड़ी गिरावट टल गई है. इन फैक्टर्स में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की खरीदारी, जीएसटी रेट्स को रेशनलाइज बनाने को लेकर पॉजिटिव सेंटीमेंट, पहली तिमाही के मजबूत जीडीपी आंकड़ों और ऑटोमोबाइल शेयरों में तेजी शामिल हैं. यह जानकारी शुक्रवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई.

लार्ज vs मिड vs स्मॉलकैप फंड्स, लॉन्ग टर्म SIP में कहां मिलेगा सबसे ज्यादा रिटर्न?

SIP यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान निवेश का सबसे लोकप्रिय साधन बनकर उभरा है. AMFI की तरफ से लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त महीने में 28265 करोड़ रुपए की SIP की गई जबकि जुलाई में यह 26464 करोड़ रुपए था. पिछले 9 सालों में मंथली SIP में 8 गुना उछाल दर्ज किया गया है. बता दें कि अगस्त 2016 में कुल SIP इनफ्लो 3497 करोड़ रुपए था. क्या आपने कभी जानने की कोशिश की है कि SIP कम से कम कितने सालों तक करना चाहिए और किस तारीख को SIP करना सबसे फायदेमंद है.

मोतीलाल ओसवाल ने VIP और Safari Industries के शेयरों को खरीदने की दी सलाह, बंपर ग्रोथ की उम्मीद

लग्जरी लगेज बैग्स बनाने वाली दो कंपनियों सफारी और VIP इंडस्ट्रीज के शेयरों में आने वाले दिनों तेजी देखने को मिल सकती है। इन दोनों स्टॉक पर ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने अपनी कवरेज शुरू की है। इनमें सफारी इंडस्ट्रीज में दिग्गज निवेशक आशीष कचोलिया ने भी अपना पैसा लगाया हुआ है। यानी इनका भी निवेश है। मोतीलाल ओसवाल ने अपने नोट में कहा कि लगेज अब मात्र सामान ढोने का साधन नहीं ब्लिक लाइफस्टाइल एक्सेसरी बन चुका है।

2028 तक लगेज मार्केट 26,700 करोड़ होने की उम्मीद

सफारी इंडस्ट्रीज और VIP इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों की डिमांड बढ़ने वाली है। इसकी पीछे की वजह लोगों की आमदनी बढ़ना है। अर्बनलाइजेशन तेजी हो रहा है और डोमैस्टिक-इंटरनेशनल ट्रैवल में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, साल 2028 तक इंडिया का लगेज मार्केट 26,700 करोड़ रुपये के पार पहुंच की उम्मीद है, जो 2023-28 के बीच 12 प्रतिशत CAGR की ग्रोथ को दिखाता है। इससे पहले, कोरोना महामारी के दौरान लगेज मार्केट में गिरावट आई थी, जो कम होकर 6000 करोड़ रुपये हो गया था। लेकिन इसने 2020-23 के बीच 37 प्रतिशत CAGR से शानदार वापसी की है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विस लिमिटेड ने अपनी रिपोर्ट में आगे कहा कि सफारी इंडस्ट्रीज मास-लगेज लीडर है, जिसके पास करीब 30 प्रतिशत मार्केट शेयर है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-25 के बीच 36 प्रतिशत रेवेन्यू CAGR की ग्रोथ दर्ज है। यह ओवरऑल इंडस्ट्री ग्रोथ रेट से ज्यादा है। कंपनी अब प्रीमियम सेगमेंट में सफारी सेलेक्ट और अर्बन जंगल जैसे ब्रांड्स पर फोकस कर रही है। जून तिमाही तक सफारी इंडस्ट्रीज में आशीष कचोलिया की 1.84 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। ब्रोकरेज ने इसके लिए खरीद रेटिंग के साथ 2700 टार्गेट दिया है।

बॉलीवुड में खराब शुरुआत के बाद साउथ फिल्मों से चमकेगी शर्ली की किस्मत?

आज के समय में सिनेमा जगत में कई ऐसे सेलेब्स हैं, जिन्होंने अपनी जर्नी यू-ट्यूब से शुरू की और अब वह मनोरंजन जगत का एक अहम हिस्सा बन गए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री शर्ली सेतिया इन्हीं में से एक हैं और आज वह अपना 27वां जन्मदिन मना रही हैं। शर्ली सेतिया मल्टी टैलेंटेड कलाकार हैं। वह कमाल की सिंगर हैं और उन्होंने म्यूजिक के क्षेत्र में शानदार काम करने के बाद ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इतना ही नहीं, एक समय ऐसा भी था जब शर्ली सोशल मीडिया सेंसेशन बन गई थीं। हर कोई उनकी चर्चा करने पर मजबूर हो गया था। आज अभिनेत्री के जन्मदिन पर हम आपको उनके करियर के बारे में बताते हैं, जिसमें साउथ का कनेक्शन तक शामिल है। 2 जुलाई 1995 को दमन में जन्मी शर्ली सेतिया न्यूजीलैंड में पली बढ़ी हैं। जब उनका जन्म हुआ था उसके कुछ समय बाद ही शर्ली अपने माता-पिता के साथ न्यूजीलैंड चली गई थीं और यहीं पर पढ़ाई की। उन्होंने अपना ग्रेजुएशन ऑकलैंड यूनिवर्सिटी से किया। इसी बीच शर्ली ने टी-सीरीज द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और इसकी विजेता रहीं। वह रातों-रात रॉक स्टार बन गईं। उन्होंने बेडरूम से ही पजामा पहने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसके बाद ही उन्हें 'पजामा पॉपस्टार' का निक नेम दिया गया।

यूट्यूब पर बन गई थीं सेंसेशन

शर्ली जब 16 साल की थीं तब उन्होंने यू-ट्यूब पर अपना पहला गाना अपलोड किया था। लेकिन उनके गाने 'आशिकी 2' ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया। इस गाने को यूजर्स ने खूब पसंद किया। इसके बाद ही वह रातों-रात सोशल मीडिया सेंसेशन बन गईं। फैंस गानों के साथ-साथ उनका क्यूट अंदाज को भी खूब पसंद करते हैं।

सिंगिंग की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद ही शर्ली एक्टिंग में कमाल दिखाने भी आ गई हैं। लेकिन उनकी शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। शर्ली ने ओटीटी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। वह नेटफ्लिक्स की फिल्म 'मस्का' से फिल्मों में सबसे पहले नजर आई थीं। हाल ही में, वह शिल्पा शेट्टी और अभिमन्यु दासानी के साथ फिल्म 'निकम्मा' में भी नजर आईं। शर्ली को इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं लेकिन यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई।

साउथ से चमकेगी शर्ली सेतिया की किस्मत

शर्ली सेतिया की फिल्म 'निकम्मा' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई। लेकिन अभिनेत्री अब साउथ की ओर कदम रख चुकी हैं। शर्ली बॉलीवुड के बाद तेलुगू सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

हॉलीवुड चलीं नूतन की पोती इंटरनेशनल स्टार के अपोजिट मिला बड़ा मौका

सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म 'नोटबुक' से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाली मोहनीश बहल की लाडली प्रनूतनबहल अब अपनी जिंदगी का नया सफर शुरू करने जा रही हैं। दिग्गज एक्ट्रेस नूतन की पोती को उनकी फिल्म 'नोटबुक' में एक्टिंग के लिए दर्शकों से काफी सराहना मिली थी। पहली ही बॉलीवुड फिल्म के बाद अब प्रनूतन बहल ने प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण के नक्शे कदम पर चलते हुए हॉलीवुड की राह पकड़ ली है। प्रनूतनबहल जल्द ही अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रह है।

इस बड़े स्टार के अपोजिट इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में नजर आएंगी प्रनुतन बहल

प्रनूतन बहल को इंटरनेशनल फीचर फिल्म 'कोको एंड नट' में कास्ट किया गया है। जिसमें वह अमेरिकन फिल्ममेकर और एक्टर रहसान नूर के अपोजिट नजर आने वाली हैं। अपने पहले इंटरनेशनल प्रोजेक्ट 'कोको एंड नट' में वह एक्टर के अपोजिट रोमांस करती हुई नजर आएंगी, ये फिल्म एक लव स्टोरी है। जिसके निर्देशन की कमान भी रहसान नूर ही संभाल रहे हैं। साल 2018 में रिलीज हुई 'बंगाली ब्यूटी' के बाद यह रहसान नूर की दूसरी फिल्म है, जिसे इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा रहा है। कोको एंड नट में प्रनूतन बहल एक ऐसी महत्वकांक्षी यंग लड़की का किरदार अदा कर रही हैं, जो अपनी शादी को बचाने के लिए

एक लड़ाई लड़ती हैं।

प्रनुतन बहल ने भी फैंस के साथ अपनी खुशी की शेयर

प्रनूतन बहल ने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में फीचर होने पर अपनी खुशी चाहने वालों के साथ शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "ग्रैटिट्यूड', मेरी पहली इंटरनेशनल फीचर फिल्म..मेरा हॉलीवुड में डेब्यू, ये कितनी स्पेशल फीलिंग है। बहुत ही अच्छा महसूस हो रहा है। उन सभी का शुक्रिया जिन्होंने मेरे इस सपने को सच बनाया, आपके सामने प्रेजेंट हैं कोको एंड नट"। उनके इस पोस्ट पर इंटरनेशनल एक्टर रहसान नूर ने भी कमेंट करते हुए लिखा, "इसकी शुरुआत अब हो चुकी है"। सोशल मीडिया पर फैंस प्रनूतन बहल को उनके पहले हॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए बधाई दे रहे हैं।

ग्लोइंग स्किन चाहिए तो घर पर ऐसे बनाएं एलोवेरा से नाइट क्रीम, रातों-रात चमक उठेगा चेहरा

हर व्यक्ति की चाहत होती है कि उसकी त्वचा हमेशा खूबसूरत और ग्लोइंग नजर आए। लेकिन प्रदूषण, गलत खानपान, खराब जीवनशैली और गलत प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल के कारण कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। साथ ही, त्वचा काफी डल और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में, चेहरे पर ग्लो लाने के लिए लोग महंगे-महंगे ब्यूटी और स्किन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इनमें हानिकारक केमिकल्स मौजूद होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर आप भी ग्लोइंग स्किन पाना चाहती हैं, लेकिन बाजार के केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करके तंग आ चुकी हैं, तो घर पर ही एलोवेरा से नाइट क्रीम बनाकर लगा सकती हैं। जी हां, एलोवेरा नाइट क्रीम त्वचा को पोषण देने के साथ-साथ स्किन को लंबे समय तक मॉइश्चराइज रखने में मदद करती है। यह स्किन को कोमल और मुलायम बनाती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा के दाग-धब्बों, मुहासों, पिगमेंटेशन और झुर्रियों से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, त्वचा की रंगत में भी सुधार हो सकता है। अगर आप रात को सोने से पहले घर पर बनी एलोवेरा नाइट क्रीम को त्वचा पर अप्लाई करेंगे, तो सुबह आपका चेहरा चमकने लगेगा। तो आइए, जानते हैं एलोवेरा से नाइट क्रीम कैसे बनाएं

स्किन के लिए एलोवेरा के फायदे

एलोवेरा त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह त्वचा को नमी और ठंडक भी प्रदान करता है। साथ ही, त्वचा पर मौजूद गंदगी और डेड स्किन सेल्स को हटाने में भी मदद करता है। इसके अलावा, इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो त्वचा के दाग-धब्बों, पिंपल्स, पिगमेंटेशन, झुर्रियों और टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं। एलोवेरा त्वचा की जलन और रेडनेस को कम करने में भी मदद करता है। रोजाना रात को सोने से पहले चेहरे पर एलोवेरा लगाने से यह आपकी स्किन को रिपेयर कर उसे सुंदर बनाने में मदद करता है। साथ ही, यह त्वचा की ड्राईनेस से छुटकारा दिलाने में भी मददगार होता है। Also Read - चेहरे पर ज्यादा एलोवेरा लगाने से स्किन में हो सकते हैं ये 5 नुकसान, जानें किन लोगों को रखना चाहिए ध्यान

एलोवेरा से नाइट क्रीम कैसे बनाएं?

एलोवेरा से नाइट क्रीम बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में 2 चम्मच ताजा एलोवेरा जेल लें। अब इसमें एक चम्मच नारियल तेल, एक चम्मच बादाम का तेल, एक चम्मच गुलाब जल और एक विटामिन-ई कैप्सूल का ऑयल मिलाएं। इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। आपकी एलोवेरा नाइट क्रीम बनकर तैयार है। आप इसे किसी कांच की बोतल में स्टोर करके रख सकते हैं। आप इसे 1 हफ्ते तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

एलोवेरा नाइट क्रीम कैसे लगाएं?

सबसे पहले अपने चेहरे को क्लींजर या फेस वॉश से साफ कर लें और तौलिए से पोंछकर चेहरा सुखा लें। अब इस नाइट क्रीम को अपने चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से करीब 5 मिनट तक सर्कुलर मोशन में मसाज करें। अब इस क्रीम को रात भर चेहरे पर ही लगा रहने दें और सुबह नॉर्मल पानी से मुंह धो लें। इसके नियमित इस्तेमाल से आपकी स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग नजर आएगी। Also Read - शीशे जैसी चमकती स्किन के लिए रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलो वेरा, जान लें सही तरीका

अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो इसे अपने चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यदि आपको स्किन पर किसी भी प्रकार की इरिटेशन या खुजली हो रही है, तो इसे चेहरे पर लगाने से अवॉइड करें। अगर आपको किसी तरह की स्किन प्रॉब्लम है, तो बिना डॉक्टर से पूछे इसका इस्तेमाल न करें

क्या चेहरे पर रातभर एलोवेरा लगाकर छोड़ सकते हैं? एक्सपर्ट से जानें

एलोवेरा स्किन के लिए बेहद अच्छा होता है। अधिकतर लोग त्वचा से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करते हैं। एलोवेरा त्वचा को नमी प्रदान करता है। अधिकतर घरों में एलोवेरा का प्लांट लगा होता है। कई लोग एलोवेरा प्लांट को घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए छत या बालकनी में लगा देते हैं। तो कुछ लोग ऐसे हैं, जो फ्रेश एलोवेरा प्लांट से जेल निकालकर जूस पीना पसंद करते हैं। वहीं, कुछ लोग एलोवेरा जेल का इस्तेमाल त्वचा पर भी करते हैं। त्वचा के लिए एलोवेरा जेल को रामबाण बताया गया है। इसलिए कई कॉस्मेटिक्स कंपनियां भी स्किनकेयर प्रोडक्ट्स में एलोवेरा का यूज करते हैं। इसलिए आपको भी अपने चेहरे पर एलोवेरा जरूर अप्लाई करना चाहिए। एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा के दाग-धब्बों और मुंहासों के मिटाने में असरदार होते हैं। वैसे तो अकसर लोग चेहरे पर एलोवेरा लगाते हैं और 30-35 मिनट बाद त्वचा को साफ कर लेते हैं। खासकर, ड्राई और बेजान स्किन वाले लोगों के लिए एलोवेरा काफी अच्छा होता है। एलोवेरा में मौजूद मॉइश्चराइजिंग गुण ड्राईनेस से छुटकारा दिलाते हैं। एलोवेरा त्वचा को नमी प्रदान करता है। साथ ही, त्वचा को मुलायम और चमकदार भी बनाता है। अगर आप चेहरे पर रातभर एलोवेरा लगाकर छोड़ेंगे, तो अगली सुबह चेहरा पर अलग ही रौनक नजर आएगी। इसलिए आप भी अपने चेहरे पर रातभर एलोवेरा लगाकर छोड़ सकते हैं।

इसके लिए आप फ्रेश एलोवेरा जेल लें। अब इसे अपने पूरे चेहरे और गर्दन पर अप्लाई करें। इसे रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह त्वचा को नॉर्मल पानी से धो लें और फिर त्वचा को अच्छी तरह से मॉइश्चराइज करें। कुछ दिनों तक लगातार चेहरे पर एलोवेरा लगाने से त्वचा बेहद खूबसूरत नजर आने लगेगी।

भारतीय नारी की साड़ी कैसे हुई इतनी पॉपुलर? इंटरनेशनल फैशन शो तक दिखा जलवा, आज पूरी दुनिया कर रही कॉपी

भारत को आज पूरी दुनिया फैशन की दुनिया में नए नजरिए से देख रही है. चाहे बात हो प्रादा (Prada) द्वारा 'कोल्हापुरी चप्पल' को अपनाने की या फिर राहुल मिश्रा और गौरव गुप्ता जैसे भारतीय डिजाइनर्स की, जिन्होंने अपने अनोखे डिजाइन्स से मेट गाला और इंटरनेशनल फैशन शो में सबका ध्यान खींचा. लेकिन सच यह है कि भारत का फैशन हमेशा से ही दुनिया को प्रेरित करता रहा है. भारतीय कपड़े, डिजाइन और उनका फैशन न सिर्फ हमारे देश में बल्कि सदियों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी जगह बनाते आए हैं और इसी तरह भारतीय नारी की साड़ी भी पूरी दुनियाभर में अपना नाम बना चुकी है.बात करते हैं 18वीं सदी की, जब फ्रांस का फैशन एक समय बेहद उबाऊ हो गया था. तभी उन्हें भारत से आया एक कपड़ा मिला जिसे "चिंट्ज़" कहा जाता है. यह हल्का, रंगीन और आकर्षक कपड़ा यूरोप में इतना लोकप्रिय हुआ कि वहां की रानियां और रईस महिलाएं चिंट्ज़ से बने गाउन पहनने लगीं और महलों की सजावट भी इसी कपड़े से होने लगी. इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि फ्रांस और इंग्लैंड ने इसके आयात पर बैन लगा दिया, फिर भी इसकी तस्करी होती रही. बाद में यूरोप ने खुद इस तरह के कपड़े बनाने शुरू कर दिए, लेकिन इसकी शुरुआत भारत से ही हुई थी.

बूटे से बना पेस्ली डिजाइन

भारतीय कश्मीर से निकला "बूटा" डिजाइन, आज पूरे विश्व में "पेस्ली" के नाम से जाना जाता है. यह बूटा मूल रूप से जीवन और अनंतता का प्रतीक माना जाता था. जब कश्मीर के शानदार शॉल यूरोप पहुंचे तो वहां पेस्ली पैटर्न का जलवा छा गया. स्कॉटलैंड के "पेस्ली" शहर में इसकी नकल इतनी बड़ी मात्रा में होने लगी कि इस डिजाइन को ही "पेस्ली" कहा जाने लगा. आज डोल्से एंड गब्बाना से लेकर कई इंटरनेशनल ब्रांड इस डिजाइन को अपने कलेक्शन में शामिल कर चुके हैं.

खादी की वैश्विक पहचान

भारत की आजादी की लड़ाई में खादी सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि आजादी का प्रतीक बनी. महात्मा गांधी ने इसे "लिवरी ऑफ फ्रीडम" यानी स्वतंत्रता की वर्दी कहा. उन्होंने विदेशी कपड़ों के बहिष्कार का आह्वान करते हुए लोगों को खादी अपनाने की प्रेरणा दी. आज यही खादी पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना चुकी है. मशहूर डिजाइनर विविएन वेस्टवुड ने भी अपनी कलेक्शन में खादी को शामिल किया. भारत सरकार ने खादी को बढ़ावा देने के लिए KVIC की स्थापना की और अब यह कपड़ा न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी फैशन ट्रेंड बन चुका है.

साड़ी और भारतीय डिजाइनर्स की सफलता

भारतीय साड़ी आज दुनिया के सबसे बड़े फैशन हाउस के लिए प्रेरणा बन चुकी है. हर्मेस, बालेंसीगा और गुच्ची जैसे ब्रांड्स ने साड़ी को अपने अंदाज में पेश किया है. बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में गुच्ची की साड़ी-प्रेरित ड्रेस पहनकर सबका ध्यान खींचा. वहीं, सब्यसाची, मनीष मल्होत्रा, गौरव गुप्ता और राहुल मिश्रा जैसे डिजाइनर्स ने इंटरनेशनल रनवे पर भारत का नाम रोशन किया. यहां तक कि मेट गाला और पेरिस फैशन वीक में भी

भारतीय डिजाइन और पैटर्न की झलक साफ देखी जा सकती है.

भारतीय शाकाहारी व्यंजनों को मुख्य रूप से क्षेत्र के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है - पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी, महाराष्ट्रियन, दक्षिण भारतीय, बंगाली, हैदराबादी

कुकबुक और ऑनलाइन पोर्टल के आगमन के साथ, व्यंजनों को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पारित किया जाता है, लेकिन फिर भी, आप प्रत्येक क्षेत्र में सामग्री और आम खाना पकाने के तरीकों की उपलब्धता के कारण भोजन के स्वाद के तरीके में अलग-अलग अंतर पा सकते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण भारत में बनी पाव भाजी उत्तर में स्वाद के मामले में काफी भिन्न है; और इसी तरह, उत्तर भारतीयों द्वारा बनाया गया इडली और डोसा, दक्षिण भारतीयों द्वारा इसे बनाने के तरीके से काफी भिन्न हो सकता है! भारतीय शाकाहारी व्यंजनों को मुख्य रूप से क्षेत्र के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है - पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी, महाराष्ट्रियन, दक्षिण भारतीय, बंगाली, हैदराबादी, मुगलई और इतने पर। क्षेत्र के आधार पर, मुख्य पाठ्यक्रम रोटी या चावल पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, जैसे कि सब्जिस, दाल, सांभर आदि बाजरे की रोटी और हरी मटर पुलाव के साथ पयाजवाली भिंडी और दम आलू के साथ एक दिलचस्प भोजन बना सकते हैं, जैसे गोभी पोरियाल, सांभर, रसम और चावल भी।

उत्तर भारतीय शाकाहारी व्यंजन रैसिपी

उत्तर भारत के व्यंजनों में केवल पंजाबी भोजन नहीं, बल्कि अमृतसरी, कश्मीरी व्यंजन शामिल हैं। प्रत्येक राज्य की पेशकश के लिए कुछ अलग है।पंजाब, अमृतसर और दिल्ली के लोग मानते हैं कि भारी भरकम नाश्ते में मीठे लस्सी के साथ-साथ ताज़े दही और आम का अचार, छोले भटूरे या छोले कुलचा जैसे लज़ीज़ मक्खन के साथ परांठे होने चाहिए। इसके अलावा उत्तर भारतीय व्यंजनों में तंदूर खाना पकाने की एक आवश्यक विधि है। पनीर टिक्का और मशरूम और शिमला मिर्च टिक्का जैसे ऐपेटाइज़र से लेकर तंदूरी नान, रोटी और कुलचा तक के फ्लैटब्रेड तक, वे मिट्टी के पॉट ओवन में पके हुए और सब कुछ ग्रिल्ड पसंद करते हैं। रिच ग्रेवी, मसालेदार सब्ज़ी, सिज़लिंग ऐपेटाइज़र, मनोरम मिठाइयाँ उत्तर भारतीय भोजन का योगदान हैं! जब आप पश्चिमी भारत में आते हैं, तो आप गुजराती व्यंजनों के लिए आते हैं जो स्वाद का एक मिश्रण है। वे ज्यादातर शाकाहारी होते हैं और उन्हें पकाने के लिए कई देशी सब्जियों और मसालों का उपयोग करते हैं। गुड़ के उपयोग के कारण दाल और शाक का मीठा स्वाद होता है। फरसाण (नमकीन) और मिष्ठान (मिठाई) गुजराती भोजन के बहुत ही प्रिय पहलू हैं। गुजराती थली एक भव्य दावत है, जिसमें दाल, भट, रोटली, शक, फरसाण और मिष्टान के साथ कचुंबर, अठानू और पापड़ जैसी चीजें शामिल हैं। दही और छाछ उनके भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पानी की कमी के कारण राजस्थान दही और छाछ का व्यापक रूप से उपयोग करता है और सब्जियों की आपूर्ति में सीमित होने के कारण वे दाल बहुत खाते हैं। यह कचौरी की अंतहीन किस्मों के लिए जाना जाता है। प्याज की कचौरी, शाही राज कचौरी, खास्ता कचौरी राजस्थान के कुछ लोकप्रिय स्थानीय नाश्ते के व्यंजन हैं और अधिकांश 'नमकीन' दुकानों पर बेचे जाते हैं। महाराष्ट्रीयन व्यंजन मसालेदार है, जिससे मूंगफली, तिल, मिर्च, कोकम, काजू, नारियल आदि सुगंधित सामग्रियों का उपयोग किया जाता है। सपनों के शहर मुंबई को कुछ स्ट्रीट फूड की पेशकश की गई है। शेजवान चोपस्यू डोसा, मैसूर मसाला डोसा, तवा पिज्जा, टोस्ट समोसा सैंडविच और आप प्रसिद्ध वड़ा पाव, मिसल पाव, भज्जी पाव को कैसे भूल सकते हैं! दक्षिण भारतीय व्यंजन पारंपरिक मसालों जैसे सरसों, करी पत्ते, लाल मिर्च, उड़द की दाल और चना दाल के स्वाद पर निर्भर करते हैं जो खाने में तड़के के रूप में शामिल किए जाते हैं। पूरे भारत में इडली, डोसा और उत्तपम जैसे नाश्ते का आनंद बहुत पसंद किया जाता है। कडुबु, बेन्ने डोसा, नीर डोसा, बीसी बीले भात कुछ क्लासिक कर्नाटक व्यंजन हैं। मंगलोरियन भोजन उडुपी से अलग है, जो मैसूर से अलग है, और एक खाद्य पारखी आसानी से अंतर बता सकते हैं!

कर्नाटक के हर कोने में अलग-अलग स्वाद, देशी सामग्री और विशेष खाना पकाने की तकनीक के साथ एक विशेष उपाख्यान है।

केरल में पकाए गए भोजन और तटीय तमिलनाडु के बीच बहुत समानता है।

घरेलू उद्योग कैसे शुरू करें और कौन सा करें?

घर बैठे पैसा कमाने का सपना किसका नहीं होता? घरेलू उद्योग (Gharelu Udyog) एक ऐसा तरीका है जिससे आप अपने घर से ही अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और अच्छा खासा मुनाफा कमा सकते हैं। आज के दौर में कई तरह के घरेलू उद्योग हैं जिन्हें आप आसानी से शुरू कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे आप अपना घरेलू उद्योग शुरू कर सकते हैं और कौन सा उद्योग आपके लिए सही रहेगा।

घरेलू उद्योग शुरू करने के कदम

व्यवसाय की योजना बनाएं (Business Plan बनाएं): सबसे पहले आपको एक व्यवसाय योजना बनानी होगी। इसमें आपको यह तय करना होगा कि आप क्या उत्पादन करेंगे, आपका लक्ष्य बाजार कौन होगा, और आपकी लागत और मुनाफा कितना होगा। बाजार अनुसंधान (Market Research): अपने उत्पाद के लिए बाजार अनुसंधान करें। जानें कि आपके उत्पाद की मांग कितनी है और बाजार में आपके प्रतिस्पर्धी कौन-कौन हैं।

लाइसेंस और पंजीकरण

व्यवसाय शुरू करने से पहले, आपको आवश्यक लाइसेंस और पंजीकरण की जरूरत होती है। इसके लिए आप स्थानीय प्राधिकरण या सरकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

वित्तीय व्यवस्था

व्यवसाय शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत होती है। इसके लिए आप बैंक से ऋण ले सकते हैं या अपने बचत का उपयोग कर सकते हैं।

स्थान और उपकरण

घरेलू उद्योग के लिए आपको एक उचित स्थान की आवश्यकता होगी जहां आप अपने उत्पाद का उत्पादन कर सकें। इसके अलावा, आवश्यक उपकरण और सामग्री की खरीद भी करनी होगी।

मार्केटिंग और बिक्री

अपने उत्पाद की मार्केटिंग करें और बिक्री के विभिन्न तरीकों का उपयोग करें। सोशल मीडिया, वेबसाइट, और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं।

कौन सा घरेलू उद्योग शुरू करें?

अब सवाल आता है कि कौन सा घरेलू उद्योग शुरू किया जाए। आइए कुछ लोकप्रिय घरेलू उद्योगों के बारे में जानते हैं:

कपड़े का उद्योग

कपड़े का व्यवसाय एक बहुत ही लाभदायक घरेलू उद्योग हो सकता है। आप खुद के डिज़ाइन किए हुए कपड़े बना सकते हैं या फिर छोटे पैमाने पर टेलरिंग का काम शुरू कर सकते हैं।

ज्वेलरी मेकिंग

अगर आपको आभूषण बनाने का शौक है तो आप इस शौक को व्यवसाय में बदल सकते हैं। हाथ से बनी ज्वेलरी की आजकल बहुत मांग है।

घरेलू खाद्य उत्पाद

अगर आप खाना बनाने में माहिर हैं तो आप घरेलू खाद्य उत्पाद जैसे पापड़, अचार, मिठाई आदि का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

ब्यूटी प्रोडक्ट्स

घरेलू सौंदर्य उत्पाद जैसे साबुन, शैम्पू, क्रीम आदि का उत्पादन भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आजकल हर्बल और प्राकृतिक उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

मोमबत्ती निर्माण

मोमबत्ती बनाना एक सरल और लाभदायक व्यवसाय है। विभिन्न आकार, रंग और खुशबू वाली मोमबत्तियों की बाजार में काफी मांग है।

कागज के उत्पाद

आप कागज के विभिन्न उत्पाद जैसे ग्रीटिंग कार्ड, गिफ्ट बॉक्स, पेपर बैग आदि का निर्माण कर सकते हैं।

हस्तशिल्प

अगर आपको हस्तशिल्प का शौक है तो आप इसे व्यवसाय में बदल सकते हैं। विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प उत्पादों की बाजार में बहुत मांग है।घरेलू उद्योग शुरू करना एक उत्कृष्ट विचार है, खासकर उन लोगों के लिए जो घर से काम करना चाहते हैं और अपनी खुद की पहचान बनाना चाहते हैं। सही योजना, अनुसंधान और मेहनत के साथ, आप अपने घरेलू उद्योग को सफल बना सकते हैं। चाहे आप कपड़े का व्यवसाय शुरू करें, ज्वेलरी बनाएँ, या घरेलू खाद्य उत्पाद बेचें, हर विकल्प में सफलता की संभावना है अगर आप उसमें पूरी लगन और मेहनत से जुटे रहें। याद रखें, किसी भी व्यवसाय में सफलता के लिए धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता होती है।

सफलता की कुंजी

घरेलू उद्योग में सफलता प्राप्त करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें ध्यान में रखनी होती हैं:

गुणवत्ता (Quality): आपके उत्पाद की गुणवत्ता ही आपकी पहचान बनेगी। सुनिश्चित करें कि आपके द्वारा बनाए गए सभी उत्पाद उच्च गुणवत्ता के हों।

ग्राहक संतुष्टि

ग्राहक संतुष्टि सबसे महत्वपूर्ण है। ग्राहकों की प्रतिक्रिया लें और उनकी आवश्यकताओं को समझें। यदि ग्राहक संतुष्ट होंगे तो वे आपके उत्पाद की प्रशंसा करेंगे और अधिक लोगों तक पहुंचाने में मदद करेंगे।

नवाचार (Innovation):

बाजार में बने रहने के लिए नवाचार करना जरूरी है। अपने उत्पादों में समय-समय पर नवाचार करें और नए-नए डिज़ाइन या आइडिया लाएं।

मूल्य निर्धारण (Pricing):

अपने उत्पाद की कीमत उचित रखें। बाजार अनुसंधान करें और अपने प्रतिस्पर्धियों की कीमतें जानें। सुनिश्चित करें कि आपके उत्पाद की कीमत प्रतिस्पर्धी और उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक हो।

सोशल मीडिया का उपयोग

सोशल मीडिया आपके उत्पाद की मार्केटिंग के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और अपने उत्पाद की प्रोमोशन करें।

नेटवर्किंग

नेटवर्किंग बहुत महत्वपूर्ण है। अपने उद्योग से जुड़े अन्य लोगों से मिलें और उनसे सीखें। व्यापार मेलों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लें।

नियमित समीक्षा

अपने व्यवसाय की नियमित समीक्षा करें। यह जानें कि कौन से क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है और इसे बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं।

कुछ और घरेलू उद्योग के विचार

हर्बल प्रोडक्ट्स (Herbal Products): आजकल हर्बल उत्पादों की मांग बहुत बढ़ गई है। आप हर्बल साबुन, शैम्पू, क्रीम, आदि बना सकते हैं।

टिफिन सर्विस

अगर आप खाना बनाने में माहिर हैं तो आप टिफिन सर्विस शुरू कर सकते हैं। कामकाजी लोगों और विद्यार्थियों के लिए यह एक बहुत ही लाभदायक व्यवसाय हो सकता है।

ऑनलाइन कोचिंग (Online Coaching):

यदि आप किसी विशेष विषय में विशेषज्ञ हैं तो आप ऑनलाइन कोचिंग क्लासेस शुरू कर सकते हैं।

बेकरी प्रोडक्ट्स

बेकरी उत्पाद जैसे केक, कुकीज, ब्रेड आदि का व्यवसाय भी एक अच्छा विकल्प है। इसे आप अपने घर से ही शुरू कर सकते हैं।

हैंडमेड सोप्स और कैंडल्स

हाथ से बने साबुन और मोमबत्तियों की मांग भी बढ़ रही है। यह एक सरल और लाभदायक व्यवसाय है जिसे आप घर से ही चला सकते हैं।

निर्माण प्रक्रिया: उद्योग या व्यवसाय की स्थापना के लिए आवश्यक निर्माण प्रक्रियाओं का विस्तृत विवरण।

बाजार अनुसंधान: उत्पाद या सेवा के बाजार में संभावनाओं और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण।

फ्लो शीट डायग्रामः उत्पादन प्रक्रिया का दृश्य प्रतिनिधित्व, जो प्रत्येक चरण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। **उत्पाद मिश्रण:** विभिन्न उत्पादों का मिश्रण और उनके उत्पादन का विवरण। **मशीनरी विवरण:** आवश्यक मशीनरी और उपकरणों का विस्तृत विवरण।

कच्चे माल का विवरण: उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की जानकारी।

परियोजना वित्तीय विवरण: परियोजना की वित्तीय स्थिरता और लाभप्रदता का आकलन। NPCS को औद्योगिक परियोजना परामर्शदाता के रूप में जाना जाता है और हम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट/व्यवसाय योजना प्रदान करते हैं

हमारा देश हमारा अभिमान

।। हर हर महादेव ।।

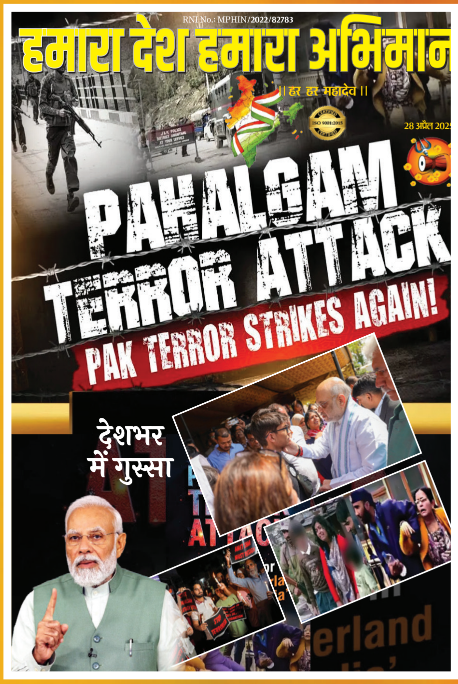

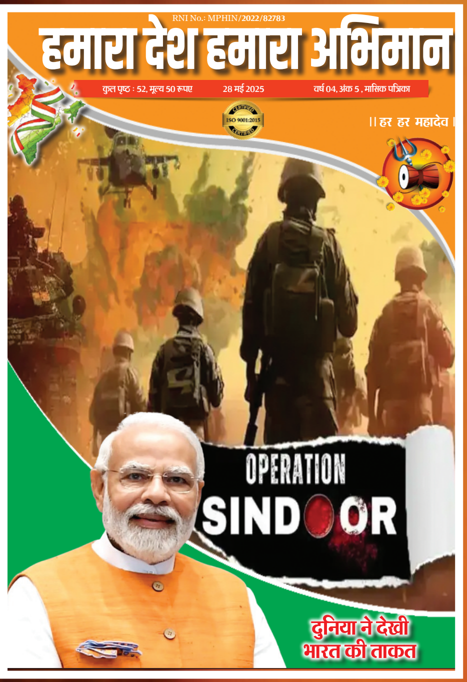

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें......

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136